Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI No. DLHIN/2012/483
वर्ष 13 । अंक 32
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 5 दिसम्बर 2024
पृष्ठ 12 ₹ मूल्य 3
नगर संस्करण

Established 1865

पायनियर

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

राष्ट्रीय 9

हर रेल यात्री को मिलती है 46 प्रतिशत की सब्सिडी

स्वर्ण मंदिर में चलीं गोलियां

पायनियर समाचार सेवा। अमृतसर/नई दिल्ली

नारायण सिंह चौरा को शिरोमणि अकाली दल के नेता सुखबीर सिंह बादल पर गोली चलाने के बाद गिरफ्तार किया गया।

शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के नेता और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल बुधवार को स्वर्ण मंदिर में एक हत्या के प्रयास से बच गए, जब एक पूर्व आतंकवादी ने उन पर नजदीक से गोली चलाई। हालांकि, सादे कपड़ों में मौजूद एक पुलिसकर्मी ने हमलावर को काबू कर लिया, जिससे वह बच गया। उसकी पहचान नारायण सिंह चौरा के रूप में हुई। धार्मिक दंड के तहत मंदिर के प्रवेश द्वार पर गार्ड के रूप में सेवा कर रहे 'जेड प्लस' सुरक्षा प्राप्त बादल सुरक्षित हैं। वीडियो में व्हीलचेयर पर बैठे नेता को नीली 'सेवादार' वर्दी में और एक हाथ में भाला पकड़े और गले में एक छोटा सा बोर्ड लटका हुआ दिखाया गया है।

सुबह करीब 9.30 बजे हुआ यह हमला मीडियाकर्मियों के कैमरों में कैद हो गया, जो 2007 से 2017 तक पंजाब में अकाली दल सरकार द्वारा की गई 'गलतियों' के प्रायश्चित के रूप में बादल द्वारा मंदिर के बाहर 'सेवादार' के रूप में की गई ड्यूटी के दूसरे दिन को कवर करने के लिए एकत्र हुए थे। टेलीविजन फुटेज में दिखाया गया है कि शूटर धीरे-धीरे बादल (62) की ओर बढ़ रहा है, जो पैर में फ्रैक्चर के कारण व्हीलचेयर पर बैठे थे, और अपनी जेब से बंदूक निकाल रहा है। हथियार कथित तौर पर एक अत्याधुनिक 9 मिमी पिस्तौल है और सूत्रों ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह एक 'लोन वुल्फ' हमला प्रतीत होता है।बादल के पास सादे कपड़ों में खड़े एक पुलिस अधिकारी ने हमलावर के हाथों को जल्दी से पकड़ लिया और उसे दूर धकेल दिया। हाथापाई में, एक गोली बादल के पीछे मंदिर की प्रवेश दीवार पर लगी।

जल्द ही अन्य सुरक्षा कर्मियों और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) के टास्क फोर्स के सदस्यों ने भी हस्तक्षेप किया। बादल ने हमले के बाद भी अपनी सेवा जारी रखी, उनके चारों ओर एक सुरक्षा घेरा बना दिया गया। उनकी पत्नी और बठिंडा की सांसद हरसिमरत कौर बादल भी उनसे मिलने स्वर्ण मंदिर पहुंचीं। शूटर नारायण सिंह चौरा डेरा बाबा नानक का निवासी है और बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से जुड़ा एक पूर्व आतंकवादी है। हमले के बाद उसे सुरक्षा अधिकारी ले गए और गिरफ्तार कर लिया गया। अमृतसर के पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कहा कि पुलिस की सतर्कता के कारण बादल पर हमला विफल हो गया। चौरा को सबसे पहले पुलिस अधिकारी रशपाल सिंह ने देखा, क्योंकि वह एक पूर्व आतंकवादी है और उसका आपराधिक इतिहास है। आयुक्त ने कहा कि जब चौरा ने अपना हथियार निकाला, तो सहायक उपनिरीक्षक जसबीर सिंह और एक अन्य पुलिस अधिकारी परमिंदर सिंह ने चौरा के हाथ पकड़ लिए और परिणामस्वरूप गोली ऊपर की ओर चली गई। भुल्लर ने कहा, नारायण सिंह चौरा को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। हमले में इस्तेमाल किया गया हथियार बरामद कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की सभी कोणों से जांच की जाएगी। चौरा से पूछताछ के बाद हमले के पीछे का मकसद पता लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह स्वर्ण मंदिर में अकेले आया था। एक सवाल के जवाब में भुल्लर ने कहा कि मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि धार्मिक भावनाओं से जुड़ी होने के कारण पुलिस तलाशी नहीं ले सकती।

स्वर्ण मंदिर परिसर में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने कहा कि एक सहायक महानिरीक्षक के नेतृत्व में करीब 175 पुलिसकर्मियों को वहां तैनात किया गया है। एएसआई जसबीर सिंह, जिनके बहादुरी भरे काम की हर तरफ से प्रशंसा हो रही है, ने संवाददाताओं से कहा कि वह सिर्फ अपनी ड्यूटी निभा रहे थे। अतिरिक्त उपायुक्त हरपाल सिंह ने कहा कि पुलिस सतर्क है और आरोपियों पर नजर रख रही है। उन्होंने कहा, 'हमने सुखबीर जी को कवर किया था।' अधिकारी ने कहा कि चौरा मंगलवार को भी यहां थे। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पुलिस को घटना की गहन जांच करने का निर्देश दिया, जबकि विपक्षी दलों ने राज्य में कानून-व्यवस्था के 'टूटने' पर उनके इस्तीफे की मांग की। मान ने हमलावर को पकड़ने में पुलिस की तत्परता की सराहना की और इसे 'बड़ी सफलता' बताया। उन्होंने कहा, 'पंजाब पुलिस ने आज एक बड़ी घटना को रोका। यह पंजाब पुलिस की तत्परता का ही नतीजा है कि पंजाब और पंजाबियों को बदनाम करने की साजिश नाकाम हो गई।' उन्होंने कहा, 'मैं सुखबीर बादल जी पर हमले की कड़ी निंदा करता हूं। मैंने पुलिस को घटना की तुरंत जांच करने और रिपोर्ट सौंपने के सख्त निर्देश जारी किए हैं।' अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने कहा कि यह बादल पर नहीं बल्कि स्वर्ण मंदिर के बाहर अपनी ड्यूटी निभा रहे 'सेवादार' पर हमला था। एसजीपीसी प्रमुख हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि पवित्र मंदिर में धार्मिक सेवा करते समय बादल को 'निशाना बनाना बेहद दुखद और अनैतिक' है। धार्मिक दंड भुगत रहे वरिष्ठ अकाली नेता दलजीत सिंह चीमा ने इस घटना पर मान के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, पंजाब के लिए यह एक बड़ी घटना है। हम राज्य को कहां ले जा रहे हैं? मैं पंजाब के मुख्यमंत्री से पूछना चाहता हूं कि पंजाब किस ओर जा रहा है। यह कानून-व्यवस्था की 100 प्रतिशत विफलता है। मुख्यमंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए। चीमा ने घटना की न्यायिक जांच की भी मांग की।

बॉक्सर ने मां-पिता व बहन की जान ली

● शादी की सालगिरह वाले दिन हुई सिक्योरिटी ऑफिसर, उसकी पत्नी और बेटी की हत्या

संजय राय। नई दिल्ली

फोटोः रंजन डिमरी/पायनियर

नई दिल्ली के नेब सराय इलाके में घटनास्थल पर पुलिसकर्मी और अन्य।

दक्षिण दिल्ली के नेब सराय थाना इलाके में तिहरे हत्याकांड का खुलासा हुआ है। बेटे ने ही माता-पिता व बहन की हत्या की थी। पूछताछ में पता चला कि पिता राजेश बेटे अर्जुन को मारता-पीटता था। यहां तक की मोहल्ले में खुलेआम भी सड़क पर उसकी पिटाई करता था। बेटे अर्जुन को लगता था कि घरवाले उसके पीछे पड़े रहते हैं। वह अकेला रहना चाहता था। उसने अपने पिता के फौज वाले चाकू से ही हत्याकांड को अंजाम दिया था। आरोपी एक सप्ताह से हत्या करने की साजिश रच रहा था। राजेश कुमार सेना में तैनाती के दौरान एनएसजी कमांडो भी रहे हैं। करीब सात साल पहले वह रिटायर्ड हुए थे। फिलहाल सैनिक फार्म में एक उद्योगपति के पीएसओ थे। उनकी बेटी कविता जूडो में ब्लैक बेल्ट है। वह सिविल सर्विस की भी तैयारी कर रही थी। बेटा अर्जुन भी राष्ट्रीय स्तर का बाक्सर है।

मुख्यमंत्री आतिशी ने बुधवार सुबह सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि नेब सराय में ट्रिपल मर्डर हुआ। दिल्ली में दिन दहाड़े हत्याएं हो रही हैं, गोलियाँ चल रही रही हैं, खुलेआम ड्रग्स बिक रहे हैं। केंद्र सरकार की दिल्ली में एक ही जिम्मेदारी है। दिल्ली वालों को सुरक्षा देना, वो अपनी जिम्मेदारी में पूरी तरह फेल हैं। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्रिपल मर्डर के बाद एक बार फिर दिल्ली की कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा शासित केंद्र सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने एक्स पर कहा कि नेब सराय के एक ही घर में तीन हत्याएं हुई है। यह बेहद दर्दनाक और डरानेवाला है। हर रोज दिल्ली वालों की सुबह ऐसी ही डरावनी खबरों के साथ हो रही है। अपराधियों को खुली छूट मिली हुई है, कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। घर के घर बर्बाद हो रहे हैं, मासूम जिंदगियां जा रही हैं और जिनकी जिम्मेदारी है वो लोग चुपचाप ये सब होते देख रहे हैं। क्या अब भी इनकी पार्टी यही कहेगी कि दिल्ली में क्राइम कोई मुद्दा नहीं है।

दक्षिणी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान के अनुसार, मृतकों की पहचान राजेश, कोमल, कविता के रूप में हुई है। राजेश सेवा से रिटायर होने के बाद किसी निजी कंपनी में सिक्योरिटी ऑफिसर के रूप में काम कर रहे थे। कोमल उनकी पत्नी गृहिणी थी जबकि कविता उनकी बेटी कॉलेज में पढ़ रही थी। बुधवार सुबह खुद आरोपी अर्जुन ने मामले की जानकारी पुलिस को दी थी ओर बताया था कि वह मॉर्निंग वॉक पर गया था तब किसी ने उनके पिता, मां ओर बहन की हत्या कर दी। मौके पर राजेश (पिता) का शव मकान के पहली मंजिल पर पड़ा था जबकि उसकी पत्नी और बेटी का शव ग्राउंड फ्लोर पड़ा था। आरोपी ने पिता की उस वक्त हत्या की जब वह सो रहे थे। वहीं, मां और बहन ने वारदात के वक्त अपनी आखिरी सांस तक उसका विरोध किया। पुलिस को दोनों मृतकों के पास विरोध करने के सबूत भी मिले हैं।

मौके पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज समेत अन्य जानकारी जुटाकर मामले की जांच शुरू की तो शक की सुई बेटे अर्जुन पर गहरा गई। क्योंकि जिस घर में वारदात को अंजाम दिया गया था। उस घर का मेन गेट में दोनों तरफ इंटरलॉक लगा हुआ था। घर का कोई सामान अस्तव्यस्त नहीं था और न ही कोई कीमती चीज चोरी हुई थी। इससे साफ था कि इस हत्याकांड को किसी परिचित ने ही अंजाम दिया है। पुलिस ने बेटे को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो उसने सच उगल दिया। बाद में पुलिस ने उसे अर्जुन को गिरफ्तार कर लिया। मूलरूप से हरियाणा के रहने वाले राजेश पिछले कई वर्षों से देवली में रह रहे थे। बुधवार को राजेश और उनकी पत्नी की शादी की 17वीं सालगिरह थी लेकिन सालगिरह के दिन बेटे ने माता-पिता और बहन की निर्मम हत्या कर दी।

फडणवीस होंगे महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री

मुंबई में भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस, शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे, एनसीपी प्रमुख अजीत पवार और भाजपा केंद्रीय पर्यवेक्षकों निर्मला सीतारमण और विजय रूपानी ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन से भेंट कर नई सरकार बनाने का दावा पेश किया।

टीएन रघुनाथ। मुंबई

ग्यारह दिनों के नाटक, रहस्य और अटकलों के बाद, बुधवार को देवेंद्र फडणवीस को सर्वसम्मति से सत्तारूढ़ भाजपा विधायक दल (भाजपा एलपी) का नेता चुना गया, जिससे बृहस्पतिवार को आयोजित होने वाले समारोह में उनके महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने का रास्ता साफ हो गया। भाजपाएलपी नेता के रूप में फडणवीस के चुनाव के कुछ ही घंटों बाद, सत्तारूढ़ महायुति - जिसमें भाजपा, शिवसेना (एपी) और एनसीपी (एपी) शामिल हैं, ने दक्षिण मुंबई में राजभवन में राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन से मुलाकात की और राज्य में नई सरकार बनाने का दावा पेश किया। राज्यपाल ने उन्हें बृहस्पतिवार को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह के लिए आमंत्रित किया। भाजपाएलपी नेता के रूप में उनके चुनाव के साथ, 54 वर्षीय फडणवीस को बृहस्पतिवार शाम 5.30 बजे दक्षिण मुंबई के ऐतिहासिक आजाद मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में लगातार तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी।

फडणवीस - जिन्होंने एक बार फिर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में वापसी की है - इससे पहले अक्टूबर 2014 से अक्टूबर 2019 तक पांच साल और नवंबर 2019 में 90 घंटे के लिए राज्य के मुख्यमंत्री थे। छह बार विधायक रहे फडणवीस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शीर्ष नेताओं के करीबी हैं। वे महाराष्ट्र की राजनीति में संयुक्त शिवसेना के मनोहर जोशी के बाद दूसरे ब्राह्मण मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने 1995 से 1999 के बीच शीर्ष पद संभाला था। 2014 के महाराष्ट्र चुनावों से पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फडणवीस को मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में बढ़ावा देते हुए कहा था, 'देश में नरेंद्र, प्रदेश में देवेंद्र', जबकि वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह ने उन्हें महाराष्ट्र का 'वर्तमान और भावी' सीएम बताया था। महाराष्ट्र के राजनीतिक हलकों में बहुत से लोग उनके बहुचर्चित बयान 'मी पुन्हा येन, मी पुन्हा येन' (मैं वापस आऊंगा, मैं वापस आऊंगा) को नहीं भूल सकते हैं, जिसे उन्होंने 2019 के राज्य विधानसभा चुनावों से पहले बार-बार यह संकेत देने के लिए दिया था कि वह राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में फिर से वापसी करेंगे। तब ऐसा नहीं हुआ। लेकिन, इस बार, देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में वापसी की है।

इससे पहले बृहस्पतिवार सुबह विधान भवन के सेंट्रल हॉल में आयोजित भाजपाएलपी की बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेता चंद्रकांत पाटिल और सुधीर मुनगंटीवार ने विधायक दल के नेता के रूप में फडणवीस के नाम का प्रस्ताव रखा, पंकजा मुंडे और प्रवीण दारकेकर ने उनके नाम का समर्थन किया। इसके बाद भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षक विजय रूपाणी ने घोषणा की कि फडणवीस को भाजपाएलपी नेता के रूप

कांग्रेस नेताओं को पुलिस ने रोका, जाम से जूझे लोग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली पुलिस ने संभल जिले का दौरा करने जा रहे लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस समर्थकों को गाजीपुर सीमा पर रोक दिया।

उत्तर प्रदेश के हिंसा प्रभावित संभल की ओर बढ़ रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा को दिल्ली और नोएडा के बीच गाजीपुर बॉर्डर पर रोक दिया गया, जिससे हाई-वोल्टेज ड्रामा हुआ और सुबह के व्यस्त समय में भारी ट्रैफिक जाम लग गया। गाजियाबाद में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर ट्रैफिक जाम तब और बढ़ गया, जब राहुल और प्रियंका के संभल दौरे से पहले कांग्रेस कार्यकर्ता वहां जमा हो गए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग तोड़ दी और इस मार्ग पर आने-जाने वाले लोगों से हाथापाई भी की, जिन्हें ट्रैफिक जाम के कारण अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बॉर्डर पर वाहनों की लंबी कतारें देखी जा सकती थीं, जिससे यात्री निराश हो गए।

दिल्ली-यूपी गाजीपुर बॉर्डर पर कई लोग जाम में फंस गए, जिससे उनके जरूरी काम प्रभावित हुए और नतीजतन वे अपना आपा खो बैठे। कुछ लोग अपने दफ्तर नहीं पहुंच पाए, जबकि अन्य अपनी परीक्षाएं छोड़ गए। स्थिति इतनी भयावह थी कि गुस्साई भीड़ कांग्रेस कार्यकर्ताओं से भिड़ गई। कई किलोमीटर तक सड़क पर वाहन जाम में फंसे रहे। कई यात्रियों ने पायनियर के साथ अपनी शिकायतें साझा कीं, सुबह के व्यस्त समय में यातायात को अवरुद्ध करने के लिए कांग्रेस नेताओं की आलोचना की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ हाथापाई में शामिल एक यात्री ने कहा, मेरी बेटी की दोपहर 1 बजे मेरठ में परीक्षा है। मैं पिछले दो घंटों से ट्रैफिक में फंसा हुआ हूं। अगर राजनेता विरोध करना चाहते हैं, तो वे सड़क के किनारे बैठ सकते हैं। जनता को क्यों परेशान होना चाहिए? संभल के अधिकारियों ने पड़ोसी जिलों से अनुरोध किया था कि वे जिले में प्रवेश करने से पहले कांग्रेस नेताओं को रोक दें। जिला मजिस्ट्रेट ने बुलंदशहर, अमरोहा, गाजियाबाद और गौतम बुद्ध नगर के अधिकारियों को पत्र लिखकर उनसे राहुल गांधी को सीमा पर रोकने की अपील की है। उन्होंने अधिकारियों को संभल जाते समय राहुल गांधी की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने का भी निर्देश दिया है। जैसे ही कांग्रेस नेता सीमा पर रुके, राहुल और अन्य नेता वाहन से बाहर निकले और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से चर्चा की, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी गई। घंटों के गतिरोध के बाद, राहुल और प्रियंका को उत्तर प्रदेश पुलिस ने उनकी वैन में दिल्ली में संसद तक पहुँचाया।

राहुल ने कहा कि वह पुलिस के साथ अकेले संभल जाने को तैयार थे, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने नहीं दिया गया। उन्होंने कहा, विपक्ष के नेता के तौर पर यह मेरा संवैधानिक अधिकार है। मुझे इसकी अनुमति मिलनी चाहिए थी। उनके साथ मौजूद प्रियंका ने कहा, राहुल जी संवैधानिक पद पर हैं और उन्हें संवैधानिक अधिकार है। उन्हें पीड़ित परिवारों से मिलने की अनुमति मिलनी चाहिए। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 (उपद्रव या आशंका वाले खतरे के तत्काल मामलों में आदेश जारी करने की शक्ति) के तहत प्रतिबंध, जो रविवार को समाप्त होने वाले थे, अब संभल में 31 दिसंबर तक बढ़ा दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए बैरिकेड्स लगाए और वाहनों की जांच की और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नारेबाजी के बीच बैरिकेड्स पर चढ़ने का प्रयास करते देखा गया। बैरिकेड्स के पास हाथापाई हुई। प्रथम दृष्टया ऐसा लग रहा था कि सीमा पर कुछ यात्री और कांग्रेस कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। दिल्ली से उत्तर प्रदेश जाने वाले मार्ग पर अत्यधिक भीड़ होने के कारण यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। दूसरा मार्ग खुला था, लेकिन वाहन धीमी गति से चल रहे थे। कांग्रेस की युवा शाखा के सदस्यों ने नारे लगाए और पार्टी का झंडा लहराया, क्योंकि पुलिस ने संभल में निषेधाज्ञा लागू होने का हवाला देते हुए गांधी को रोका। (शेष पृष्ठ 9)

50 दिन बाद मध्यम श्रेणी में हवा, दिल्ली को मिली राहत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में 50 दिनों के अंतराल के बाद बुधवार को स्वच्छ हवा में सांस ली गई, क्योंकि वायु गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में दर्ज की गई, जिससे प्रदूषण के उच्च स्तर से काफी राहत मिली। शहर का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शाम 4 बजे 178 दर्ज किया गया, जो मंगलवार को 268 से बेहतर है। इससे पहले, 15 अक्टूबर को एक्यूआई 198 के साथ मध्यम श्रेणी में दर्ज किया गया था। हालांकि, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, अगले दिन एक्यूआई बिगड़ गया और खराब श्रेणी में चला गया।

वायु गुणवत्ता में सुधार के बारे में बात करते हुए, भारत मौसम विज्ञान विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि बुधवार को शहर में तेज हवाएं चलने का अनुमान है। 7 दिसंबर तक हवाएं चलेंगी, जिसके बाद एक नया पश्चिमी विक्षोभ आने की उम्मीद है, जिसके कारण 8 दिसंबर से मध्यम कोहरा छाने लगेगा। शहर के 38 वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों में से केवल श्री अरबिंदो मार्ग ने बुधवार को वायु गुणवत्ता को बहुत खराब श्रेणी में बताया, जबकि आठ अन्य ने वायु गुणवत्ता को खराब श्रेणी में दिखाया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शेष ने मध्यम वायु गुणवत्ता की सूचना दी। सीपीसीबी 0 से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 400 से ऊपर गंभीर के रूप में वर्गीकृत करता है। इस बीच, दिल्ली में प्रदूषण के स्रोतों का आकलन और अनुमान लगाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला प्राथमिक उपकरण, निर्णय सहायता प्रणाली (डीएसएस) शुक्रवार से अपडेट नहीं किया गया है। (शेष पृष्ठ 9)

श्रीनगर सेंट्रल जेल में आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

मोहित कंधारी। जम्मू

जम्मू-कश्मीर पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) और राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने बुधवार को प्रतिबंधित आतंकी संगठनों के एक सक्रिय आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और सेंट्रल जेल, श्रीनगर में अचानक छापेमारी के दौरान मोबाइल फोन/सिम कार्ड और अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की सबसे पुरानी सेंट्रल जेलों में से एक में 500 से अधिक कैदी बंद हैं। जांच एजेंसियां सेंट्रल जेल परिसर में सुरक्षा में बड़ी चूक के पहलू की भी जांच कर रही हैं कि ये डिजिटल संचार उपकरण जेल परिसर में कैसे पहुंचे।

जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, श्रीनगर के सेंट्रल जेल में तलाशी एनआईए अधिनियम, श्रीनगर के तहत नामित विशेष न्यायाधीश की अदालत द्वारा जारी तलाशी वारंट के अनुसरण में की गई थी, जिसमें एफआईआर संख्या 06/2023 के तहत धारा 153-ए, 505, 121 और 120-बी आईपीसी आर/डब्ल्यू 13 और 39 यूए(पी) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि इस कृत्य में सहायक/सहयोगी भी जांच का विषय बनेंगे। छापे के दौरान, सेंट्रल जेल श्रीनगर के विभिन्न ब्लॉकों/बैरक में तलाशी ली गई, जिसमें मामले की जांच से जुड़े सिम कार्ड, मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल उपकरणों के रूप में आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई और मामले में जब्त कर ली गई। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि यह मामला जम्मू-कश्मीर और नियंत्रण रेखा के पार पाकिस्तानी एजेंसियों के इशारे पर सक्रिय प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों द्वारा कश्मीर घाटी में अपने ओजीडब्ल्यू/समर्थकों/सहयोगियों के साथ मिलकर रची गई एक बड़ी साजिश से जुड़ा है। ये आतंकवादी संगठन और उनके संचालक लगातार 'नए आतंकी मॉड्यूल' (गिरोह) बनाने की प्रक्रिया में हैं,(शेष पृष्ठ 9)

चौंक उठे तेरी मुलाकात से हम...

कांग्रेस नेता शशि थरूर बंदर को गोद में बैठाकर अखबार पढ़ते हुए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● बंदर के अपनेपन के कायल हुए कांग्रेस नेता शशि थरूर

अपनी विस्तृत शब्दावली के लिए जाने जाने वाले दिग्गज राजनेता शशि थरूर बुधवार को अपने घर पर एक जंगली बंदर से मिलने के बाद कुछ पलों के लिए शब्दों के अभाव में रह गए होंगे। उन्होंने जल्द ही अपने घर पर हुए 'असाधारण अनुभव' को साझा किया, जब एक बंदर उनकी ओर दौड़ा, उन्हें गले लगाया और कुछ केले खाने के बाद बंदर को इतना घर जैसा महसूस हुआ कि वह पूर्व केंद्रीय मंत्री थरूर की छाती से चिपक कर लेट गया, जबकि वह बगीचे में अखबार पढ़ते रहे। थरूर ने एक्स पर इस असामान्य मुलाकात की कई तस्वीरें साझा कीं और इस घटना का वर्णन किया, जिसने मंच के कई उपयोगकर्ताओं को चकित कर दिया। कांग्रेस नेता ने एक्स पर कहा, आज एक असाधारण अनुभव हुआ। 'जब मैं बगीचे में बैठकर सुबह का अखबार पढ़ रहा था, तो एक बंदर आया, सीधे मेरी ओर बढ़ा और मेरी गोद में बैठ गया। उसने भूख से हमारे द्वारा दिए गए केले खाए, मुझे गले लगाया और अपना सिर मेरी छाती पर टिकाकर सो गया।' थरूर ने कहा, 'मैं धीरे से उठने लगा, वह उछलकर दूर चला गया।' उन्होंने कहा कि वन्यजीवों (शेष पृष्ठ 9)

महापंचायतः राकेश टिकैत को टप्पल में रोका

● किसान आंदोलन को राजनीतिक पार्टियों ने दिया था समर्थन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

किसान महापंचायत में शामिल होने के लिए निकले राकेश टिकैत को टप्पल में रोक लिया। साथ में पुलिस अधिकारी।

गौतमबुद्ध नगर में मंगलवार को नोएडा के सेक्टर-95 स्थित दलित प्रेरणा स्थल पर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरने पर बैठे किसानों की गिरफ्तारी के विरोध में किसान नेता राकेश टिकैत ने किसानों की महापंचायत ग्रेटर नोएडा के जीरो पॉइंट पर बुलाई है। भारतीय किसान यूनियन गौतमबुद्ध नगर के के प्रवक्ता सुनील प्रधान ने बताया कि महापंचायत में पहुंचने के लिए भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत मुजफ्फरनगर से ग्रेटर नोएडा के लिए सुबह के समय निकले। उन्हें मुजफ्फरनगर के भौंवरा कला थाना क्षेत्र में रोक दिया गया। इस महापंचायत में भाग लेने के लिए भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता नरेश टिकैत टप्पल से ग्रेटर नोएडा के लिए निकल रहे थे।

उन्हें टप्पल में रोक दिया गया है। उन्होंने कहा कि राकेश टिकट के बेटे और भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष गौरव टिकट जीरो पॉइंट पर आयोजित सभा में पहुंच गए हैं। मौके पर हजारों की संख्या में किसान इकट्ठे हैं। किसानों को समर्थन देने के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों का नेता भी अपने समर्थकों के साथ जीरो पॉइंट पर पहुंचे हैं।

उन्होंने कहा कि अगर भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकट को मौके पर नहीं आने दिया गया तो, गौरव टिकैत द्वारा लिया गया निर्णय किसानों को मान्य होगा, तथा आगे की रणनीति उन्हीं के आदेशानुसार बनाई जाएगी। खबर लिखे जाने तक राकेश टिकट और टप्पल पुलिस के बीच रस्सा-कसी जारी थी। महापंचायत में शामिल होने के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हापुड़, गाजियाबाद, शामली, बागपत, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, बिजनौर और मेरठ से बड़ी संख्या में किसान अपने-अपने निजी वाहनों और ट्रैक्टर-ट्रॉली समेत पहुंच चुके हैं। वहीं दूसरी तरफ जीरो पॉइंट पर आयोजित होने वाली महापंचायत स्थल पर किसान भाकियू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत के आहवान पर एकत्र होना शुरू हो चुके हैं। महापंचायत स्थल पर भाकियू के जिलाध्यक्ष अशोक भाटी द्वारा संचालित टिकैत रसोई का भी संचालन शुरू हो गया है। महापंचायत में पहुंचने वाले सभी किसानों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई है। भाकियू जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने बताया यह आंदोलन जन आंदोलन का रूप ले चुका है और गौतमबुद्ध नगर के किसानों की आस्था इससे जुड़ गई है। किसान नेताओं के साथ-साथ वृद्ध मातृशक्ति को गिरफ्तार करना निंदनीय है। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा किसान नेताओं को घरों पर हाउस अरेस्ट एवं थानों में ले जाकर बंद करने से किसान आंदोलन को नहीं रोका जा सकता।

'आंदोलन के लिए गिरफ्तारी भी देनी पड़ी तो पीछे नहीं हटेंगे'

नोएडा। अपनी अलग-अलग मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार किए गए किसानों ने ग्रेटर नोएडा की जेल से वीडियो जारी किया है। जिसमें किसान नेता सुखबीर खलीफा, रुपेश वर्मा सहित कई अन्य किसान नेताओं ने अपनी-अपनी बात कही है। सभी नेताओं ने किसानों का आह्वान किया है कि वह हर रोज महामाया फ्लाईओवर के नीचे इकट्ठा होकर दिल्ली कूच करें। आपको बता दें कि मंगलवार को नोएडा पुलिस ने दलित प्रेरणा स्थल पर धरना दे रहे किसानों को गिरफ्तार कर लुक्सर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार किए गए किसान नेता सुखबीर पहलवान व अन्य ने लुक्सर जेल से एक वीडियो जारी किया है जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में सुखबीर पहलवान किसान संगठनों व किसानों से अपील कर रहे हैं कि वह हर रोज महा माया

फ्लाईओवर के नीचे इकट्ठा होकर दिल्ली कूच करें और अपने अधिकारों के लिए लड़ाई को और मजबूत बनाएं। एक अन्य किसान नेता ने अपील की है कि, अगर इस आंदोलन के लिए गिरफ्तारी भी देनी पड़े तो पीछे न हटें। धरना स्थल पर अपना कब्जा बनाकर रखें।

2 दिनों में 2 डिग्री गिरेगा एनसीआर का पारा

● हवा के चलते नोएडा और गाजियाबाद के एक्यूआई में कमी आई

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

दिल्ली- एनसीआर की हवा तेजी से साफ होने लगी है। गाजियाबाद में इंदिरापुरम समेत दूसरे क्षेत्रों की हवा साफ हुई है। जहां हवा की गुणवत्ता में सुधार से लोगों ने राहत ली है। आज बुधवार को दिन में धूप खिलने के साथ मौसम साफ रहने का अनुमान है। इससे पहले मंगलवार को दिन में मौसम साफ रहा और धूप खिली रही।

गाजियाबाद व एनसीआर में एक्यूआई में कमी आई है। जहां दिन में दृश्यता बड़ी है। दिन में धूप खिली रहेगी। इंदिरापुरम, लोनी व दूसरे क्षेत्रों में भी हवा साफ हुई है। एनसीआर के अलावा दिल्ली में भी हवा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। गाजियाबाद में आज दिन में मौसम साफ रहने का अनुमान है। रात का तापमान 9 डिग्री आ पहुंचा है। दिन का तापमान 24.8 डिग्री रहने का अनुमान है। अगले दो दिनो में तापमान में 2 डिग्री की गिरावट आनी बताई जा रही है, जिससे सर्दी और भी तेजी से बढ़ेगी। रात में 12 बजे के बाद तेजी से तापमान में गिरावट आ रही है, जहां सुबह 7 बजे के बाद तापमान बढ़ रहा है। सुबह से तापमान बढ़ना शुरू हो रहा है। दिन में तीन बजे अधिकतम तापमान पहुंच रहा है, उसके बाद शाम 4 बजे तापमान गिरना शुरू हो रहा है। जिससे शाम के समय भी सर्दी बढ़ रही है। अगले सप्ताह से तापमान में एक से 2 डिग्री की गिरावट आनी बताई जा रही है। दिसंबर माह का पहला वीक चल रहा है। आज हवा की गति 5 किमी प्रति घंटा से चलने का अनुमान है। 15 दिसंबर से कड़ाके की सर्दी का अनुमान है। कोहरा शुरू होते ही दिन में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। हवा की गुणवत्ता में सुधार होने से प्रशासन को राहत है। एनसीआर में एक्यूआई के बढ़ने पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़े आदेश दिए हैं। जिसके बाद जिले में कक्षा 12 तक के स्कूल बंद किए गए थे। 26 नवंबर को जिला विद्यालय निरीक्षक ने आदेश जारी किया, अब अधिकांश स्कूल ओपन हैं।

नाले में गिरने से युवक की मौत

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-नौ में एक व्यक्ति की नाले में गिरने से मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान मूलरूप से बिहार के सितामढ़ी के निवासी शिवनाथ ठाकुर (37) के रूप में हुई और वह इन दिनों सेक्टर-नौ के पास फर्नीचर मार्केट जेजे कॉलोनी में रहता था।

मामले की जानकारी पुलिस ने दी। फेस-वन पुलिस थाना प्रभारी निरीक्षक अमित भड़ाना ने बताया कि मंगलवार शाम सेक्टर-नौ के एक नाले में एक व्यक्ति के गिरने की सूचना मिली।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने ठाकुर को नाले से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। भड़ाना ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और इस बात की जांच की जा रही है कि वह नाले में कैसे गिरा? पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

अब स्कूल में ही बनाना होगा मिड डे मील

● बाहर से मंगाने पर कार्रवाई, नोटिस जारी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

प्राथमिक और जूनियर हाईस्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को स्कूलों में ताजा पका हुआ खाना न परोसने पर संबंधित स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई होगी। हाल ही में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा की गई संयुक्त जांच में पता चला है कि 11 इंटर कालेजों में मिड डे मील नहीं बनाया जा रहा है।

जिला विद्यालय निरीक्षक धर्मेन्द्र शर्मा ने इन स्कूलों को नोटिस जारी करते हुए अगले 10 दिन में स्कूल में ही खाना बनाने के निर्देश दिए हैं। चेतावनी दी गई है कि ऐसा न करने पर संबंधित स्कूल के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इनमें शहरी क्षेत्र के अलावा ग्रामीण क्षेत्र के स्कूल भी शामिल हैं। इसके अलावा मुरादनगर, लोनी और रजापुर विकास खंड के कुछ प्राथमिक स्कूलों में भी मिड डे मील बनाने एवं वितरण को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओपी यादव ने बताया कि जल्द ही निरीक्षण के बाद इसका पता लगाया जाएगा।

नोटिस जारी करने में नानक चन्द्र इंटर कॉलेज, सोन्दा, मुरादनगर, किसान नेशनल इंटर कॉलेज मुरादनगर, श्रीकृष्ण इंटर कॉलेज, निवाडी, महर्षि दयानन्द् इंटर कॉलेज, गोविन्दपुरी, मोदीनगर, आर्य कन्या इंटर कॉलेज, गोविन्दपुरी, मोदीनगर, मनोहरी विद्या मन्दिर हायर सैकेंडरी स्कूल, नवयुग मार्किट, गाजियाबाद, चमेली देवी गर्ल्स इंटर कॉलेज सौन्दा, मुरादनगर, संजय गांधी इंटर कॉलेज, निवाडी, हंस इंटर कॉलेज, मुरादनगर, पीबीएस कन्या इंटर कॉलेज, मोदीनगर, जैनमति उजागर गर्ल्स हायर सैकेंडरी स्कूल कविनगर शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

विधायक संजीव शर्मा का प्रताप विहार में भाजपा कार्यकर्ताओं ने सम्मान किया।

वकीलों का क्रमिक अनशन रहा जारी

गाजियाबाद। बार एसोसिएशन गाजियाबाद के तत्वाधान में वकीलों का क्रमिक अनशन जारी रहा। आज चैबर संख्या 751 से 1001 तक चैंबर के वकील धरने पर बैठे। वकील अपनी मांगों को लेकर क्रमिक अनशन कर रहे हैं। इसी क्रम में आज भी वकीलों ने क्रमिक अनशन पर बैठे और जिला जज के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वहीं आंदोलन संघर्ष समिति की बैठक के दौरान प्रस्ताव पास किए गए हैं जिसमें दो अन्य समितियां और गठित की गई है। जिसमें एक सर्तकता टीम है, इस टीम के सदस्य बार एसोसिएशन के खिलाफ कार्य करने वाले वकीलों की जांच कर एसोसिएशन को जानकारी देंगे। इसके अलावा दूसरी टीम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया होगी जो आंदोलन की रील, फोटोग्राफी आदि को सोशल मीडिया के जरिए वायरल कर जन-जन तक पहुंचाने का काम करेगी। समिति ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि कोई भी वकील अगर एसोसिएशन के खिलाफ काम करेगा तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस मनाया गया

गाजियाबाद। डिप्टी कंट्रोलर रविन्द्र प्रताप और चीफ वार्डन ललित जायसवाल के नेतृत्व में आज नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में एक दिवसीय नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें नागरिक सुरक्षा की स्थापना की जरूरत, आपदा के समय विभिन्न सरकारी संस्थाओं से समन्वय करते हुए आम नागरिक के जान मॉल की कैसे रक्षा करते है का वर्णन किया गया। सहायक उप नियंत्रक गुलाम नबी द्वारा सभी वार्डन को विभिन्न प्रकार के रेस्क्यू और फस्ट एड तरीके और सीपीआर देना भी सिखाया गया। अनिल अग्रवाल, राजेंद्र शर्मा, सुधीर कुमार, आरक्षित हर्ष वर्मा, गोपाल बंसल, पंकज बंसल, रवि अग्रवाल, नवनीत कुमार, विमलेश कुमारी और अनेकों वार्डन ने प्रशिक्षण में भाग ले कर कार्यशाला में सहयोग दिया।

रोटरी क्लब अनंत ने लगाया रक्तदान शिविर

गाजियाबाद। रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद अनंत ने आईटीएस कॉलेज में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व गवर्नर अशोक अग्रवाल, कॉलेज के वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल ने करते हुए क्लब के कार्यो की सराहना की। शिविर में रोटरी ब्लड बैंक नोएडा की टीम ने 298 यूनिट रक्त एकत्रित किया। क्लब अध्यक्ष राकेश मोहन गुप्ता ने शिविर की सफलता के लिए डोनर, कॉलेज प्रशासन, छात्रों व सहयोगी टीमों का आभार व्यक्त किया। क्लब के मीडिया प्रभारी संदीप सिंघल ने बताया कि क्लब द्वारा समय-समय पर इस तरह के आयोजन किए जाते हैं। इस मौके पर अभिषेक जिंदल, सुनील जैन, दिनेश मित्तल, अंकुर अग्रवाल, विनीत जैन, असिटेंट गवर्नर राजीव बंसल, डॉ.वीसी शर्मा, हरि गोपाल, आलोक त्यागी, प्रिया शर्मा, अंशुल गर्ग, सौरव कंसल, विभु बंसल, गुंजन सिंघल, निधि अग्रवाल, रेखा गुप्ता, सतीश मित्तल आदि मौजूद रहे।

ग्रीन बेल्ट में मिला अज्ञात युवक का शव

नोएडा। थाना सेक्टर-58 क्षेत्र के सेक्टर 62 के ग्रीन बेल्ट में एक व्यक्ति का शव पुलिस को मिला है। उसके सिर में गोली लगी है। मौके से पुलिस को चार कारतूस और देसी तमंचा मिला है। पुलिस इसे आत्महत्या का मामला मान रही है। जबकि आसपास के लोग इसे हत्या का मामला बता रहे हैं। पुलिस शव की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। थाना सेक्टर-58 के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि मंगलवार को थाना पुलिस को सूचना मिली कि खोड़ा थाने के सामने सेक्टर-62 की ग्रीन बेल्ट में एक 38 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा है।

कार्रवाईः जीडीए टीम ध्वस्त करेगी अवैध निर्माण

● तमाम शिकायतों के बावजूद आंख मूंदे रहे थे जिम्मेदार, अब एक्शन की बारी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

देर से ही सही गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) को आखिर अपनी जिम्मेदारी का अहसास हुआ है। गालंद गेट से कुछ दूरी पर ग्राम समाज की भूमि पर पर कब्जा कर अवैध निर्माण पर प्राधिकरण की टीम पुलिस बल के साथ ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करेगी। प्राधिकरण क्षेत्र में जय जवान जय किसान जूनियर हाई स्कूल के बगल में खसरा नंबर 343क पर ग्राम समाज की भूमि दर्ज है। यहां अवैध रूप से आवासीय और व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स का निर्माण कर दिया गया है। इसे लेकर अप्रैल माह से गाजियाबाद विकास प्राधिकरण में ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई गई, जिसका गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की ओर से मई माह में समाधान होने की सूचना दी गई, लेकिन अवैध निर्माण जारी रहा। मई, जून से जुलाई, अगस्त, सितंबर और अक्टूबर तक शिकायतों का दौर चलता रहा, लेकिन प्राधिकरण के संबंधित अधिकारी आंखें मूंदे तमाशा देखते रहे। नवंबर माह में निर्माण कार्य पूरा होने पर जीडीए के साथ मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई गई। दैनिक जागरण ने अन्य ऐसे मामलों के साथ 18 नवंबर के अंक में प्रमुखता से प्रकाशित किया। वीसी अतुल वत्स की सख्ती के बाद इसके लिए चार दिसंबर यानी आज अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण के लिए कार्रवाई नियत की गई। इस संबंध में जीडीए के अपर सचिव प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि चार दिसंबर को गालंद में अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। साहिबाबाद के राजेन्द्र नगर सेक्टर तीन भवन संख्या 9/250 के निर्माण के संबंध में सुनील कुमार की ओर से मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसमें बताया गया कि प्लाट 393 मीटर का है, जिसके मालिक राम प्रकाश तोमर थे। उन्होंने पहले 90 मीटर जगह राजेश गौड़ को बेची थी, जो आज भी है। इसके बाद 303 मीटर जगह एक बिल्डर को बेच दी। बिल्डर ने 303 मीटर भूमि की जगह 393 मीटर भूमि पर जीडीए से नक्शा पास करा लिया, जिसमें पांच मंजिला भवन पर फ्लैट का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने इसकी जांच की मांग की है।

जमीनी विवाद में चचेरे भाई को गोली मारी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नोएडा। थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने हत्या के प्रयास के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से एक तमंचा और एक जिन्दा व एक खोखा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया है। बता दें कि 28 नवम्बर 2024 को थाना नॉलेज पार्क पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि सुन्दर सिंह, जो हत्या के प्रयास के मामले में वांछित था, सेक्टर 148 मेट्रो के पास पुस्ता की तरफ जाने वाली रोड पर मौजूद है। पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि एक प्राइवेट बस रजि. नं. यूपी 85 एफटी 2713, जेवर से परीचौक के लिए आ रही थी। जैसे ही बस फ्लाईओवर के नीचे नॉलेज पार्क 02 क्षेत्र में पहुंची, बस में सवार व्यक्ति हिम्मत सिंह निवासी मंगरौली थाना जेवर को आरोपी सुन्दर सिंह पुत्र अमर सिंह निवासी मंगरौली ने जान से मारने की नियत से तमंचे से गोली मार दी। गोली हिम्मत के सिर में लगी है। गोली लगने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घायल हिम्मत सिंह को पुलिस ने इलाज के लिए निजी कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें खतरे से बाहर बताया है।

पुलिस ने दबोचा लुटेरों का गिरोह, माल बरामद

गाजियाबाद। दिल्ली-एनसीआर में लूट, झपटमारी व चोरी की वारदातों की झड़ी लगा देने वाले गैंग के चार बदमाशों को मधुबन बापूधाम थाना पुलिस ने सूचना के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक पकड़े गये बदमाशों के पास से लाखों का माल, हथियार व वाहन आदि बरामद हुए।

साथ ही नन्दग्राम व विजयनगर के अलावा कई थाना क्षेत्रों में हुई लूट, झपटमारी व चोरी की वारदातों के खुलासे की बात भी पुलिस ने कही। एसओ मधुबन बापूधाम शैलेंद्र कुमार सिंह की टीम ने जिन बदमाशों को पकड़ा है उनके नाम दीपक, विकास, रविंद्र व प्रवेश है। इस गैंग का लीडर दीपक है। यह गैंग अब तक अनेक संगीन वारदातों को अंजाम देकर पुलिस के लिये सिरदर्द बन चुका था।

थाना नन्दग्राम पुलिस टीम ने 2 चोर गिरफ्तार किया। कब्जे से चोरी की 7 वाशिंग मशीन बरामद।

छात्रा की संदिग्ध हालात में मौत लिव-इन पार्टनर छोड़कर फरार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र में किराए के मकान में लिवइन में रह रही बलिया निवासी बीबीए की छात्रा की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। घटना के बाद से साथी फरार है। फिलहाल मौत का कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में स्पष्ट होगा। पुलिस का कहना है कि युवती के स्वजन ने अभी तक तहरीर नहीं दी है। जांच में मिले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार चाहर के मुताबिक, घटना क्षेत्र के देवला गांव में सोमवार दोपहर को सामने आई थी। मकान मालिक ने सूचना दी कि 19 वर्षीया छात्रा की संदिग्ध हालात में मौत हो गई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर घटना स्थल का निरीक्षण किया। फिलहाल कोई सुसाइड नोट नहीं बरामद हुआ। पूछताछ में पता चला कि छात्रा और आरोपी युवक बलिया जिसे के मझोवा के रहने वाले हैं। करीब चार माह पहले ही दोनों उनके मकान में रहने आए थे।

मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। प्रथम दृष्टया छात्रा की मौत का कारण जहरीला पदार्थ खाना प्रतीत हो रहा है। छात्रा का लिवइन पार्टनर मौके से फरार है। वह किसी निजी कंपनी में कार्य करता था। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि प्राथमिक जांच में सामने आया है कि दोनों एक ही बिरादरी के थे। उनके परिजन को भी दोनों के संबंध में जानकारी थी। दोनों की शादी की बात चल रही थी।उन्होंने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ग्रेटर नोएडा के 25 पंप हाउसों का बदला रंग-रूप

● अलार्म सिस्टम लगाकर किया तकनीकी अपडेट

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के पंप हाउसों को चमकाने की सीईओ एनजी रवि कुमार व एसीईओ प्रेरणा सिंह की मुहिम रंग ला रही है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग ने अब तक 25 पंप हाउसों को चमका दिया है। इन पंप हाउसों को न सिर्फ रंग-रोगन से, बल्कि तकनीक के लिहाज से भी अपडेट किया जा रहा है। हरी-भरी घास, पेड़-पौधे लगाकर हरियाली बढ़ाई जा रही है। इन पंप हाउस परिसरों में फलों वाले देशी पौधे रोपित किए जा रहे हैं, जो कि पक्षियों को पसंद हैं। इससे परिसरों में पक्षियों की चह-चहाहट भी सुनाई देगी। इन पंप हाउसों को आटोमेशन सिस्टम से लैस करने से जलापूर्ति में भी सुधार हुआ है। साथ ही मेन्टेनेंस का खर्च भी घटा है।

एसीईओ ने सबसे पहले अलग-अलग सेक्टरों में बने पंप हाउसों को मौके पर जाकर देखा। उन्होंने जल विभाग की टीम से इन सभी पंप हाउस परिसरों को चमकाने और तकनीकी रूप से भी अपडेट करने के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक परियोजना एके सिंह और वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार के नेतृत्व में जल विभाग की टीम ने अब तक 25 पंप हाउसों का सौंदर्यीकृत करा दिया है। इनमें सेक्टर 4, ईकोटेक-12, सेक्टर-2, सेक्टर- 3, सेक्टर 37, टेकजोन-4, सेक्टर पी-4 आदि शामिल हैं। इन पंप हाउसों को ऑटोमेशन सिस्टम पर भी कर दिया गया है। अब इसे चलाने या बंद करने की जरूरत नहीं रह गई है।

बाकी पंप हाउसों का भी सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। महाप्रबंधक परियोजना एके सिंह ने बताया कि इन पंप हाउसों पर अलार्म सिस्टम भी लगाया गया है। किसी तरह की तकनीकी फॉल्ट होने पर अलार्म भी बजेगा। इससे जलापूर्ति को और बेहतर करने में मदद मिलेगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा सिंह ने कहा है कि जब तक सभी पंप हाउस रेनोवेट नहीं हो जाते हैं, तब तक अभियान जारी रहेगा।

महिला ने पति समेत पांच के खिलाफ दहेज मांगने का केस दर्ज कराया

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के थाना फेस-दो में एक महिला ने अपने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ दहेज में एक करोड़ रुपये ना मिलने पर घर से निकालने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का यह भी आरोप है कि, जब वह अपने पति के साथ विदेश घूमने गई थी तो उसने उसके साथ शराब पीकर जबरन अप्राकृतिक यौनाचार किया।

पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। थाना फेस-2 पुलिस ने बताया कि गांव भंगेल निवासी एक महिला ने दर्ज एफआईआर में पुलिस को बताया है कि, उनका विवाह दिल्ली निवासी अक्षय त्यागी के साथ हुआ था। शादी के समय पति ने खुद को मल्टीनेशनल कंपनी का कर्मचारी बताया था। विधवा मां ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार दहेज दिया था।

आरोप है कि शादी के कुछ दिन बाद ही पता चला कि पति कोई नौकरी नहीं करता। इसके बाद आरोपियों ने व्यापार करने के लिए एक करोड़ रुपये की मांग की।

आरोप है कि शादी के बाद जब वह पति के साथ इंडोनिशया के बाली में घूमने गई तो पति ने शराब पीकर जबरन कुकर्म किया। शादी बचाने के लिए पीड़िता चुप रही। वहां से वापस आने के बाद पति ने बीमारी का बहाना बनाना शुरू कर दिया। इसके बाद पति के साथ, सास, ससुर, देवर और ननद ने अतिरिक्त दहेज की मांग करना शुरू कर दिया।

केजरीवाल ने कानून-व्यवस्था पर भाजपा को घेरा

विधानसभा सत्र में कहा, दिल्ली में हत्या, बलात्कार, वसूली और फायरिंग हो रही, भाजपा के लिए कोई मुद्दा नही

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा में शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन बुधवार को भी दिल्ली में बिगड़ी कानून व्यवस्था का मुद्दा गरमाया रहा। आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं नई दिल्ली से विधायक अरविंद केजरीवाल ने कानून व्यवस्था पर भाजपा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि दिल्ली में हत्या, बालात्कार, वसूली और गोलीबारी की घटनाएं लगातार हो रही हैं। भाजपा के लिए राष्ट्रीय राजधानी में कानून व्यवस्था कोई मुद्दा नहीं है।

उन्होंने कहा कि बुधवार को भी नेब सराय में एक युवक के माता-पिता और बहन की हत्या कर दी गई। क्या भाजपा के लिए एक आम आदमी की सुरक्षा मायने नहीं रखती है। जब से अमित शाह ने दिल्ली की कानून-व्यवस्था को संभाला है, तब से पूरी दिल्ली की कानून-व्यवस्था लगभग चरमरा गई है। भाजपा चाहे जितने भी आम आदमी पाटी के विधायकों को गिरफ्तार करवा ले या मुझ पर तरल पदार्थ फेंकवा ले, लेकिन वह बिगड़ी कानून व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाते रहेंगे। सदन को संबोधित करते हुए आप प्रमुख ने कानून व्यवस्था पर जब भाजपा से पूछा जाता है तो भगवा पार्टी के विधायक कहते हैं कि क्राइम तो मुद्दा ही नहीं है। दिल्ली में लॉ एंड ऑर्डर मुद्दा ही नहीं है। दिल्ल में खुलेआम लोगों के मर्डर हो रहे हैं और भाजपा कहती है कि क्राइम मुद्दा ही नहीं है। महिलाओं के साथ बलात्कार हो रहे हैं, वे असुरक्षित हैं, भाजपा कहती है कि लॉ एंड ऑर्डर मुद्दा ही नहीं है। सरेआम व्यापारियों को फिरौती की धमकियां मिल रही है। भाजपा कहती है कि क्राइम मुद्दा ही नहीं है। दिल्ली में सरेआम गैंगस्टर्स व्यापारियों की दुकानों पर गोलियां बरसा रहे हैं और इनके नेता कहते हैं कि क्राइम मुद्दा ही नहीं है। गृह मंत्री अमित शाह की सीधे-सीधे जिम्मेदारी बनती है कि दिल्ली की कानून-व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाया जाए और गृह मंत्री के घर के 20-30 किलोमीटर के दायरे के अंदर सरेआम शूटआउट चल रहे हैं, गैंगस्टर्स पूरी दिल्ली पर कब्जा कर चुके हैं और गृह मंत्री आराम से अपने घर पर सो रहे हैं, उन्हें दिल्ली की कोई चिंता नहीं है।

केजरीवाल ने कहा कि वह पूछना चाहते हैं कि क्या इस देश के अंदर एक वीआईपी की सुरक्षा और एक आम आदमी की सुरक्षा के अलग-अलग पैमाने होने चाहिए। वीआईपी की भी सुरक्षा जरूरी है। आज सुखबीर बादल पर हमला हुआ, पंजाब पुलिस ने मुस्तैदी से उनकी सुरक्षा की। दिल्ली में बुधवार सुबह नेब सराय में ट्रिपल मर्डर हुआ है। एक युवक सुबह मॉर्निंग वॉक पर गया, जब घर वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मां, पिताजी और बहन का मर्डर कर दिया गया है। यह भाजपा के लिए मुद्दा ही नहीं है। ये कहते हैं कि मुद्दा ही नहीं है।

आप नेता ने कहा कि वह काफी दिनों तक चुप रहे क्योंकि वह इस पर राजनीति नहीं करना चाहते थे। लेकिन जब धीरे-धीरे स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई तो उन्हें चुप्पी तोड़नी पड़ी क्योंकि दिल्ली के लोग मेरे ही लोग हैं।

सुखबीर बादल की जान बचा पंजाब पुलिस ने मिशाल कायम की : केजरीवाल

नई दिल्ली। पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल के ऊपर हुए जानलेवा हमले की आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने विधानसभा में दिल्ली में बिगड़ी कानून व्यवस्था पर चर्चा के दौरान सुखबीर बादल पर हुए हमले पर कहा कि सुखबीर बादल के ऊपर किसी ने गोली चलाने की कोशिश की, लेकिन पंजाब पुलिस की मुस्तैदी की वजह से बड़ा हादसा होने से बच गया। पंजाब पुलिस ने न सिर्फ इस घटना को रोका, बल्कि पूरे देश के सामने एक मिसाल पेश की है कि किस तरह से कानून-व्यवस्था को मुस्तैदी से बरकरार रखा जा सकता है। इस घटना के बाद पूरी भाजपा पंजाब की कानून व्यवस्था पर बोलने लगी, लेकिन दिल्ली में बिगड़ी कानून व्यवस्था पर वह बिल्कुल चुप है।

सदन में बुधवार को पूर्व सीएम केजरीवाल ने सदन में कहा कि पूर्व उप-मुख्यमंत्री सुखबीर बादल के ऊपर किसी ने गोली चलाने की कोशिश की। लेकिन पंजाब पुलिस की मुस्तैदी की वजह से और उनके अच्छे काम की वजह से एक बहुत बड़ा हादसा होते-होते बच गया। सुखबीर बादल सुरक्षित हैं। वह इस घटना की कड़े से कड़े शब्दों में निंदा करते हैं।

नेब सराय तिहरा हत्याकांड

वारदात से सदमे में पड़ोसी पीड़ितों को मिलनसार बताया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिण दिल्ली के नेब सराय इलाके में तिहारे हत्याकांड मामले में आस-पास के लोग सदमे में हैं। मृतक कोमल के भाई सतीश कुमार ने बताया कि यह उनकी शादी की 27वीं सालगिरह थी। कुमार ने कहा, जब मैंने अपनी बहन, बहनोई और भतीजी को बेजान अवस्था में देखा तो मैं सदमे में आ गया।

मुझे सुबह करीब साढ़े सात बजे अपने भतीजे का फोन आया और उसने घटना के बारे में बताया। खबर सुनकर मैं स्तब्ध रह गया। मूल रूप से हरियाणा का रहने वाला यह परिवार अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा और करियर के अवसर प्रदान करने की उम्मीद में 15 साल पहले दिल्ली आया था।

अर्जुन और कविता दोनों ही मार्शल आर्ट में ब्लैक बेल्ट विजेता थे और कविता एक समर्पित और प्रतिभाशाली छात्रा थी। पड़ोस में रहने वाली हिमानी ने कहा, यह एक भयावह घटना है। कल मैंने मां और बेटी को उनकी छत पर बात करते और हंसते हुए देखा। आज वे जीवित नहीं हैं। इसे इतने करीब से खुद देखकर पर मैं पूरी तरह से हिल गई हूं। घर के अंदर का दृश्य देखने वाले एक अन्य पड़ोसी ने इसे बेहद परेशान करने वाला बताया। उसने कहा, जब मैंने शवों को देखा तो मैं सिहर उठा। उनके गले पर बेरहमी से चाकू से वार किया गया था। यह भयावह है। कविता की दोस्त अंजलि ने परिवार को मिलनसार बताया। उन्होंने कहा, मां-बेटी कॉलोनी में काफी मिलनसार और सहृदय थीं। यह अकल्पनीय है कि उनके साथ इतनी दुखद घटना घट सकती है। उन्होंने कहा, कविता और मैं अक्सर अपनी पढ़ाई के बारे में चर्चा करते थे। जब भी मुझे किसी चीज से परेशानी होती थी तो वह मेरी मदद करती थी। ऐसे अच्छे दोस्त को खोना एक ऐसा दर्द है जिसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकती।

इस घटना ने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया है। परिवार के एक बुजुर्ग पड़ोसी नरेश सिंह ने कहा, हम अब यहां सुरक्षित महसूस नहीं करते। हम कैसे सुरक्षित महसूस कर सकते हैं, जब ऐसी घटना सुबह-सुबह हुई और किसी को पता ही नहीं चला? डीसीपी ने बताया कि हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस ने इलाके से सीसीटीवी फुटेज एकत्र कर लिए हैं तथा परिवार के सदस्यों और पड़ोसियों के बयान दर्ज कर लिए हैं।

केंद्र के खिलाफ आप विधायकों का प्रदर्शन

- केंद्र सरकार के पास लोगों को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी है, लेकिन वह इसमें नाकाम है : आतिशी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी करते विधायक। फोटो: रंजन डिमरी

कानून व्यवस्था का मामला बुधवार को विधानसभा में गूंजा। बिगड़ी कानून व्यवस्था के खिलाफ आम आदमी पार्टी के विधायक सदन में हंगामा शुरू कर दिए और भाजपा व केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी करते हुए बेल में आ गए। इसके बाद विधायकों ने सदन से बाहर आकर विधानसभा परिसर में जमकर नारेबाजी की। इस दौरान विधायकों के हाथ में नारों से लिखी तख्तियां भी थी।

विधायकों ने नारेबाजी कर अमित शाह से बिगड़ी कानून व्यवस्था पर जवाब देने की मांग की। मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि केंद्र सरकार के पास दिल्ली के लोगों को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी है, लेकिन वह इस काम में बिल्कुल फेल हो चुकी है।

आतिशी ने कहा कि बुधवार सुबह एक बहुत दर्दनाक हादसा हुआ है। नेबसराय में एक परिवार के तीन सदस्यों की हत्या कर दी गई। यह बढ़ते हुए क्राइम की पहली घटना नहीं है। दिल्ली में कहीं भी चले जाएं, कहीं गोलियां चल रही हैं, कहीं खुलेआम चाकू घोंपकर लोगों की हत्या की जा रही है। कहीं नशीला पदार्थ बिक रहा है। पिछले दो महीनों में दिनदहाड़े दो पुलिस वालों का भी कत्ल हो गया। केंद्र सरकार के पास दिल्ली में सिर्फ एक जिम्मेदारी है, वो है लोगों को सुरक्षा देना। लेकिन यह बिल्कुल साफ हो गया है कि भाजपा शासित केंद्र सरकार दिल्ली वालों को सुरक्षित रखने में पूरी तरह फेल है।

कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली क्राइम कैपिटल बनती जा रही है। आज सुबह एक परिवार के तीन-तीन लोगों को मार दिया गया। कोई ऐसा दिन नहीं जाता, जब यह खबर न आती हो कि यहां व्यापारियों पर गोली चला दी गई, महिलाओं के साथ वारदात हो गई, या मर्डर हो गया।

बढ़ते अपराध के लिए सरकार जिम्मेदार : विजेंद्र

- विपक्षी विधायकों ने सदन का बहिष्कार कर विस परिसर में विरोध प्रदर्शन किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा के बाहर आप सरकार के खिलाफ धरना देते भाजपा विधायक।

नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने विधानसभा सत्र में कानून व्यवस्था पर चर्चा के दौरान आम आदमी पार्टी की सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि रोहिंग्याओं और नशे का कारोबार करने वालों को दिल्ली सरकार संरक्षण दे रही है जिसके चलते नशे का करोबार और अपराध बढ़ रहा है।

बुधवार को सदन में नेता प्रतिपक्ष ने केजरीवाल के शीशमहल पर खर्च किये गये करोड़ों रुपये के संसाधनों का मुद्दा उठाया तो उनका माईक बंद कर दिया गया और उन्हें नहीं बोलने दिया गया। इस पर अपना विरोध जताते हुए गुप्ता ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ही राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ रहे अपराधों के लिये जिम्मेदार है, क्योंकि यह सरकार अवैध रूप से यहां रह रहे लाखों रोहिंग्याओं को फर्जी कागजातों के आधार पर वोटर कार्ड जारी कर उन्हें वोटर लिस्ट में शामिल करने का प्रयास कर रही है। ये रोहिंग्या नशे के कारोबार में लिप्त हैं और अपराधों को अंजाम दे रहे हैं ।

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि आप सरकार विपक्ष का गला घोंटकर न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन कर रही है, बल्कि जानबूझकर विधानसभा के पटल पर जनहित के मुद्दों पर चर्चा से बच रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने शीश महल, कैग की रिपोर्ट्स, वायु प्रदूषण, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे से जुड़े गंभीर विषयों पर चर्चा के लिए विपक्ष की मांग को खारिज कर दिया।

विपक्ष द्वारा दिये गए मुद्दों को स्वीकार किये जाने के बावजूद उन पर चर्चा करने की अनुमति नहीं दी गई। विरोधस्वरूप भाजपा विधायकों ने सदन का बहिष्कार कर विधानसभा परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। विपक्षी विधायकों ने दिल्ली सरकार कंगाल, शीशमहल में केजरीवाल जैसे स्लोगन लिखी तख्तियां हाथों में लेकर अपना विरोध जताया। गुप्ता ने कहा कि आप सरकार ने बार-बार यह साबित किया है कि उसकी प्राथमिकता जनता का कल्याण नहीं, बल्कि अपने राजनीतिक प्रचार को बढ़ावा देना है।

केजरीवाल, कविता से मांगा जवाब

आबकारी मामला

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने आबकारी नीति से संबंधित कथित धनशोधन मामले में अधीनस्थ अदालत के एक आदेश को चुनौती देते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर की गई याचिका पर बुधवार को अरविंद केजरीवाल समेत आम आदमी पार्टी के कई नेताओं और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता से जवाब मांगा। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी ने ईडी की याचिका और मामले में स्थगन की उसकी अर्जी पर सभी 40 आरोपियों को नोटिस जारी किए। उच्च न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 30 जनवरी की तारीख तय की। पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल, आप नेताओं मनीष सिसोदिया एवं संजय सिंह तथा कई कारोबारी इस मामले में आरोपियों में शामिल हैं। नवंबर में अधीनस्थ अदालत ने ईडी को निर्देश दिया था कि वह मामले के आरोपियों को आरोपपत्र और शेष अपुष्ट दस्तावेजों के डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध कराए।ईडी के वकील ने कहा कि अधीनस्थ अदालत ने दस्तावेजों की जांच के चरण में ईडी को आरोपियों को अपुष्ट दस्तावेज उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था।

संक्षिप्त समाचार

ग्लोबल सिख ऑथर्स एंड बिजनेस अवॉर्ड से सम्मानित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित ग्लोबल सिख ऑथर्स एंड बिजनेस अवॉर्ड के सीजन 2 में इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स आरएस मल्होत्रा और गगन मल्होत्रा को सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार सिख समुदाय में असाधारण प्रतिभाशाली लोगों को दिया जाता है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरूण चुघ, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष एस. इकबाल सिंह लालपुरा ने अवार्ड से सम्मानित किया। इस अवसर पर वायबोर इंडिया के सीएमडी आरएस मल्होत्रा ने कहा कि यह सिर्फ मेरा सम्मान नहीं बल्कि पूरी टीम का सम्मान है। वायबोर इंडिया के निदेशक गगन मल्होत्रा ने ग्लोबल सिख ऑथर्स एंड बिजनेस अवार्ड से सम्मानित होने पर कहा कि यह हमारी भरोसे व विश्वसनीयता का सम्मान है। इस अवसर पर ऑक्सीजन मैन के नाम से प्रसिद्ध गुरप्रीत सिंह रम्मी ने समाज की सेवा के लिए मौजूद लोगों से आगे आने की अपील की।

दिव्यांगों की सहायता के लिए बांटे उपकरण

नई दिल्ली। टाटा पावर-डीडीएल ने अपने समावेशिता और सामुदायिक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए, अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के पर दिव्यांगों को मोटराइज़्ड ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, हियरिंग डिवाइस और अन्य कई सहायक उपकरण वितरित किए गए। यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के थीम 'समावेशी एवं सतत भविष्य के लिए दिव्यांगों की नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देना' के अनुरूप था। इस समारोह में, इंटरनेशनल पैरा एथलीट और क्रिकेटर विशाल और गजानन एस काले, सीईओ, टाटा पावर-डीडीएल समेत अधिकारी और हितधारक, लाभार्थी तथा सामुदायिक नेतागण भी दिव्यांगजनों की उपलब्धियों एवं दृश्यता के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए मौजूद थे।

स्कूल में छात्र की मौत के मामले में नाबालिग धरा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के एक निजी स्कूल में मामूली झगड़े के बाद छठी कक्षा के छात्र की मौत के एक दिन बाद दिल्ली पुलिस ने मामले में मृतक के एक सहपाठी को पकड़ा है। वसंत विहार के कुदुमपुर पहाड़ी निवासी प्रिंस की मंगलवार को अपने सहपाठियों के साथ मामूली झड़प के बाद मौत हो गई थी। इसके बाद दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में चिन्मय विद्यालय के बाहर सैकड़ों लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया।

पुलिस ने बताया कि स्कूल में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच में सुबह की प्रार्थना के बाद कुछ लड़के आपस में झगड़ते नजर आए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) के तहत पीड़ित की कक्षा में ही पढ़ने वाले 12 वर्षीय एक लड़के को पकड़ा है।

पीड़ित के परिवार के सदस्यों ने बताया कि प्रिंस को आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) कोटे के तहत चिन्मय विद्यालय में दाखिला मिला था और तीन नवंबर को वह 12 साल का हो गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि वसंत कुंज स्थित फोर्टिस अस्पताल ने मंगलवार सुबह 10:15 बजे सूचना दी कि प्रिंस को वहां मृत अवस्था में लाया गया है।

एलजी ने होमगार्ड वॉलिंटियर्स को सौंपा नियुक्ति पत्र

- चुने गए उम्मीदवारों में 19 फीसदी पूर्व सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स और 181 महिला उम्मीदवार शामिल : उपराज्यपाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने 1669 वॉलंटियर्स को होमगार्ड के लिए भर्ती के नियुक्ति पत्र वितरित किए, जिन्हें भर्ती प्रक्रिया के तहत चुना गया था। विशेष बात यह है कि इन नव नियुक्त कर्मचारियों में से 19 प्रतिशत पूर्व सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स और 181 महिला उम्मीदवार शामिल हैं।

उपराज्यपाल कार्यालय के अनुसार, इस वर्ष जनवरी में एलजी ने 10,285 नए होमगार्ड कर्मियों की भर्ती को मंजूरी दी थी और आदेश दिया था कि चयन प्रक्रिया में सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को अतिरिक्त क्रेडिट दिया जाए। यह कदम इन सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को वैकल्पिक रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए उठाया गया था, जिन्हें नवंबर 2023 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आदेश पर हटा दिया गया था।

उपराज्यपाल ने चयन प्रक्रिया को शीघ्रता से पूरा करने के लिए समय सीमा को कम करने का निर्देश भी दिया था। हालांकि, इन 10,285 होमगार्ड की भर्ती के लिए विज्ञापन के बाद, कई उम्मीदवारों ने कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसके परिणामस्वरूप 7939 पदों की नियुक्ति को दो कोर्ट मामलों के अंतिम निर्णय का इंतजार करते हुए स्थगित कर दिया गया था। सक्सेना ने यह स्पष्ट करते हुए कि बाकी पद कोर्ट के निर्णय आने के बाद भरे जा सकते हैं। उन्होंने तत्काल 2346 होमगार्ड की नियुक्ति का निर्देश दिया था, जिन्होंने अपनी शारीरिक माप और दक्षता परीक्षा और लिखित परीक्षा पास की थी। उपराज्यपाल ने यह भी निर्देश दिया था कि योग्य उम्मीदवारों के चिकित्सा परीक्षण के लिए एक सप्ताह के भीतर एक विशेष चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाए और उसके बाद उन्हें शीघ्र नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएं। वरिष्ठ अधिकारियों की 15 बोर्डों का गठन किया गया था और प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रक्रिया को कैमरों द्वारा वीडियोग्राफी की गई।

गोल्डन लाइन पर बनी सबसे लंबी सुरंग का काम पूरा: डीएमआरसी

- दक्षिण दिल्ली में 2.65 किलोमीटर लंबी बनी है सुरंग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

2.65 किलोमीटर लंबी सुरंग पूरी होने पर डीएमआरसी अधिकारी।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने दक्षिण दिल्ली में 2.65 किलोमीटर लंबी सुरंग पूरी की, जो चौथे चरण की सबसे लंबी सुरंग है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने आज फेज 4 के तहत सबसे लंबी भूमिगत सुरंग के निर्माण को पूरा कर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया। यह सुरंग तुगलकाबाद-वायु सेना लॉन्चिंग शाफ्ट मां आनंदमयी मार्ग के बीच बनाई गई है, जो फेज-चार के तुगलकाबाद-एयरसिटी कॉरिडोर का हिस्सा है। डीएमआरसी के निदेशक,परियोजना राजीव धनखड़ और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में दिल्ली मेट्रो की आनंदमयी मार्ग साइट पर टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) 'अमृत' का काम पूरा हुआ। बुधवार सुबह आनंदमयी मार्ग स्टेशन पर 2.65 किलोमीटर लंबी सुरंग खोदने के बाद एक टीबीएम ने सुरंग खुदाई का काम पूरा किया। एक विशाल 105 मीटर लंबी टीबीएम का उपयोग करके इस सुरंग के काम में सफलता हासिल की गई। एरोसिटी-तुगलकाबाद कॉरिडोर के हिस्से के रूप में इस खंड पर ऊपर और नीचे आवाजाही के लिए दो समानांतर गोलाकार सुरंगों का निर्माण किया जा रहा है। जनवरी, 2025 में दूसरी समानांतर सुरंग के काम में सफलता मिलने की उम्मीद है। इस सिविल पैकेज का कान्ट्रैक्टर मेसर्स एफकॉन्स है। यह नई सुरंग लगभग 16 मीटर की औसत गहराई पर बनाई गई है। सुरंग में लगभग 1894 रिंग लगाए गए हैं, जिनका आंतरिक व्यास 5.8 मीटर है। सुरंग निर्माण कार्य में कई तकनीकी चुनौतियां सामने आईं, जिसमें सीवर लाइन का बदलाव, कठोर चट्टानी परतों से होकर गुजरना आदि शामिल हैं।

सुरंग का निर्माण अर्थ प्रेशर बैलेंसिंग मेथड की तकनीक का उपयोग करके किया गया है, जिसमें प्रीकास्ट टनल रिंग से बनी कंक्रीट लाइनिंग है। इन टनल रिंग को मुंडका में स्थापित पूरी तरह से मशीनीकृत कास्टिंग यार्ड में कास्ट किया गया था। कंक्रीट के खंडों को जल्दी मजबूती प्रदान करने के लिए स्टीम क्योरिंग सिस्टम का उपयोग किया गया था। मौजूदा निर्मित भवनों के नीचे सुरंग के निर्माण के दौरान सभी आवश्यक सुरक्षा सावधानियां बरती गईं। आस-पास की भवनों पर लगे अत्यधिक संवेदनशील उपकरणों से ज़मीन की गतिविधियों पर नज़र रखी गई, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कहीं भी कोई सेटलमेंट न हो। अब तक स्वीकृत फेज़-चार के कार्य के हिस्से के रूप में, 40.109 किलोमीटर भूमिगत लाइनों का निर्माण किया जा रहा है।

एरोसिटी-तुगलकाबाद कॉरिडोर में कुल 19.343 कि.मी. खंड भूमिगत है। टीबीएममशीन का उपयोग विभिन्न मिट्टी और चट्टानी परतों के माध्यम से एक गोलाकार क्रॉस-सेक्शन वाली सुरंगों की खुदाई करने के लिए किया जाता है। उन्हें कठोर चट्टान से लेकर रेत तक किसी भी चीज को भेदने के लिए डिजाइन किया जा सकता है। टीबीएमने दुनिया भर में सुरंग बनाने के काम में क्रांति ला दी है, जिससे इमारतों और अन्य सतही संरचनाओं को नुकसान पहुंचाए बिना सुरंग खोदी जा सकती है।

टीबीएमभीड़भाड़ वाले शहरी क्षेत्रों में भूमिगत सुरंग बनाने के काम के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। डीएमआरसी फेज-चार ही सुरंगें बनाने के काम के लिए टीबीएमका उपयोग कर रही है। फेज-तीन में, जब लगभग 50 कि.मी. भूमिगत खंडों का निर्माण किया गया था, तब राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में लगभग 30 टीबीएमतैनात की गई थीं।

अमेरिकियों को ठगने वाले कॉल सेंटर का भंडाफोड़

कॉल सेंटर के मालिक व संचालक सहित कुल तीन आरोपी गिरफ्तार, आरोपियों के कब्जे से दो लैपटॉप व एक मोबाइल बरामद

● विदेशी नागरिकों को तकनीकी सहायता देने के नाम पर करते थे धोखाधड़ी

गुरुग्राम पुलिस की गिरफ्त में ठगी के आरोपी।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम साइबर अपराध पुलिस ने ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो गुरुग्राम में बैठकर यूएसए के लोगों से ठगी करता था। मौके से कॉल सेंटर के मालिक/संचालक सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

थाना साईबर अपराध दक्षिण के प्रबंधक निरीक्षक मदन लाल की पुलिस टीम को एक गुप्त सूचना मिली। सूचना देने वाले ने बताया कि मकान नम्बर-684 दुर्गा कॉलोनी झाड़सा सेक्टर-39 गुरुग्राम में अवैध/फर्जी तरीके से कॉल सेन्टर चलाया जा रहा है। इस सेंटर से यूएसए के नागरिकों को कस्टमर सर्विस देने के नाम पर धोखाधड़ी करके ठगी की जाती है इस सूचना पर सहायक पुलिस आयुक्त साइबर अपराध प्रियांशु दीवान के निर्देशन में पुलिस टीम ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान उक्त कॉल सेंटर फर्जी/अवैध तरीके से संचालित होने का खुलासा हुआ। विदेशी नागरिकों को तकनीकी सहायता देने के नाम पर धोखाधड़ी करके ठगी भी वहां से की जाती थी। कॉल सेंटर के मालिक/संचालक सहित कुल तीन आरोपियों को कॉल सेंटर से काबू किया गया। पुलिस टीम द्वारा कॉल सेंटर से काबू किए गए आरोपियों की पहचान अमनदीप सिंह उर्फ प्रिन्स (34) निवासी टैगोर गार्डन एक्सटेन्शन नई दिल्ली, पलविन्द्र सिंह (25) निवासी संतगढ, तिलक नगर नई दिल्ली व ईशव घई (25) निवासी संन्त गढ, तिलक नगर नई दिल्ली के रुप में हुई। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के खिलाफ थाना साईबर अपराध दक्षिण में केस दर्ज करके गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से पुलिस पूछताछ में पता चला कि आरोपी अमनदीप सिंह उर्फ प्रिन्स इस कॉल सेन्टर का मालिक है। वह अपने साथियों/कर्मचारियों के साथ मिलकर इस कॉल सेंटर को चलाता है। कॉल सेंटर मालिक अपने अन्य साथियों को प्रतिमाह 35 हजार रुपये वेतन तथा ठगी गई राशि का एक प्रतिशत कमीशन देता था।

कॉल सेंटर के मालिक/संचालक से पुलिस पूछताछ में यह भी पता चला कि वह अगस्त-2024 से अपने साथी आरोपियों के साथ मिलकर यह काम कर रहा है। ये लोग विदेशी मूल के नागरिकों को टेक्निकल सपोर्ट की कस्टमर केयर सर्विस प्रदान करने के नाम पर ठगी करते हैं। आरोपी वेंडर के माध्यम से विदेशी नागरिकों के कंप्यूटर में पॉपअप के माध्यम से ऐड भेजते हैं। पॉपअप में टोल फ्री नंबर होता है। विदेशी नागरिकों द्वारा टोल फ्री नंबर पर कॉल करने पर विभिन्न माध्यमों से कॉल इनके कॉल सेंटर पर आती थी। ये लोग विदेशी नागरिकों को खुद को एक नामी कम्पनी का प्रतिनिधि बताकर उनकी समस्या दूर करने के नाम पर उनके कंप्यूटर में अल्ट्रा व्यूअर एप्लिकेशन डाउनलोड करवाकर विदेशी नागरिकों के कंप्यूटर सिस्टम का रिमोट एक्सेस प्राप्त कर लेते हैं।

फिर उनका कंप्यूटर हैक करने की बात कहकर व उनकी उस समस्या को दूर करने के नाम पर उनसे 100-500 डॉलर तक के गिफ्ट कार्ड खरीदवा लेते हैं। ये उनसे खरीदे गए गिफ्ट कार्ड का नंबर पूछ लेते हैं। फिर इनके अन्य साथी द्वारा उन गिफ्ट कार्ड को रिडीम करवा लिया जाता है। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के कब्जा से इस जालसाजी में प्रयोग किए जाने वाले दो लैपटॉप व एक मोबाईल फोन बरामद किए गए है।

संकल्प और व्यवहार से आती है स्वच्छता : सुभाष चंद्र

पलवल में सुभाष चंद्र को सम्मानित करतीं कुलसचिव ज्योति राणा।

पायनियर समाचार सेवा। पलवल।

स्वच्छ भारत मिशन, हरियाणा के कार्यकारी उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र ने कहा कि स्वच्छता संकल्प और व्यवहार से आती है। इसको अपने संस्कारों के शामिल करना जरूरी है। वह बुधवार को श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में आयोजित स्वच्छता जागरूकता कार्यशाला में मुख्यातिथि के रूप में बोल रहे थे। यहां पहुंचने पर कुलसचिव प्रोफेसर ज्योति राणा ने उनका भव्य स्वागत किया।

स्वच्छ भारत मिशन, हरियाणा के कार्यकारी उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र ने अपने दौरे में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की स्वच्छता और सुंदरता की मुक्त कंठ प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस दिव्य और भव्य परिसर में प्रवेश करते ही एक सुखद भाव चेतन होता है। स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए उन्होंने कुलपति डॉ. राज नेहरू के मार्गदर्शन और कुलसचिव प्रोफेसर ज्योति राणा के क्रियान्वन्य की सराहना की। सुभाष चंद्र ने कहा कि हम भारत को अपनी माता मानते हैं। इसलिए हमारी माता को स्वच्छ रखना भी हमारा कर्तव्य है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता के प्रति दृष्टिकोण और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की लगन को अभूतपूर्व बताया।

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार पर केंद्र करे हस्तक्षेप

● लॉयर्स चैंबर में हुई बैठक में अधिवक्ताओं ने पड़ोसी देश के हालात पर जताई चिंता

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस खान सरकार द्वारा हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर बार काउंसिल पंजाब एवं हरियाणा के पूर्व सदस्य शिवदत्त वशिष्ठ एडवोकेट ने लॉयर्स चैंबर में बैठक आयोजित की। बैठक में तय किया गया। सभी वकीलों की तरफ़ से पत्र हस्ताक्षर कराकर के केंद्र सरकार को हिंदुओं के पक्ष में हस्तक्षेप की मांग की जाएगी।

वरिष्ठ अधिवक्ता कंवर दलपत सिंह ,ओ पी यादव ने कहाँ की बांग्लादेश में हो रहे भारतीयों पर जुल्मों को लेकर बैठक का आयोजन किया गया है बांग्लादेश में गिरफ़्तारी संत चिन्मय कृष्ण रमन राय पर जानलेवा हमला किया गया। उन की हालत बेहद गंभीर है। वशिष्ठ ने कहा मुस्लिम कट्टरपंथी बांग्लादेश मे जो हिन्दुओं के खिलाफ मारकाट व महिलाओं की इज़्ज़त से खिलवाड़ के साथ उनके घरों व मन्दिरों को तोड़ा जा रहा है और लूटपाट की जा रही है। भारत सरकार बांग्लादेश सरकार से नरसंहार को रोकने के लिए कदम उठाए। संयुक्त राष्ट्र बांग्लादेश में शान्ति सेना भेज कर अल्पसंख्यक हिन्दुओं की रक्षा की जाए। इस मौके सतवीर शर्मा, कमल भाटी, महेंद्र चौहान, अमित शर्मा, विजय पाल यादव, पंकज सिंह , कमल दलाल, कुलदीप जोशी, विनय, मनोज, कपिल तिवारी आदि मौजूद थे।

पृथला औद्योगिक क्षेत्र की जर्जर सड़कों से उद्योगों को भारी नुकसान

● मुख्यमंत्री दरबार में पहुंची जर्जर सड़कों की शिकायत

दयाराम वशिष्ठ। पलवल

पलवल के पृथला औद्योगिक क्षेत्र की खस्ताहाल सड़क।

बघौला देवली रोड पर जमा पानी।

पृथला औद्योगिक क्षेत्र करोडों रूपये के टैक्स की अदायगी के बावजूद बदहाल स्थिति में है। बिजली, पानी, सीवरेज समस्या के अलावा सडकों में गहरे गड्ढों के चलते उद्योगों को भारी नुकसान झेलना पड रहा है। क्षेत्र में कई ऐसे बडे उद्योग हैं, जिनका नाता विदेशों से जुडा हुआ है। इससे यहां आने वाले विदेशी मेहमानों की नजर में पलवल ही नहीं हरियाणा की छवि को भी गहरा बट्टा लग रहा है। इसे लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का दरबाजा भी खटखटाया गया है।

सड़क बनने के 6 महीने में ही टूट गई : इसे पीडब्ल्यूडी विभाग की अनदेखी कहें या फिर लापरवाही। 6 महीने पहले लाखों रूपये की लागत से पृथला हाईवे से लेकर ततारपुर चौक तक सडक का निर्माण कराया गया था, जो अब फिर से गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। विभाग ने जो सडक बनाई, वह भारी वाहनों के चलने लायक ही नहीं है। इस सडक के निर्माण का एस्टीमेट 2021-22 में हल्के वाहनों के अनुरूप तैयार किया गया था। दो साल बाद जब इस सडक का निर्माण कराया गया तो उस समय तक इस सडक पर भारी वाहनों का दबाव और भी अधिक बढ गया।

बघौला नया गांव सड़क का निर्माण करोडों रूपये की लागत से कराया गया, लेकिन उस समय बघौला, जनौली में सडक के कई ऐसे हिस्से छोड दिए गए, जहां हर समय जलभराव होने के बावजूद उसे एस्टीमेट में शामिल नहीं किया गया। इससे कंपनी मालिकों को माल ढुलाई में भारी परेशानी हो रही है। आसपास के लोगों के आवागमन में जंजर सड़क और जलभराव परेशानी का सबब बना हुआ है।

पलवल औद्योगिक क्षेत्र में करीब सवा सौ उद्योग है। जहां विदेशी मेहमानों का आना जाना लगा रहता है। बघौला देवली मार्ग पर जापान की कम्पनी दैकी एक्सिस का उद्घाटन प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के हाथों किया गया था। उम्मीद थी कि अब यहां सडकों की हालत सुधर जाएगी, लेकिन हालत और बिगडते चले गए। यहां जापान समेत अन्य देशों के लोग अक्सर आते जाते रहते हैं। जिन्हें यहां की सडकों के गहरों गड्ढों से होकर पहुंचना होता है। इससे पलवल क्षेत्र के साथ हरियाणा प्रदेश की छवि धूमिल हो रही है।

मुख्यमंत्री से लगाई गुहार : जर्जर सडकों के निर्माण को लेकर क्षेत्र की जापानी इंडस्ट्रीज डैकी एक्सिस इन्वयायरमेंट लिमिटेड, ओएमपी इंडस्ट्रीज, महेंद्रा डिफेंस, फैरन ट्यूब, न्यू एलेनबरी, एसएस मेटल समेत कई उद्योग व ग्राम पंचायतों की ओर से मुख्यमंत्री सैनी का दरवाजा खटखटाते हुए जर्जर सडकों के निर्माण की मांग की है।

खेल मंत्री के आश्वासन से जगी उम्मीद : खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम ने भी दो दिन पहले पलवल इंडस्ट्रीज एशोसिएशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उनकी समस्याएं सुनी तथा मुख्यमंत्री से मिलकर उनका निदान कराने का भरोसा दिलाया। इससे उद्यमियों की उम्मीद जगी है।

पीआईए अध्यक्ष एससी कंसल, उपप्रधान राजीव मेहरा, सुनील मंगला, महासचिव रविंद्र यादव, एम मदान ने बताया कि अब उन्हें उम्मीद है कि उद्योगों की समस्याओं का सरकार जरूर समाधान करेगी।

मेडिकल कालेज में आईपीडी सेवा के लिए धरना शुरू

फरीदाबाद। फरीदाबाद शहर को रैफर मुक्त बनाने, छायंसा अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कॉलेज में आईपीडी सर्विस ओर ट्रोमा फेसलिटी शुरू करने व सिविल अस्पताल की कमियों को दूर करने की मांग को लेकर सेवा वाहन फरीदाबाद के संचालक सतीश चोपड़ा के आह्वान पर सिविल अस्पताल के बाहर शहर के सम्मानित समाजसेवी धरने शुरू कर दिया है।

इस धरने में अन्य के अलावा अनशनकारी बाबा रामकेवल, इनेलो नेत्री जगजीत कौर(पन्नू), राकेश उर्फ रक्कू, हरिदत्त शर्मा, राजेश शर्मा, हरीश भाटिया, युवा समाजसेवी अभिषेक गोस्वामी, आप नेता सुदेश राणा, संजय पाल, संजय पंचाल, संजय अरोड़ा व अन्य साथियों ने भाग लिया।

70 साल से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों के बनाएं आयुष्मान कार्ड : बोधराज सीकरी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के सेक्टर-5 में भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक बोधराज सीकरी के सौजन्य से लगाए गए शिविर में 70 साल से अधिक उम्र के 120 वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। अब इन वरिष्ठ नागरिकों का निशुल्क उपचार होगा।

सेक्टर-3, 5 व 6 आरडब्ल्यूए के पूर्व प्रधान दिनेश वशिष्ठ ने बताया कि श्री राम मंदिर सेक्टर-5 में दो दिवसीय आयुष्मान कार्ड शिविर भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक बोधराज सीकरी, समाजसेविका अनीता लूथरा अग्रवाल के सहयोग से लगाया गया। इस शिविर में 120 वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक बोधराज सीकरी ने इस शिविर में वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया। वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनहित, देशहित में शुरू की गई योजनाओं की सराहना की। कश्मीरी लाल अरोड़ा प्रधान

गुरुग्राम में शिविर में वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाने की शुरुआत करते बोधराज सीकरी।

श्रीराम मंदिर ने बोधराज सीकरी का शिविर में स्वागत किया। यह शिविर लगाने के लिए अनिता लूथरा अग्रवाल व बोधराज सीकरी का धन्यवाद किया। दिनेश वशिष्ठ ने बोधराज सीकरी से प्रार्थना की कि आयुष्मान कार्ड बनवाने की उम्र 70 साल की बजाय 55 साल करवाने के प्रयास किए जाएं।

बुजुर्ग महिला का पेंशन तत्काल बानने के आदेश

गुरुग्राम। 60 साल पार कर चुकी बुजुर्ग महिला द्वारा आवेदन करने के बाद भी बुढ़ापा पेंशन नहीं बनाई गई। अपनी इस समस्या को लेकर बुजुर्ग बिमला देवी समाधान शिविर में पहुंची। जिला उपायुक्त के समक्ष समस्या रखी। इस पर उपायुक्त ने पेंशन तुरंत बनाने के निर्देश दिए। पांच दिसंबर से पेंशन शुरू हो जाएगी।

समाधान शिविर में 16 समस्याएं रखी गई। तीन शिकायतों का तत्काल निवारण किया। 13 में कार्यवाही के निर्देश दिए गए। समाधान शिविर में बंधवाड़ी गांव की बिमला देवी शिकायत लेकर आई थी। उसने वृद्धावस्था पेंशन के लिए ऑनलाइन आवेदन पर कोई जवाब नहीं आया था। इस पर उपायुक्त अजय कुमार ने समाज कल्याण विभाग के अन्वेषक अशोक कुमार को बिमला देवी के आवेदन के बारे में जानकारी के साथ तत्काल पेंशन बनाने के आदेश दिए।

लघु सचिवालय की सुरक्षा के लिए एसडीएम-सीटीएम ने किया निरीक्षण

● भवन में सफाई व्यवस्था तथा केबल सैटलमेंट के किए जाएंगे उपाय

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

लघु सचिवालय भवन की सुरक्षा व अन्य कार्यों को लेकर उपायुक्त अजय कुमार के निर्देशानुसार बुधवार को एसडीएम रविंद्र कुमार व नगराधीश कुंवर आदित्य विक्रम ने निरीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी उनके साथ मौजूद रहे।

लघु सचिवालय परिसर में पड़े कूड़े के ढेर से धुआं सुलगने तथा आसपास स्थित महत्वपूर्ण रिकार्ड रूम को इस प्रकार की घटनाओं से सुरक्षित रखने के लिए उपायुक्त ने एसडीएम रविंद्र कुमार को बिल्डिंग का मुआयना करने के निर्देश दिए थे। एसडीएम ने नगराधीश कुंवर आदित्य विक्रम के साथ लघु सचिवालय भवन की सभी मंजिलों का अवलोकन किया। उन्होंने देखा कि कई स्थानों पर बिजली, सीसीटीवी कैमरा, जनरेटर, एसी, एलईडी स्क्रीन आदि की तारें अस्त-व्यस्त ढंग से लटकी हुई हैं, जिनमें कभी भी शार्ट सर्किट हो सकता है।

इसी प्रकार सचिवालय परिसर के आसपास वृक्षों की अधिकता के कारण सूखे पत्ते के ढेर लगे रहते हैं। यहां आने वाले नागरिक और कुछ कर्मचारी कहीं भी कूड़ा-करकट डाल देते हैं। जिस कारण कचरे के ढेर में कभी भी आग सुलगने की आशंका बनी रहती है।

संक्षिप्त समाचार

पटौदी की पार्किंग की नीलामी 11 दिसंबर को

गुरुग्राम। उपमण्डलीय सचिवालय पटौदी की पार्किंग की नीलामी के लिए 11 दिसंबर को दोपहर एक बजे सचिवालय प्रांगण में उपमण्डल अधिकारी दिनेश लुहाच की अध्यक्षता में खुली बोली लगाई जाएगी। नीलामी से सम्बन्धित शर्तें मौके पर ही सुनाई जाएगी। यदि कोई व्यक्ति शर्तों को देखना चाहे तो वह उपमण्डल अधिकारी पटौदी के वेतन लिपिक कार्यालय में आकर देख सकता है।

बुजर्ग महिला बेटे से मिली, जताया आश्रम का आभार

फरीदाबाद। बुजुर्ग महिला किरण देवी पत्नी लालेश्वर उम्र 50 वर्ष को आज उस समय सबसे बड़ी खुशी मिली जब आश्रम के संचालक किशन लाल बजाज ने उसे उसके बिछड़े हुए बेटे संजीत सिंह से मिलवाया। बेटे से मिलते ही किरण देवी की आंखों से खुशी के आंसू आ गए। पल्ला पुलिस को बुजुर्ग महिला 22 नवंबर 2024 को पल्ला क्षेत्र में लावारिस हालत में घूमते मिली थी,परिजनों का पता ना लग पाने के कारण पुलिस कर्मचारी कपिल उन्हें 23 नवंबर 2024 को ताऊ देवीलाल वृद्धाश्रम में दाखिल कराया था। बुजुर्ग महिला के बेटे संजीत कुमार ने बताया कि उनकी माता बिना बताए घर से बाहर चली गई थी और रास्ता भटक कर लापता हो गई। आज में अपनी मां से मिलकर बहुत खुश हुं और ताऊ देवीलाल वृद्धाश्रम के संचालक किशन लाल बजाज का दिल से धन्यवाद करता हूं।

कैंसर जांच एवं जागरूकता शिविर का आयोजन

फरीदाबाद। पंडित अमरनाथ हाई स्कूल में हुआ कैंसर जागरूकता एवं जांच शिविर का आयोजन। भारत सेवा प्रतिष्ठान, डॉ.सूरज प्रकाश आरोग्य केंद्र लघु उद्योग भारती, कनोरर ब्रेम्से इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, आरडब्ल्यूए ए सी नगर से प्रधान दिनेश बांसवाल और उनकी पूरी टीम ने किया सहयोग। लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने लोगों को कैंसर के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी। भारत सेवा प्रतिष्ठान से अरुण वालिया ने बताया कि हम समाज के हर वर्ग के लिए कैंसर / स्वास्थ्य / स्वच्छता जागरूकता शिविर पूरे फरीदाबाद में लगाते रहते हैं।

धर्म से सुखमय भारत की पुनर्स्थापना संभव: सर्वानंद

गुरुग्राम। बोहड़ा कलां स्थित ब्रह्माकुमारीज के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में तीन दिवसीय अखिल भारतीय साधु संत महासम्मेलन का आयोजन हुआ। पावन श्रेष्ठाचारी सुखमय भारत की पुनर्स्थापना विषय पर आयोजित सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में अनेक संतों ने अपने विचार रखे। दादी प्रकाशमणी सभागार में महाशक्ति पीठ दिल्ली से आए महामंडलेश्वर सर्वानंद सरस्वती ने कहा कि धर्म का वास्तविक अर्थ धारणाओं से है। आज हमने संप्रदाय को ही धर्म समझ लिया है। ब्रह्माकुमारीज देश, धर्म और जाति से ऊपर उठकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पवित्रता के आधार से नई दुनिया की पुनर्स्थापना धर्म सत्ता ही कर सकती है। हमें सिर्फ बाहर से नहीं, बल्कि अंदर से साधु बनने की जरूरत है। कार्यक्रम में स्वामी दिनेशानंद भारती, स्वामी स्वतंत्रानंद महाराज, स्वामी धर्मदेव, स्वामी प्रबोधानंद , स्वामी यमुनापुरी, आचार्य परमानंद गोस्वामी सुशील, स्वामी विद्यागिरी ने लोक कल्याण के लिए अपने विचार उपस्थित लोगों के समक्ष रखे।

घाटा टी-प्वाइंट पर चला रिफ्लेक्टिव गुरुग्राम अभियान

गुरुग्राम। गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस ने बुधवार को घाटा टी-प्वायंट पर रिफ्लेक्टिव गुरुग्राम अभियान चलाया। इस दौरान वाहन चालकों के हेलमेट पर व वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाए गए। सहायक पुलिस आयुक्त यातायात मुख्यालय/हाईवे विकास कुमार, यातायात निरीक्षक बिजेंद्र सिंह, जोनल अधिकारी महेंद्र सिंह घाटा टी प्वाइंट और आरएसओ टीम की सहायता से रिफ्लेक्टर टेप लगाने की मुहिम को जारी रखा गया। जिसमें कोहरे वाली सर्दियों के मौसम के दौरान सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए चल रहे प्रयासों के तहत गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस और सड़क सुरक्षा संगठन ने घाटा टी-प्वायंट पर अपना रिफ्लेक्टिव गुरुग्राम अभियान चलाया। घाटा टी-प्वाइंट, एक व्यस्त केंद्र होने के नाते गैर-मोटर चालित और धीमी गति से चलने वाले वाहनों की एक महत्वपूर्ण उपस्थिति देखी जाती है। जो विशेष रूप से कोहरे के मौसम के दौरान असुरक्षित होते हैं।

पर्यावरण के प्रति मिल-जुलकर काम करना होगा: सुंदर लाल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भारतीय जनता पार्टी हरियाणा पंचायती राज प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक और सिकन्दर पुर गांव के सरपंच सुंदर लाल यादव ने कहा कि पर्यावरण आज के समय का ज्वलंत मुद्दा है। इस मुद्दे पर हम सबको काम करना होगा। हमारे भारत देश से लेकर पूरी दुनिया में पर्यावरण पर ना केवल चिंता जाहिर की जा रही है, बल्कि जमीनी स्तर पर काम भी किए जा रहे हैं। यह बात उन्होंने सेक्टर-14 में आइकॉनिक होंडा सेक्टर-14 में होंडा गाड़ी के नए मॉडल की लांचिंग के अवसर पर कही।

सरपंच सुंदर लाल यादव के साथ सूरज यादव, धर्मबीर प्रधान मैपस्को कासा बेला, संजय यादव प्रदेश सह-संयोजक एनआरआई सेल हरियाणा, दीपक यादव भी मौजूद रहे। सरपंच सुंदर लाल

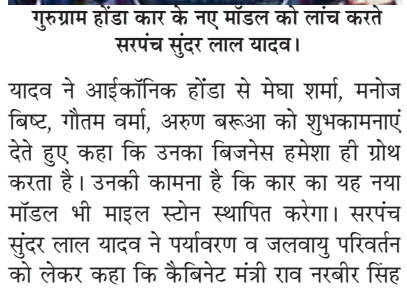
गुरुग्राम होंडा कार के नए मॉडल को लांच करते सरपंच सुंदर लाल यादव।

यादव ने आईकॉनिक होंडा से मेघा शर्मा, मनोज बिष्ट, गौतम वर्मा, अरुण बरूआ को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनका बिजनेस हमेशा ही ग्रोथ करता है। उनकी कामना है कि कार का यह नया मॉडल भी माइल स्टोन स्थापित करेगा। सरपंच सुंदर लाल यादव ने पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन को लेकर कहा कि कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह के नेतृत्व में हरियाणा का प्रतिनिधि मंडल सऊदी अरब के रियाद शहर में संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में गया है। वहां पर कैबिनेट मंत्री ने जलवायु परिवर्तन की चुनौती पर प्रभावशाली वक्तव्य दिया। उन्होंने वहां जानकारी दी है कि पर्यावरण, जल संरक्षण पर हरियाणा सरकार ने बेहतरीन हैं। उनका मानना है कि विकसित देश विकासशील देशों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करें, ताकि जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई को प्रभावी तौर पर लड़ा जा सके।

सरपंच सुंदर लाल यादव ने कहा कि हरियाणा और गुरुग्राम का हर स्तर पर मजबूत पक्ष रहता है। यहां बड़ी कंपनियों के हेड क्वार्टर हैं। यहां रोजगार के साधन खूब हैं। निजी क्षेत्र में हरियाणा भर से युवाओं की भागीदारी मजबूत है।

मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना का लाभ ऑनलाइन पंजीकरण के बाद मिलेगा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना का लाभ लाभार्थियों को विवाह के ऑनलाइन पंजीकरण करवाने के बाद ही दिया जाएगा। इसके लिए लाभपात्र विवाहिता की शादी का ई-दिशा पोर्टल पर पंजीकरण होना जरूरी है।

डीसी अजय कुमार के मुताबिक आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना का लाभ लेने वाले परिवार को अपनी बेटी की शादी के 6 महीने पूरे होने से पहले ऑनलाईन पंजीकरण करवाना होगा। पंजीकरण करने उपरान्त ही विवाहित कन्या के माता-पिता को उक्त योजना का अनुदान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि अनुसूचित एवं विमुक्त जाति के परिवार का नाम बीपीएल सूची में है तो उसको कन्या विवाह शगुन योजना के अर्न्तगत 71 हजार रुपये का लाभ दिया जाएगा। सभी वर्गो की विधवाओं, बेसहारा महिला, अनाथ बच्चे, बीपीएल सूची में है या उनकी आय एक लाख 80 हजार रूपये से कम है तो उनको इस योजना में 51 हजार रुपये का अनुदान दिया जाएगा।

मलेशिया कराटे चैंपियनशिप में साईं कराटे एकेडमी के खिलाड़ियों ने जीते 6 मेडल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मलेशिया के स्टेडियम तितिवंगसा कुआलालंपुर में आयोजित इंटरनेशनल कराटे प्रतियोगिता में गुरुग्राम की सांई कराटे एकेडमी के खिलाड़ी ही छाए रहे। गुरुग्राम के खिलाड़ियों ने 3 गोल्ड और 1 सिल्वर सहित कुल 6 मेडल जीते और गुरुग्राम का नाम रोशन किया।

इस मौके पर इंडिया के प्रधान हंसी भारत शर्मा ने कहा कि अपने खेल को ईमानदारी और मेहनत के साथ खेले और बड़ा लक्ष्य तय करें। अरविंद सैनी ने कहा कि वर्तमान में खेल की अहमियत बढ़ रही है। इसलिए बच्चों को खेल में भी अपना भविष्य बनाने की तरफ अधिक ध्यान देना शुरू कर दिया है। समाजसेवी दिनेश वशिष्ठ ने भी कहा कि बच्चों को मन लगाकर और खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए। हरियाणा के गुरुग्राम के 6 खिलाड़ियों में भाग लिया। इस प्रतियोगिता में दो इवेंट्स में भाग लिया। इंडिया टीम के कोच सुनील सैनी ने बताया कि

मलेशिया कराटे चैंपियनशिप में पदक विजेता खिलाड़ी।

हरियाणा के गुड़गांव शहर के साईं कराटे एकेडमी सेक्टर 5 गुड़गांव के खिलाड़ियों ने 1 गोल्ड,1 सिल्वर और 4 ब्राउन पदक पर अपने कला शौर्य का प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों को रोमांचित कर दिया। स्पोर्ट्स कराटे डू एसोसिएशन जनरल सेक्रेटरी इंडिया के टेक्निकल डायरेक्टर शिहान सुनील सैनी ने बताया कराटे टीम के मैनेजर विक्रम तिहाल ने भी अहम भूमिका निभाई।

युवा प्रतिभाओं आदित्य दहिया और काव्या भारद्वाज ने सब-जूनियर श्रेणी कुमुते स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया, जबकि अनुभवी एथलीट गीता गोदारा ने वेटरन श्रेणी काता स्पर्धा में रजत पदक और वेटरन श्रेणी कुमुते स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। शालू हरि के वेटरन श्रेणी काता में स्वर्ण और रिंकी गोयल वेटरन श्रेणी काता कांस्य पदक जीता आशंका गोदारा टीम की बहुत शानदार खिलाड़ी है।

शहर के युवा प्रतिभाओं में आदित्य दहिया और काव्या भारद्वाज ने सब-जूनियर कैटिगरी में कांस्य पदक हासिल किया, जबकि गीता गोदारा ने वेटरन श्रेणी स्पर्धा में रजत पदक और वेटरन श्रेणी में कांस्य पदक जीता। शालू हरि के वेटरन श्रेणी में स्वर्ण ओर रिंकी गोयल वेटरन श्रेणी में कांस्य पदक जीता।

गीता महोत्सव में आज आएंगे सीएम सैनी

मुख्यमंत्री और केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, जांजीबार के सांस्कृतिक मंत्री आज करेंगे उदघाटन

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केरला के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान व जांजीबार के सांस्कृतिक मंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा-व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए है। इन कार्यक्रमों को लेकर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है और हर कार्यक्रम स्थल पर एचपीएस के साथ-साथ एचसीएस अधिकारियों की डयूटी लगाई गई है। अहम पहलू यह है कि इन मेहमानों के आगमन से पहले पुरुषोतमपुरा बाग, वीआईपी रोड यूनिवर्सिटी, ब्रहमसरोवर के उतरी गेट की तरफ सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता प्रबंध किए गए है।

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में पारंपरिक नृत्य करतीं कलाकार।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 का आगाज वीरवार 5 दिसंबर को करेंगे। इन कार्यक्रमों में सुरक्षा व्यवस्था का आंकलन करने के लिए उपायुक्त नेहा सिंह, पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला ने निरीक्षण किया और अधिकारियों को कुछ आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केरला के राज्यपाल आरिफमोहम्मद खान, जांजीबार और ओडिसा के सांस्कृतिक मंत्री, ब्रहमसरोवर पुरुषोतमपुरा बाग में हरियाणा पवेलियन, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति कार्य विभाग की राज्यस्तरीय प्रदर्शनी का उदघाटन करेंगे और महापूजन व महाआरती में शिरकत करेंगे। इन सभी कार्यक्रमों में सुरक्षा-व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम होंगे। उन्होंने कहा कि केरला के राज्यपाल, हरियाणा के राज्यपाल, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज, स्वदेशी जागरण मंच के सतीश कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के आडिटोरियम हॉल कार्यक्रम स्थल पर 5 दिसंबर को सुबह 11 बजेपहुंचेंगे और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ करेंगे। इस अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में आईआईएम त्रिचे के निदेशक, केयूके कुलपति भी साथ रहेंगे। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए है और सभी कार्यक्रमों स्थलों पर अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। सभी स्थलों पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है किसी भी कार्यक्रम स्थल पर प्रशासन द्वारा जारी आईकार्ड के बिना किसी को भी प्रवेश करने नहीं दिया जाएगा।

उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की भी चुक नहीं होनी चाहिए। सभी अधिकारी इमानदारी के साथ अपनी डयूटी का निर्वाह करेंगे। इन सभी कार्यक्रमों में मीडिया के लिए स्थल निर्धारित किए गए है। सभी अधिकारियों और मीडिया कर्मियों का प्रवेश प्रशासन द्वारा जारी किए आई कार्ड से ही किया जाएगा। किसी भी व्यक्ति को आई कार्ड के बिना प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। सभी को सुरक्षा व्यवस्था के नियमों की पालना प्रोटोकॉल के अनुसार करनी होगी।

राहुल मुस्लिम वोट बैंक को खुश करने के लिए जा रहे थे संभल : सुधांशु त्रिवेदी

पीएनएस। नई दिल्ली/लखनऊ

भाजपा ने बुधवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वे पार्टी के मुस्लिम वोट बैंक को खुश करने के लिए संभल की अपनी यात्रा को लेकर नाटक कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस ने बुधवार को दिल्ली-यूपी सीमा पर कांग्रेस नेत राहुल गांधी को रोक दिया, ताकि वे भाजपा शासित राज्य के हिंसा प्रभावित शहर का दौरा नहीं कर पाएं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि गांधी अधिकारियों को पूर्व सूचना दिए बिना संभल जाना चाहते थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के मुस्लिम वोटों के लिए लड़ रही है। त्रिवेदी ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा, राहुल गांधी अपने भारतीय गठबंधन के सहयोगी को साथ लिए बिना वहां गए थे, ताकि मीडिया का ध्यान आकर्षित कर सकें। भाजपा नेता ने यह भी कहा कि दोनों दलों के बीच टकराव चल रहा है। त्रिवेदी ने कहा कि गांधी ने 'किसी सहानुभूति' के लिए संभल जाने की कोशिश नहीं की, बल्कि मीडिया का ध्यान आकर्षित करने और अपनी पार्टी के सहयोगी समाजवादी पार्टी के नेताओं की तुलना में बेहतर फोटो खिंचवाने के लिए ऐसा किया।

भाजपा मुख्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी।

त्रिवेदी ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी को अपने दौरे के बारे में अधिकारियों को पहले से सूचित करना जरूरी था, क्योंकि प्रधानमंत्री के बाद उन्हें सबसे उच्च स्तर की सुरक्षा दी गई है। उन्होंने कहा, राहुल गांधी के पास जेड-प्लस एएसएल सुरक्षा है। एएसएल का मतलब है एडवांस सिक्योरिटी लाइजन। प्रधानमंत्री के बाद यह सबसे उच्च स्तर की सुरक्षा है। उनके (गांधी) अलावा केवल गृह मंत्री और रक्षा मंत्री के पास ही यह सुरक्षा है।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस की यह तथाकथित यात्रा भारतीय गठबंधन में शामिल दलों के बीच आपसी प्रतिस्पर्धा से प्रेरित थी, ताकि वे अपने मूल वोट को अपने पाले में कर सकें। भाजपा के राज्यसभा सांसद ने कहा कि जिस मूल वोट के लिए इंडी गठबंधन के घटक एकजुट हुए हैं। इसमें कहीं भी लोगों के प्रति कोई सहानुभूति नहीं दिखाई देती है। त्रिवेदी ने कहा, अगर आप ईमानदारी से वहां (संभल) जाना चाहते थे और उन्हें कुछ सहानुभूति थी, तो उन्होंने पहले ही (अधिकारियों को) सूचना दे दी होती, आपका वहां जाने का कोई इरादा नहीं था। आपने बस औपचारिकता निभाई और फिर लौट आए। उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियां अपने मूल वोट बैंक पर कब्जा करना चाहती हैं।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संभल यात्रा की कोशिश पर उनकी आलोचना की। मौर्य ने कहा, अखिलेश और राहुल दोनों मुस्लिम वोट पाने के लिए राजनीति करने की कोशिश कर रहे हैं। वे नाटक कर रहे हैं। सपा और कांग्रेस का पतन निश्चित है। सपा समपत्तवादी पार्टी बन जाएगी और कांग्रेस मुक्त भारत होगा। उन्होंने कहा कि संभल हिंसा समाजवादी पार्टी के विधायक और सांसद की प्रतिद्वंद्विता का नतीजा थी, जिसमें जिसमें 24 नवंबर को चार लोग मारे गए।

केमिकल गोदाम में भीषण आग से लाखों का नुकसान

- गदपुरी के गांव डूंडसा में बुधवार शाम अचानक आग लगने से मची अफरातफरी

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

गदपुरी थाना इलाके के गांव डूंडसा में बुधवार शाम अचानक एक केमिकल गोदाम में आग लगने से अफरातफरी मच गई। इस आग में जहां एक कर्मचारी के मामूली झुलसे जाने की खबर है। वहीं,लाखों रूपये का नुकसान होने का अनुमान है। खबर लिखे जाने तक पलवल, बल्लभगढ व फरीदाबाद तक से पहुंची फायरब्रिगेड की गाडी आग बुझाने में जुटी हैं। खबर लिखे जाने तक आग लगी हुई है, जिसे फायरकर्मी बुझाने में जुटे हैं।

पलवल में केमिकल फैक्ट्री में लगी आग।

सूचना मिलते ही पलवल से डीएसपी व गदपुरी थाना से काफी संख्या में पुलिस के जवान मौके पर पहुंच गए। जिस स्थान पर यह आग लगी, उसके समीप में भी कम्पनियां हैं, जिन्हें फायरकर्मी आग की लपटों से बचाने में जुटे हुए हैं। मौके पर गांव के सरपंच पति पृथ्वी सिंह समेत काफी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे हुए हैं, जो आग बुझाने में दमकल कर्मियों की मदद में जुटे थे। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है।

आग शाम करीब साढे चार बजे लगी। जिस गोदाम में यह आग लगी है, उसमें कैमिकल के ड्रम रखे हुए थे। गांव के लोगों का कहना है कि उस समय कुछ कर्मचारी वहां काम कर रहे थे, लेकिन आग की लपटों को देख कर्मचारी वहां से भाग खडे हो गए, हालांकि एक कर्मचारी का हाथ हल्का फुल्का झुलसने की खबर है। प्रशासनिक तौर पर इसकी अभी पुष्टि नहीं हो सकी है।

सरपंच पति पृथ्वी सिंह ने बताया कि आग बुझाने में कर्मचारियों को भारी दिक्कत आ रही है। गोदाम में रखे कैमिकल के ड्रम आग लगने से फट रहे हैं। समीप में जो कम्पनी है। गोदाम की बाउंड्री होने के कारण आग की लपटें बाहर नहीं जा सकी।

22 फुट की गली से बचा बड़ा हादसा : जिस स्थान पर यह आग लगी, उसके बगल में 22 फुट का रास्ता है। उस रास्ते से सटा एक एचपी का गोदाम है। जहां गैस सिलेंडर रखे हुए थे। लेकिन फायरकर्मियों की मेहनत के चलते यह आग फैलने से रोक दी गई है। आग पर काबू पाया जा रहा है।

गुरुग्राम जिला प्रशासन ने सर्दी से बचाव के लिए जारी की एडवाइजरी

गुरुग्राम। ठंड व शीतलहर से बचाव के लिए हरियाणा राज्य एवं आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से एडवाइजरी जारी की गई है। डीसी अजय कुमार ने लोगों से सचेत होकर शीतलहर आपदा से बचाव का आह्वान किया है।

डीसी अजय कुमार ने कहा कि शीत लहर के समय यथासंभव घर के अंदर ही रहे, ठंडी हवा से बचने के लिये कम से कम यात्रा करें। रेडियो व अन्य मीडिया से मौसम की जानकारी लेते रहें। बुजुर्ग और बच्चों का ठीक से देखभाल करें और बुजुर्ग लोगों का हाल चाल पूछते रहें। आपातकालिन आपूर्ति आसानी से उपलब्ध हो। एक परत वाले कपड़े की जगह ढीली फिटिंग वाले परतदार हल्के कपड़े, हवा रोधित सूती का बाहरी आवरण तथा गर्म उनी भीतरी कपड़े पहने।

स्वामी ब्रह्मानन्द की 130वीं जयंती मनाई गई

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

लोधी राजपूत जनकल्याण समिति फरीदाबाद द्वारा समिति कार्यालय पर परम श्रद्धेय संत शिरोमणि त्यागमूर्ति स्वामी ब्रह्मानन्द जी का 130वां जन्मदिवस मनाया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष उदयवीर शास्त्री, वयोवृद्ध सुरेश पाठक, भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष भगवान सिंह, सचिन तंवर, मनोज बालियान, स्वामी वीरभद्र, नन्दकिशोर लोधी, अशोक पांचाल, लाखनसिंह लोधी ने दीप प्रज्वलित किया। उपस्थित समस्त गणमान्य अतिथियों ने पुष्प अर्पित कर नमन् किया।

समिति संस्थापक/महासचिव लाखन सिंह लोधी ने स्वामी जी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि स्वामी ब्रह्मानन्द जी का जन्म 4 दिसम्बर 1894 में हमीरपुर राठ के बलहरा ग्राम में हुआ था। इन्होंने हरिद्वार में हरि की पैड़ी पर गंगा में खड़े होकर सन्यास ग्रहण किया। स्वामी ब्रह्मानन्द जी ने देश की आजादी के लिए नमक आन्दोलन, सत्याग्रह आन्दोलनों में भाग लेकर जेल यात्राएं की। बुन्देलखण्ड के मालवीय कहे जाने वाले स्वामी जी ने शिक्षा क्षेत्र में ब्रह्मानन्द डिग्री विश्वविद्यालय (कृषि), ब्रह्मानन्द संस्कृत महाविद्यालय, ब्रह्मानन्द इण्टर कालेज उपलब्ध कराये। 1967 में जनसंघ से सांसद बनकर पहले भगवाधारी संत ने गौरक्षा के आवाज उठाई। 1972 में पुनः सांसद बन कर्मयोगी स्वामी जी ने सदैव गरीब, शोषितों के लिए आवाज उठाते रहे। अपनी सांसद निधि से जरूरतमंद और शिक्षा के लिए दान देते रहे।

हरियाणा कला परिषद के कलाकारों ने नाट्य प्रस्तुति से मोहा दर्शकों का मन

शहीद नाटक प्रस्तुत करते कलाकार।

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

हरियाणा कला परिषद द्वारा समय-समय पर विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से कला और संस्कृति के विकास के साथ-साथ समाज को जागरुक करने का प्रयास किया जाता रहा है। इसी कड़ी में 1857 में शहीद हुए शामड़ी गांव के नम्बरदारों की शहीदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा कला परिषद की ओर से कलाकारों ने नाटक शहीद प्रस्तुत कर शहीद नम्बरदारों को श्रद्धांजलि दी।

सोनीपत के गांव शामड़ी की शहीद नम्बरदार समिति द्वारा आयोजित शहीदी दिवस कार्यक्रम में शहीद भगत सिंह के पौत्र सरदार यादवेंद्र सिंह संधू, पंचायत मंत्री कृष्णलाल पंवार, पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा, गन्नौर विधायक देवेंद्र कादियान, बरोदा विधायक इंदूराज नरवाल अतिथि के रुप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर हरियाणा कला परिषद द्वारा नाटक शहीद की दमदार प्रस्तुति की गई। जिसमें 1857 में शामड़ी गांव के ग्यारह नम्बरदारों के बलिदान की गौरव गाथा को मंचित किया गया। नाटक में दिखाया गया कि अंग्रेजी हुकुमत द्वारा अम्बाला से रोहतक असला ले जाते हुए शामड़ी गांव के लोगों ने उनका असला लूट लिया था। जिसके कारण अंग्रेजों ने गांव के ग्यारह नम्बरदारों को बंदी बना लिया था। 3 दिसम्बर 1857 को ग्यारह नम्बरदारों को फांसी की सजा दी गई और रोहतक ले जाकर पेड़ों पर लटका दिया गया था। इस प्रकार अपने बलिदान से शामड़ी गांव को इतिहास में अमर करने वाले नम्बरदारों की अमर गाथा को कलाकारों ने बखूबी दिखाया। इसके अतिरिक्त हरियाणा कला परिषद की ओर से बीन सपेरा दल तथा नगाड़ा दल ने भी अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से कार्यक्रम में जान डाली।

मेले में पर्यटकों को दे रहे आयुर्वेद की जानकारी

कुरुक्षेत्र। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के उपलक्ष में हॉस्पिटल एंड इन्स्टिट्यूट ऑफ इंटीग्रेटेड मेडिकल साइंस डेरावस्सी एवं जीओ वैलनेस गीता ज्ञान संस्थान द्वारा संयुक्त तत्वाधान में ब्रह्मसरोवर के तट पर स्टॉल नंबर 108 व 109 पर पुरुषों एवं महिलाओं में होने वाली विभिन्न बीमारियों की आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा इलाज बारे विस्तार से जानकारी दी जा रही है। यह शिविर 15 दिसंबर 2024 तक आयोजित होगा।

PUBLIC NOTICE

By way of this present notice given to the public at large that I **Smt. Kanta Devi** W/o Late Shri Ashok Kumar R/o C-56, Shiv Durga Vihar, Lakkar Pur, Faridabad, Haryana-121009, do hereby declare that I have debarred/ disowned my all 6 children son namely **Sh. Vishal Rajput (Deepak)**, and Five daughters namely **Ms. Savita (Sonu), Ms. Hina (Mona), Ms. Jyoti, Ms. Shalu, and Ms. Diya (Poonum)** or any person on their behalf in respect of my properties bearing Numbers R/o C-56, Shiv Durga Vihar, Lakkar Pur, Faridabad, Haryana - 121009 and Plot No.163 Shiv Durga Vihar, Faridabad Haryana, any other movable assets/ properties as none of them shall have no right, claim or interest on the above said properties in any manner. It is further declared that None of them have no power/authority to incur debt / mortgage / lien or any other transaction qua the above said properties as they have right/title/interest in the same if any person commits any transaction / loan etc. shall be liable for his/her own risk, consequences and responsibility in all manner as I am the sole and absolute owner of the properties mentioned above.

BHAWANI SHANKAR, ADVOCATE
(Enrl. No. D/1026/01), Ch. No. 2, Patiala House Courts New Delhi-110001 Mob: 9873204822
Date: 02.12.2024 Place: New Delhi

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client that Mr. Vinay Ghai is owner of Entire First Floor without roof rights of Property No.51, area measuring 150 sq. yds. Rect No.38, Killa No.11-12/1, Block-A, Sarojini Park, Shastri Nagar, Shahdara, Delhi "the said property". By virtue of Gift deed dated 19.06.2024, registration No. 5926 executed by Varun Arora as surviving member/legal heir of late Mrs. Nidhi Arora (who was owner of the said floor vide a sale deed dated 12.12.2012 registration No. 25991) All persons are hereby informed that above mentioned owner want to sell the said floor to someone who is taking home loan from our client for purchase the same. if anybody has any objection/s upon the said property/floor, its title its sale and mortgage, & any kind of litigation etc. and ownership of Mr. Vijay Ghai, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 15 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 legal@knalegal.com

सर्वसाधारण सूचना

मेरे मुवक्किला सकुंतला देवी पत्नी स्व0 गनेशी लाल निवासीः- एच-440, शकरपुर, दिल्ली -0034 ने अपने पुत्र सुनील व उसकी पत्नी किरण एव अपने पौत्र संदीप और पोत्री परी को उनके गलत आचरण, व्यवहार व गाली-गलौच, लड़ाई झगड़ा के कारण उनको अपनी समस्त चल व अचल सम्पति से बेदखल करके उनसे अपने सभी पारिवारिक, सामाजिक संबंध-बिच्छेद कर लिए हैं, यदि कोई व्यक्ति मेरी मुवक्किला के पुत्र सुनील व उसकी पत्नी किरण एवं अपने पौत्र संदीप और पौत्री परी से किसी प्रकार का लेनदेन करेगा तो अपने जोखिम पर करेगा। इसमें मेरी मुवक्किला व उसका परिवार जिम्मेदार नही होगा।

PREM PRAKASH UPADHYAY Ch. NO.-615, Lawers Chamber Block, Rohini Court, Delhi-85

PUBLIC NOTICE

Be it known to all concerned that the original Possession letter, Allotment cum Demand letter, C&D Form, with correspondence file with DDA regarding property No. B-3/9 Janakpuri, New Delhi, has been misplaced/lost and is not traceable and a report in this regard has also been filed online complaint with the Police Station Crime Branch, LR No.2367588/2024 dated 04.12.2024.

Any person, Bank, Company, Financial Institution, Firm, Society, Government, Semi-Government Organization etc. etc. knowing the whereabouts or having in their possession the above mentioned documents may inform Mrs. Nirmal Bansal on my email ID gaurban987@gmail.com and Dy. Director LAB (Residential) C-3 Block , IIIrd floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi.

PUBLIC NOTICE

Be it known to all concerned that the original Possession letter, Allotment cum Demand letter, C&D Form, with correspondence file with DDA regarding property No. B-3/9 Janakpuri, New Delhi, has been misplaced/lost and is not traceable and a report in this regard has also been filed online complaint with the Police Station Crime Branch, LR No.2367758/2024 dated 04.12.2024.

Any person, Bank, Company, Financial Institution, Firm, Society, Government, Semi-Government Organization etc. etc. knowing the whereabouts or having in their possession the above mentioned documents may inform Mrs. Nirmal Bansal on my email ID gaurban987@gmail.com and Dy. Director LAB (Residential) C-3 Block , IIIrd floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi.

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Kirti Agarwal W/o Harish Agarwal R/o E-1801, Rishabh Cloud-9, Vaishali, Sector-1, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010 after marriage have changed my name to Sonal Agarwal for all future purposes.

PD(1018)C

नाम परिवर्तन

मैं रामकिशोर पुत्र श्री प्रभु दयाल निवासी मेन मार्केट मोहना (204) फरीदाबाद, हरियाणा ये घोषणा करता हूँ कि मेरे भारतीय जीवन बीमा निगम की पोलिसी में मेरा नाम मंगत राम गुप्ता दर्ज है जो गलत है मेरा सही नाम रामकिशोर है और रामकिशोर तथा मंगत राम गुप्ता दोनो एक ही व्यक्ति के नाम हैं।

PD(1019)C

मैं श्रीमति मनीषा पत्नी श्री सुरेन्द्र सिंह निवासी गाँव गढ़ी बल्ब तहसील कलानौर जिला रोहतक हरियाणा ये घोषणा करती हूँ कि मेरे भारतीय जीवन बीमा निगम की पोलिसी में मेरा नाम मुनेश देवी दर्ज है जो गलत है। मेरा सही नाम मनीषा है और मुनेश देवी और मनीषा दोनों एक ही व्यक्ति के नाम हैं।

PD(1020)C

NOTICE
HOUSING DEVELOPMENT FINANCE CORPORATION LIMITED
REGD. Office: Ramon House, HT Parekh Marg,169, Backbay Reclamation, Churchgate, Mumbai - 400020

NOTICE is hereby given that the certificate the for the undermentioned securities of the company has been lost/misplaced and the holder of the said securities/applicant has applied to the company to issue duplicate certificate. Any person who has a claim in respect of the said securities should lodge such claim with company at its registered Office or Datamatics Business Solution Ltd. Plot no B - 5, Part B, Cross lane, MIDC, Andheri East, Mumbai - 400093. Within 15 days from this date, else the company will proceed to issue duplicate certificate without further intimation.

Name of the Holder - S.P. PANT (DECEASED HOLDER)
No. of Securities & Face Valve - 500&₹2
Certificate No. - 13611, Folio No. - S0000838
Distinctive Numbers. From- 18783771 To 18784270
Name of Holder/Applicant - Vinod Kumar Pant
An information report of this effect has been lodged in police station crime branch, Delhi vide LR No. 2365350/2024, Dated: 03/12/2024.
Date - 04/12/2024 Place - New Delhi

PUBLIC NOTICE

This is to inform the Public at large that (1.) Mrs. Suleena Sapra W/o Late Mr. Rajan Sapra; (2.) Mrs. Apeksha Kakar D/o Late Mr. Lalit Kumar Kilachand; (3A.) Mrs. Shveta Kakar Kurtz and (3B.) Mr. Rahul Kakar both children of Late Mr. Sudhir Kakar and Ms. Apeksha Kakar; all above are the respective 'Title Holders' and in respective possession of 'Entire Freehold Property bearing No. C-22, Situated at Geetanjali Enclave, New Delhi - 110017', hereinafter referred to as 'Schedule Property'. That Two original documents in the chain of title have been misplaced / Lost and not traceable, documents viz. a) Perpetual Sub-Lease Deed Dated 08-02-1971, issued by Delhi Development Authority in favour of Smt. Raj Dulari W/o Sh. Hari Chand, which is duly registered as Doc. No. 2020, in Addl. Book No. I, Volume No. 2608, on pages 95 to 101, on Date 31-03-1971 in the office of Sub-Registrar, New Delhi. b) Conveyance Deed Dated 25-02-1997, issued by Delhi Development Authority in favour of Mr. Sudhir Kakar S/o Mr. Sardari Lai Kakar, which is duly registered as Doc. No. 2124, in Addl. Book No. I, Volume No. 1059, on pages 188 to 190, on Date 04-03-1997 in the office of Sub-Registrar, New Delhi. The above documents, have been lost/ misplaced and are untraceable as on date and unavailable for verification in original, in lieu of which Information Report dated 13-11-2024, has been filed with Delhi Police bearing LR. No. 2298547/ 2024. Therefore, any Person(s), Company(ies). Authority(ies), Society(ies), Organisation(s), Financial Institution(s), Bank(s) etc., having any knowledge, custody or possession of the lost/ misplaced/ untraceable original documents as mentioned herein above or otherwise having any claim, right, title, interest, possession either in the Schedule Property, by way of Ownership, Succession, Inheritance, Sale, Mortgage, Exchange, Charge, Lien, Gift, Trust, Encumbrance etc. may come forward with supporting documents, to be delivered to the undersigned within 15 days from the date of this Publication, post expiration of which, any claim(s) or objection(s), if raised or received, shall be treated as null and void and shall be treated as waived. **GAJENDRA SHARMA ADVOCATE,** D-126, Third Floor, Defence Colony, N.Delhi-24, Mob.:9817498175

PUBLIC NOTICE

This is to inform the public that my client, **Sh. Suresh Kumar** S/o Sh. Rajender & **Smt. Dalbir Kaur** W/o Sh. Suresh Kumar, both Resident of House No. 49, New Basti, Main Gali, Village Bankner, Delhi - 110040, has disowned and severed all relationships with his son, **Yogesh Dahiya**, daughter-in-law, **Pooja**, and grandson, **Aryan**. This decision has been made due to their involvement in anti-social behavior, antifamily activities, and disrespectful conduct towards my client. From this point onward, **Sh. Suresh Kumar & Smt. Dalbir Kaur** disclaims any responsibility for their actions and completely disassociates himself from any movable and immovable assets held by them. Any transactions or dealings with the aforementioned individuals shall be undertaken at the sole risk, cost, and consequences of the parties involved.

Mukesh Gupta (Advocate), Delhi High Court, 2102/2 Nai Basti, Narela, Delhi-110040 M0b.: 91-9599555863

पब्लिक नोटिस

सभी को पता है कि मेरे मुवक्किल श्रीमती सुमित्रा देवी प्लाट नंबर 21,क्षेत्र 25 वर्ग गज खसरा नंबर 3/9,गांव राजापुर खुर्द विकास कुंज,वेस्ट ब्लाक,विकास नगर,उत्तम नगर,नई दिल्ली की मालकिन हैं।श्रीमती सुमित्रा देवी ने उक्त प्लाट को श्री कृष्ण ठाकुर से नोटरीकृत जीपीए, एटीएस और वसीयत दिनांक 26.06.2024 के द्वारा खरीदा था अब श्रीमती सुमित्रा देवी उपरोक्त संपत्ति बेचना चाहते हैं।और यह सूचित किया जाता है कि मेरे उक्त ग्राहक को छोड़कर किसी भी व्यक्ति द्वारा उक्त दस्तावेजों के साथ कोई सौदा इकरार, बिक्री,बंधक आदि सिवाय श्रीमती सुमित्रा देवी के बीच,मान्या नही होगा.तथा अगर किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति मे किसी प्रकार का अधिकार या दावा करना चाहता है तो वह नीचे लिखे न.पर इस प्रकाशन के 08 दिन के अंदर संपर्क कर अपने अधिकार या आपत्ति का की जानकारी दे दे. तथा उक्त कॉगजो को वापस कर दे

एडरैम लिगल सल्यूशन
चेंबर न.760,द्वारका कोर्ट,सेक्टर-10,द्वारका,नई देल्ही-75
मोबाइल : 9899013918

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक आम जनता को दी गई जानकारी में बताया गया है कि हमारे मुवक्किल श्री संजीव कुमार पुत्र श्री चंदेश्वर सिंह जो की प्लॉट क्षेत्रफल 100 वर्ग गज , खेत संख्या - 552 जो कुलेसरा (मधुवन विहार कॉलोनी), परगना दादरी, तहसील और जिला गौतमबुद्ध नगर , उत्तर प्रदेश में स्थित है, जो बिक्री विवरण दिनांक- 12.10.2021 के आधार पर पंजीकृत संख्या - 18965 के अंतर्गत बुक संख्या - 1, खंड संख्या - 39597 में पेज नंबर - 87 से 120 दिनांक- 12.10.2021 को एसआर ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्ध नगर के आधार पर मालिक हैं, नीचे दी गई श्रृंखला में दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं, यानी बिक्री विलेख दिनांक- 02.12.2005 को श्री दुर्योधन सत्पथी पुत्र श्री खगेश्वर सत्पथी द्वारा श्री जरनैल सिंह पुत्र श्री साधु सिंह के पक्ष में प्लॉट क्षेत्रफल 50 वर्ग गज , खेत संख्या - 552 के संबंध में, पुस्तक संख्या - 1, खंड संख्या 1060 में पंजीकरण संख्या - 10129 के अनुसार, पृष्ठ संख्या - 699-712 पर दिनांक- 02.12.2005 को एस.आर. गौतमबुद्ध नगर में निष्पादित किया गया। अब हमारे ग्राहक ने घोषणा की है कि किसी अन्य व्यक्ति का संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, इसे देखें इंडसइंड बैंक लिमिटेड शाखा : गाजियाबाद, यूपी द्वारा वित्तपोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा

Naveen Kumar Advocate 1/566-A, Ground Floor, Sector-1, Vaishali, Ghaziabad, U.P.-201010, M.:09958871432

PUBLIC NOTICE FOR NAME TRANSFER

We are writing on behalf of our Clients **Rajesh Projects India Private Limited**, are writing this to you that the property no. **E-704, R.G. Luxury Homes** was allotted in favour of Shri Rakesh Kumar son of Shri Mohanlal. Now, Shrimati Sudha Pokhriyal has informed the court through her application that her husband Shri Rakesh Kumar has passed away on 27.04.2021, hence the said property should be transferred in her favour after his death, for which she has also submitted the no objection affidavit of other family members and other necessary forms.

If anyone has any objection to the said transfer, then he should file a written objection in the office along with relevant evidence **within 30 days** of publication of this notice in daily newspapers. In case of not receiving any objection within the stipulated period, the property will be transferred in favour of Smt. Sudha Pokhriyal wife of Shri Rakesh Kumar. Thereafter, no one can make any claim, as the same will not be valid. If any dispute arises after the transfer of the said property, Rajesh Projects India Limited will not be responsible for it in any way, Mrs. Sudha Pokhriyal Late Shri Rakesh Kumar will be responsible for the transfer.

**INDO LEGAL SERVICES
ADVOCATES & SOLICITORS**
Office: 121, Tower 11, Supreme Enclave, Mayur Vihar Phase -1, New Delhi - 110091
Contact: +91 98714 33339

PUBLIC NOTICE

Plot No. 76, Sector 6 IMT Manesar measuring 1012.5 Sq.Mtr was allotted by the corporation to M/s Regent Air Products (P) Ltd wide regular allotment letter no. 15856 dated 8-12-2000. RLA has been lost. The corporation is in the process for transferring the said plot in the name of Smt. Vandana Sehgal. Through this Public Notice it has been informed that in case any person found the lost allotment letter may deposit or send to HOD(Estate), HSIIDC Ltd. C-13-14 Sector -6 Panchkula or Estate Manager, HSIIDC, IMT Manesar (Gurugram) within a period of 15 days from this notice.
Regent Air Products (P) Ltd. B-159 DDA Sheds, Okhla -1, New Delhi -110020

सार्वजनिक सूचना

सेबी (सामूहिक निवेश योजना) अधिनियम 1999 के अधिनियम 65 तथा सेबी एक्ट की धारा 11 (1), 11B, एवं 11 (4) के तहत उनपर निहित अधिकारों के अनुपालन में श्री जी महालिंगम, पूर्णकालिक सदस्य, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा पारित आदेश तिथि 24.04.2020, 30.05.2024 द्वारा मै. धनोल्टी डेवलपर्स लि. को बड़े पैमाने पर जनता को सूचित करने हेतु निर्देशित किया गया था कि कंपनी ने अपनी योजनाओं को बंद कर दिया है तथा कंपनी की योजनाओं में सभी निवेश की गई राशि के साथ उपलब्ध कंपनी रिकॉर्ड के अनुसार वापस कर दिया गया था जिसका अर्थ है कि कंपनी पर किसी का कोई दावा / पैसा नहीं है। अगर अभी भी किसी का कंपनी पर कोई दावा है, तो उसे निम्नलिखित पते: मैं. मैसर्स धनोल्टी डेवलपर्स लिमिटेड मार्फत डॉ. विमल रे वर्मा, अधिवक्ता, चेंबर नंबर 183 -ए, पटियाला हाउस, नई दिल्ली-110001, CC to नॉर्दर्न रीजनल ऑफिस (एन आर ओ) एनबीसीसी कॉम्प्लेक्स, ऑफिस टावर 1, 8th फ्लोर, प्लेट बी, ईस्ट किदवई नगर, नई दिल्ली 110023 पर इस सूचना के प्रकाशन की 30 दिनों के अंदर समर्थित पत्रों के साथ दर्ज किया जाएगा। जिसमें असफल होने पर, किसी भी दावे में विचार नहीं किया जाएगा।

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक सर्वसाधारण को यह जानकारी दी जाती है कि हमारे मुवक्किल श्री अशोक कुमार झा पुत्र श्री बृज मोहन झा जो की प्लॉट संख्या 25, क्षेत्रफल 27 वर्ग गज, खसरा संख्या 58/5, 58/8, ग्राम हस्तसाल, दिल्ली राज्य दिल्ली, कॉलोनी मोहन गार्डन ब्लॉक एल -III, उत्तम नगर, नई दिल्ली -110059 जो की नोटरीकृत जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी, एटीएस और वसीयत दिनांक 20.10.2008 के आधार पर मालिक है यह कि खसरा संख्या 58/5, 58/8 का उल्लेख निम्लिखित दस्तावेज़ पर किया गया है नोटरीकृत जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी, एटीएस और वसीयत दिनांक 20.10.2008 में जो की श्री बृज मोहन पुत्र श्री मुन्नी लाल द्वारा श्री अशोक कुमार झा पुत्र श्री बृज मोहन झा के पक्ष में प्लॉट संख्या 25, क्षेत्रफल 27 वर्ग गज, खसरा संख्या 58/5, 58/8 के संबंध में किया गया था। अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति, और इसे एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (पूर्व में फुलर्टन इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड) सुभाष नगर, दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया जाना है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा

Naveen Kumar Advocate, 1/566-A, Ground Floor, Sector-1, Vaishali, Ghziabad, U.P.-201010, M.:09958871432

PUBLIC NOTICE

"It is to informed to the public at large that 1. Smt. Ritu Jain (Aadhar 3194 5684 2038) W/o Ravi Chand Jain, 2. Sh. Kshitiz Jain (Aadhar 7019 0627 6889) S/o Ravi Chand Jain and 3. Sh. Akshat Jain (Aadhar 3134 6899 6593) S/o Ravi Chand Jain all R/o H. No. 2465, Gali Mandir Wali, Chippi Wara, Delhi -110006 who are owners of Property Bearing No- 6 area measuring 307 sq.yds. i.e. 256.68 sq. mtrs. falling in Khasra No- 1747, Village Pasonda, Pargana Loni Teshil & Distt Ghaziabad U.P., hereinafter referred to as "said property" having acquired the same alongwith Late Ravi Chand Jain by virtue of Sale Deed dated 07.02.2019 executed by Mr. Prakash Singh Tanwar & Mr. Surinder Singh Tanwar duly registered at the office of Sub Registrar – Ghaziabad -III vide Document No. 1368. Unfortunately, Ravi Chand Jain leaving behind Akshat Jain, Kshitiz Jain (sons) and Ritu Jain (wife) as the only Class-I LRs. The said Property has been mortgaged by the owner with HDFC Bank Limited (our client). Further, It is hereby declared that title of the said Property, is absolutely valid, clear and marketable and there is no dispute / Litigation pending in any court of law, in respect of said Property. Whosoever, is having any objection to said mortgage OR any Person having any type of claim/right/title/interest over the said property may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 14 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

S. C. VARSHNEY Sr. Advocate & Notary, R-14/178, Raj Nagar, Ghaziabad-201 002 Mob: **8882600727**

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल श्री सोनू राघव जो की क्षेत्रफल 100 वर्ग गज यानि 83.61 वर्ग मीटर पार्ट ऑफ़ खसरा संख्या 187, क्रिश्चियन नगर बांबू, बाबा भीम नगर, गांव मवई, परगना लोनी, तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश श्रीमती राजवती और श्रीमती सीमा और श्री अजय कुमार और श्री धर्मेंद्र कुमार और श्री हेमंत कुमार से खरीद रहे हे जो स्वर्गीय श्री ज्ञान सिंह के कानूनी उत्तराधिकारी थे और उनकी मृत्यु हो गई और उन्होंने संपत्ति का दावा किया, बिक्री विलेख दिनांक 01.12.2014 को बिक्री संख्या 7713, पुस्तक संख्या छ, खंड संख्या 4659, पृष्ठ संख्या 61- 96 पर, दिनांक 01.12.2014 को एसआर-वी ग़ाज़ियाबाद के कार्यालय में खोजा गया था। हमारा ग्राहक यह घोषित कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, जिसे पिरामल कैपिटल एंड डेकेयर फाइनेंस लिमिटेड शाखाः सेक्टर -2, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्त पोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा

Naveen Kumar Advocate 1/566-A, Ground Floor, Sector-1, Vaishali, Ghaziabad, U.P.-201010, M.:09958871432

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that my client Pankaj Jain is in process to purchase the First Floor (without roof rights), built-up Property Bearing No. 1/6150, Plot No. 26, area measuring 117 sq. yards i.e. 97.82 sq. mtrs, out of Khasra No. 343, 354, 356, situated in the abadi of village Sikdarpur, in the abadi of Gali No. 3, East Rohtas Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi - 110032 (availing loan from DCB Bank) from Geeta Jain, having acquired the said property by virtue Sale Deed dated 28/9/2017 Doc no.4933 executed by M/s Sujan Builders Pvt. Ltd. through its director Iqbal Singh.

All person/s having any claim against or in respect of the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/registered or otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sublease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever, are hereby requested to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 7 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned.

Kamal Kant Gupta (Advocate)
Unit No. FF-2, First floor, Mahaluxmi Metro Tower Sec-4, Vaishali, Gzb., U.P., Mob. 9810063351

सार्वजनिक सूचना

यह सूचना सौम्या वशिष्ठ की ओर से दी जाती है, जो प्लॉट संख्या 93, सेक्टर-54, गुरुग्राम, हरियाणा में स्थित श्री अरिहंत सी.जी.एच.एस. लिमिटेड में फ्लैट संख्या बी-14, प्रथम तल, ब्लॉक बी, जिसका कवर्ड एरिया 1431 वर्ग फीट हरीश चंद्र से खरीद रही हैं, जो पुस्तक संख्या 1 खंड संख्या 132/4048, पृष्ठ 29.75/65-69 दिनांक 21.03.2023, SRO-वजीराबाद में दस्तावेज़ संख्या 24723 वाले त्याग विलेख के माध्यम से विषय संपत्ति का अधिग्रहण/स्वामित्व किया था और आईडीबीआई बैंक लिमिटेड से वित्तीय सहायता के लिए बंधक रखने का इरादा रखते हैं, जिसका श्री अरिहंत सी.जी.एच.एस. लिमिटेड द्वारा निष्पादित मूल हस्तांतरण विलेख दिनांक 17.04.2008 श्री प्रवीण कुमार गोयल के पक्ष में दस्तावेज़ संख्या 1538 पुस्तक संख्या 1, दिनांक 17.04.2008, खो गया है/गुम हो गया है/उपलब्ध नहीं है। बैंक/एनबीएफसी की आवश्यकताओं का अनुपालन करने के लिए, हम यह सार्वजनिक सूचना देते हैं कि यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त संपत्ति पर किसी भी प्रकार का दावा/अधिकार/स्वामित्व/हित/बंधक बनाने में कोई आपत्ति है तो वह आज से 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्तियों के बारे में नीचे दिए गए पते पर लिखित रुप में सूचित कर सकता है। ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार आदि से मुक्त है। लुसेम लीगल एलएलपी प्लॉट नंबर 136, (बेसमेंट) उदय पार्क, नई दिल्ली-110049, संपर्क # 011-40046316

CORRIGENDUM

The advertisement appeared in The Pioneer (Hindi) at Page no. 5 AND The Impressive Times (English) at Page no. 2, New Delhi, Edition on 03.12.2024. The following corrections may be read as correctly:-

"At line no. 12 & 13, the date and document number of Sale deed has been wrongly mentioned as dt. 29.02.2008 (Doc. No. 12487), whereas the correct details are Sale deed dt. 19.01.2011 (Doc. No. 11986) and it should be read as such.

**VIPUL KR. RAHEJA
Advocate
Chamber no. 55, Civil Side, Tis Hazari Courts, Delhi.
M- 98731 50663**

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल **जनता प्रीति निधि मंडल** के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है। पार्टी कार्यालय **जी आई-48, जी. टी. करनाल रोड इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110033** में स्थित है। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29क के अधीन राजनीतिक दल के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है- पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/ पता नीचे दिए गए हैः-

सभापति / अध्यक्षः
अश्वनी मिंडा
महासचिव / सचिवः
अनिरूद्ध मिंडा
कोषाध्यक्षः
विनोद गर्ग

यदि किसी को **जनता प्रीति निधि मंडल** के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति इसके कारणों सहित सचिव (राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली 110001 को, इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेजें।

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक मोहम्मद जावेद पुत्र श्री यावर हुसैन जो की संपत्ति संख्या 1/11414 ए, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज सुभाष पार्क की आबादी में स्थित, गली नंबर 10, गांव उपधानपुर, इलाका शाहदरा, दिल्ली के क्षेत्र में है को बिक्री विलेख दिनांक 29.05.2024 के आधार पर, पुस्तक संख्या 1 खंड संख्या 5260 में पृष्ठ संख्या 41-64 एसआर-आईवीए शाहदरा में दस्तावेज़ 2024/23/1/4057 के मालिक हैं। यह कि खसरा संख्या 136 का उल्लेख निम्लिखित दस्तावेज़ पर नहीं किया गया है, अर्थात नोटरीकृत जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी के साथ एटीएस और वसीयत दिनांक 16.12.1983 और नोटरीकृत जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी के साथ एटीएस और वसीयत दिनांक 24.04.1991 अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और इसे डीसीबी बैंक लिमिटेड शाखा करोल बाग, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया जाना है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा

NAVEEN KUMAR VERMA Advocate 1/566-A, Ground Floor, Sector-1, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010, 09958871432

PUBLIC NOTICE

On behalf of M/S MAXHEIGHTS TOWNSHIP & PROJECTS PVT. LTD having its registered office at 408,4th floor, RG Trade Tower, Netaji Subhash Place, Pitampura, New Delhi-110034, the general public is hereby informed that on the basis of application/ documents submitted by Sh. Harpreet Singh Sethi S/o. Late Sh. Harbhajan Singh Sethi R/0 J-98, West Patel Nagar, New Delhi-110008. The Developer M/s. Maxheights Township & Projects Pvt. Ltd is substituting, in place of late Sh. Harbhajan Singh Sethi, the name of following class 1 legal heirs of Late Sh. Harbhajan Singh Sethi, qua allotment of Flat No. E-094, 9th Floor, Maxheights Metro View Apartments, Sector-35, Sonipat Haryana:

1 Rupinder Kaur (Daughter)
2. Harpreet Singh Sethi (Son)

If any person has any objection/claim on the said property or against the said substitution, they may file his/her claim/objection within 15 days to the company, and thereafter no objection/ claim will be entertained in this regard.

Kshitij Sharda Advocate
Date: 04.12.2024 D/1516/2008

म्यांमार में सैनिक शासन

ढीली पड़ती पकड़

म्यांमार में सैनिक शासन की पकड़ लगातार ढीली हो रही है जिससे भविष्य में विखंडन का खतरा पैदा हो गया है। सालों तक दमनकारी शासन, मानवाधिकार उल्लंघनों तथा जनता के खिलाफ अत्याचारों के बाद म्यांमार के सैनिक शासक अब रक्षात्मक स्थिति में आ गए हैं। सशस्त्र विद्रोहियों को लगातार सफलतायें मिलने के बाद अब सत्ता पर उनकी पकड़ लगातार ढीली पड़ती जा रही है। साल भर की आक्रामकता के बाद सैनिक शासक-विरोधी बलों ने राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 3 के 480 किलोमीटर क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है जो मांडले को चीन से जोड़ता है। यह महत्वपूर्ण मार्ग उत्तरी म्यांमार के दुर्गम क्षेत्र से गुजरता है। इस विजय से सेना को टैक्स संग्रह करना कठिन हो गया है और इससे उसका केन्द्रीय मैदानों में मजबूत गढ़ों पर वर्चस्व घटा है। इससे गृह युद्ध के चौथे वर्ष में प्रवेश के साथ विद्रोहियों का साहस बढ़ा है। म्यांमार वर्तमान समय में विघटन की कगार पर है क्योंकि 2021 में सत्ता पर कब्जा करने वाले सैनिक शासक को लगातार पूरे देश में सशस्त्र विद्रोही समूहों के हमलों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले साल नस्ली सशस्त्र संगठनों तथा स्थानीय मिलिशियाओं ने अपने आक्रमण तेज कर प्रमुख क्षेत्रों पर कब्जे कर लिए जिससे म्यांमार के विभाजित नियंत्रण क्षेत्रों में बंटने का खतरा पैदा हो गया है। सैनिक शासक को सबसे बड़ी चुनौती अराकान आर्मी-एए तथा म्यांमार नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस आर्मी-एमएनडीएए व तांग नेशनल लिबरेशन आर्मी-टीएनएलए के गठबंधन से मिली है। मुख्यत: चीन की सीमा से सटे शान राज्य में सक्रिय इन समूहों ने रणनीतिक व समन्वित हमले शुरू कर महत्वपूर्ण क्षेत्र पर सैनिक शासक का नियंत्रण समाप्त कर दिया है।

राखीन व चिन राज्यों में अराकान सेना के हमलों ने महत्वपूर्ण क्षेत्रीय लाभ प्राप्त किए हैं तथा विशाल भूक्षेत्र व महत्वपूर्ण कस्बों को अपने नियंत्रण में लिया है। इस प्रगति से सैनिक शासक स्वयं को इस क्षेत्र में अधिकारी की तरह नहीं पेश कर सकते हैं जो प्राकृतिक संसाधनों पर कब्जे तथा रणनीति के लिए महत्वपूर्ण है। म्यांमार में चीन के बहुत महत्वपूर्ण आर्थिक हित हैं और उसने सैनिक शासक तथा विद्रोही समूहों के बीच अपना प्रभाव डालने के प्रयास किए हैं। विद्रोहियों द्वारा राखीन प्रांत तथा शान राज्य के बड़े हिस्सों पर लगभग पूर्ण नियंत्रण प्राप्त करने के बाद एक एकीकृत संरचना के रूप में पूरे देश पर नियंत्रण करने की सैनिक शासक की क्षमता तेजी से गायब हो रही है। इस विखंडन से वास्तव में म्यांमार विभिन्न समूहों द्वारा नियंत्रित स्वायत्त क्षेत्रों में विभाजित हो सकता है। यह युद्ध आम जनता के लिए आसान नहीं है और उसे इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। खासकर रोहिंग्या-बहुसंख्य क्षेत्र व अन्य क्षेत्रों में पूरे समुदाय विस्थापित हुए हैं क्योंकि लोगों को विभिन्न मोर्चों पर हिंसा का सामना करना पड़ रहा है। मूलभूत सेवायें बहुत बुरी स्थिति में हैं तथा मानवाधिकार संकट लगातार गहरा रहा है। लंबे समय से जारी युद्ध के कारण म्यांमार की अर्थव्यवस्था बरबाद हो गई है, विदेशी निवेश नहीं आ रहा है तथा प्रमुख क्षेत्र ध्वस्त हो रहे हैं। चीन तथा अन्य देशों द्वारा समर्थित ढांचागत परियोजनायें संकट का सामना कर रही हैं जिससे आर्थिक अस्थिरता और बढ़ रही है। म्यांमार में अस्थिरता के दक्षिणपूर्व एशिया पर व खासकर थाईलैंड व भारत पर व्यापक प्रभाव पड़ेंगे। सीमापार से हिंसा, शरणार्थियों की बाढ़ तथा नशीले पदार्थों के व्यापार जैसी संभावित अवैध गतिविधियों के कारण क्षेत्रीय स्थिरता को गंभीर खतरा पैदा हो गया है। आने वाले दिन यह निर्धारित करने के लिए महत्वपूर्ण होंगे कि म्यांमार अपनी एकजुटता बनाए रखता है या वह विखंडन और लगातार टकराव का शिकार बन जाता है।

नेहरू का विरोधियों पर हमला

जवाहर लाल नेहरू ने भारत के संविधान को स्वरूप देने वाले डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी तथा डा. बी.आर. अंबेडकर पर निशाना लगाया क्योंकि वे राष्ट्र के प्रति उनके दृष्टिकोण से सहमत नहीं थे।

अनिर्बान गांगुली
(लेखक, डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी शोध फाउंडेशन के अध्यक्ष हैं)

वर्ष 1951-52 में देश के पहले आम चुनाव के लिए प्रचार अभियान शुरू होने के समय नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस ने दो नेताओं पर आक्रामक ढंग से निशाना लगाया। जनसंघ और डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पर निशाना लगाते हुए नेहरू सीधे गालीगलौज की भाषा पर उतर आए और उन्होंने 'जनसंघ को कुचल देने' का आह्वान किया। लेकिन डा. अंबेडकर तथा उनके नेतृत्व वाली 'शेड्यूल्ड कास्ट फेडरेशन' के लिए थोड़ा अलग दृष्टिकोण अपनाया।

बाबा साहेब अंबेडकर को चुनाव में पराजित करने के लिए नेहरू ने अपने विश्वसनीय कम्युनिस्ट मित्रों को लगाया। वास्तव में अपने राजनीतिक व बौद्धिक विरोधियों से निपटने के मामले में नेहरू बहुत छुद्र मनोवृत्ति वाले व्यक्ति थे। उनको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता था कि कुछ ही दिन पहले तक संविधान सभा में ये उनके मित्र थे और उन्होंने स्वतंत्र भारत के लिए संवैधानिक आधार तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान किया था। नेहरू अंबेडकर और श्यामा प्रसाद मुखर्जी को पराजित करवाना चाहते थे। उनको इन नेताओं के संसदीय कौशल तथा भारत के लिए नई राजनीति निर्धारित करने में इनके भाषण कौशल और पैरोकारी की क्षमता से चिढ़ पैदा होती थी।

नेहरू ऐसी नई संसद चाहते थे जहां कम्युनिस्टों को छोड़ कर उनके कोई विरोधी न हों क्योंकि वास्तव में हर हाल में कम्युनिस्ट उनके वैचारिक साथी थे। नेहरू ने इसी कारण कन्नूर में कम्युनिस्ट नेता ए.के. गोपालन के खिलाफ कोई उम्मीदवार नहीं उतारा था। उनकी दोस्ती खासकर सरदार पटेल के निधन के बाद और गहरी हुई थी। लेकिन नेहरू की व्यापक आक्रामक रणनीति के बावजूद डा. मुखर्जी ने कोलकाता दक्षिण सीट पर विजय प्राप्त की और उनके नेतृत्व में जनसंघ एक राष्ट्रीय पार्टी बनने में सफल रही। इस चुनाव में बाबा साहेब अंबेडकर बंबई उत्तर की सीट से हार गए क्योंकि नेहरू की मिलीभगत से कम्युनिस्टों ने उन पर निशाना लगाया था। नेहरू ने अंबेडकर को हराने का यह काम कम्युनिस्टों को खासतौर से दिया था।

जवाहरलाल नेहरू ऐसी नई संसद चाहते थे जहां कम्युनिस्टों को छोड़ कर उनके कोई विरोधी न हों क्योंकि वास्तव में हर हाल में कम्युनिस्ट उनके वैचारिक साथी थे। नेहरू ने इसी कारण कन्नूर में कम्युनिस्ट नेता ए.के. गोपालन के खिलाफ कोई उम्मीदवार नहीं उतारा था।

नेहरू को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता था कि डा. अंबेडकर का स्वास्थ्य खराब हो रहा था जिसके कारण उनको आवागमन में कठिनाई होती थी। उनको इस बात से भी कोई फर्क नहीं पड़ता था कि डा. अंबेडकर ने स्वयं को संविधान को स्वरूप देने में अपने को पूरी तरह थका डाला था और इस कारण उनको नैतिक रूप से समर्थन मिलना चाहिए था।

डा. अंबेडकर के सर्वाधिक आधिकारिक व विश्वसनीय जीवनीकार धनंजय कीर के अनुसार, अंबेडकर अपनी पराजय का कारण एस.ए. डांगे के हथकंडों को मानते थे। प्रचार अभियान के दौरान डांगे ने दुष्टतापूर्ण नारा देते हुए कहा था कि 'अपने वोटों को बरबाद कर डालो, पर उनको अंबेडकर को न दो।' डा. अंबेडकर के दृष्टिकोण से 'कम्युनिज्म जंगल की आग की तरह था जो अपने रास्ते में आने वाली हर चीज और सभी चीजों को जला कर राख कर देता है।'

लेकिन नेहरू को 'जंगल की इस आग' से प्रेम था। डा. अंबेडकर के जीवन के बारे में अपनी स्मृतियों के डा. सविता अंबेडकर ने याद किया है कि पहले चुनाव के दौरान नेहरू 'उनके निर्वाचन क्षेत्र पर गहरी नजर रखते थे'। वे जानते थे कि मुंबई कांग्रेस के प्रमुख एस.के. पाटिल तथा कम्युनिस्ट पार्टी के एस.ए. डांगे को कैसे एकजुट रखा जाए। सविता अंबेडकर ने लिखा, 'नेहरू, एस.के. पाटिल और डांगे ने तय किया कि वे सब कुछ करेंगे, अवसर के अनुकूल कोई भी रणनीति अपनाएंगे, पर वे हर हालत में डा. अंबेडकर को चुनाव में जीतने नहीं देंगे।' सविता अंबेडकर ने आगे लिखा कि 'कांग्रेस-कम्युनिस्ट षडयंत्र के कारण संविधान निर्माता डाक्टर साहेब को चुनाव में पराजय का सामना करना पड़ा।' इस प्रकार कांग्रेस के हथकंडों के कारण भारतीय संविधान निर्माता को चुनाव में हार का सामना करना पड़ा।

डा. अंबेडकर को जानबूझ कर पराजित करने की इस रणनीति ने उनको अत्यधिक निराश कर दिया क्योंकि वे संसद में वापस लौटना चाहते थे। उनको लगता था कि संसद उनका स्वाभाविक कार्यक्षेत्र है और वे आने वाले वर्षों में देशवासियों को अपना सर्वोत्तम योगदान दे सकते हैं। सविता अंबेडकर ने लिखा, 'चुनाव में इस भयानक पराजय से उनके पहले से ही खराब हो रहे स्वास्थ्य पर भयानक नकारात्मक प्रभाव पड़ा, वे निराशा और अवसाद में डूब गए तथा इसके कारण उनमें एक प्रकार की विकलांगता आ गई।'

जब बाबा साहेब ने भंडारा सीट से उपचुनाव के माध्यम से लोकसभा में प्रवेश का प्रयास किया तो नेहरू और कांग्रेस ने उनके लिए दूसरी चुनावी पराजय सुनिश्चित की। उल्लेखनीय है कि इस चुनाव में बाबा साहेब ने युवा आरएसएस प्रचारक दत्तोपंत ठेंगड़ी को अपना चुनाव समन्वयक बनाया था। दत्तोपंत ठेंगड़ी ने अगले दो साल तक बाबा साहेब के निर्देशन में काम किया और उन्होंने दुनिया के सबसे बड़े ट्रेड यूनियन आंदोलन-'भारतीय मजदूर संघ' के लिए धन की व्यवस्था की। भंडारा उपचुनाव कांग्रेस के लिए अवसर था कि वह अपनी छुद्रता से बाहर निकल सके, लेकिन नेहरू बाबा साहेब के अंध-विरोध के रास्ते पर डटे रहे। डा. सविता अंबेडकर ने बहुत दु:ख के साथ लिखा कि 'कांग्रेस को उचित सम्मान के साथ संविधान निर्माता को संसद में आमंत्रित करने के लिए बड़ा दिल दिखाना चाहिए था। यदि किसी और चीज के लिए नहीं तो देश के कल्याण के लिए नेहरू को बाबा साहेब को लोकसभा में निर्वाचित होने में सहायता करनी चाहिए थी। लेकिन इसके एकदम उलट कांग्रेस ने डांगे जैसे व्यक्ति से हाथ मिलाया और बाबा साहेब को हराने के लिए हर हथकंडा अपनाया।

इससे सिद्ध होता है कि कांग्रेस को देश के कल्याण के बजाय अपनी पार्टी की ज्यादा चिन्ता है।' धनंजय कीर ने लिखा कि भंडारा चुनाव में डा. अंबेडकर पर नेहरू और कांग्रेस लगातार हमले कर रहे थे। अंबेडकर चुनाव इसलिए लड़ रहे थे क्योंकि उन्होंने कहा था, 'जनता को विपक्ष की ओर से एक और दृष्टिकोण दिया जा सके। यदि वे कांग्रेस से समझौता कर लेते तो संसद पहुंचना उनके लिए कठिन नहीं था।'

लेकिन बाबा साहेब ने कांग्रेस से समझौता न करने का निर्णय किया और इस कारण अपने जीवन के अंतिम वर्षों में राजनीतिक अपमान और उत्पीड़न का सामना किया। विडंबना है कि आज नेहरू के वारिस पूरी बेशर्मी से संविधान की प्रतियां लहराते हैं। उनके इस कृत्य की घोर निन्दा की जानी चाहिए। उनकी कार्रवाई को अप्रासांगिक तथा पराजित राजनीतिक पार्टी का निराशाजनक ढोंग कहा जाना चाहिए।

आत्मा की शाश्वत है यात्रा

जीवन और मृत्यु नवीनीकरण के एक शाश्वत चक्र में गुंथे हुए हैं, जो आत्मा को विकास के अवसर प्रदान करते हैं।

ब्रह्मकुमार निकुंज
(लेखक, आध्यात्मिक उपदेशक हैं)

बहुत कम मनुष्य जानते हैं कि मृत्यु कब आएगी, कैसे होगी और यह कहाँ ले जाएगी क्योंकि मृत्यु अपरिहार्य है और इसका कोई कैलेंडर नहीं है। जीवन सभी के लिए न्यायपूर्ण नहीं हो सकता है, लेकिन मृत्यु सभी के साथ समान रूप से पेश आती है, चाहे वह अमीर हो या गरीब, शक्तिशाली हो या नम्र, देवता हो या राक्षस, संत हो या पापी। मृत्यु के कई रंग हैं। देशभक्ति या सामाजिक कारण जैसे किसी महान उद्देश्य के लिए मरना मृतकों को गौरव प्रदान करता है। ऐसी मौतें आत्मा के लिए बहुत सहानुभूति और सद्भावना जीतती हैं।

फिर कुछ लोग बिना किसी बीमारी या दर्द के चुपचाप मर जाते हैं। ऐसी मौतें भाग्यशाली आत्माओं की होती हैं जो अच्छे कर्म करते हैं। दुर्घटना, हत्या, आत्महत्या, फांसी आदि जैसी हिंसक मौतें भी होती हैं। ऐसी मौतों से पहले दुख और कड़वाहट होती है और उसके बाद आत्मा को और अधिक पीड़ा होती है। तो! क्या कोई सुखद मृत्यु होती है या क्या मृत्यु एक पुरस्कृत अनुभव हो सकती है? अच्छा!

इसे समझने के लिए, हमें पहले जीवन को समझना होगा। इसके लिए हमें खुद से कुछ सवाल पूछने की जरूरत है कि जब इंसान जिंदा होता है तो क्या होता है। जब मौत होती है तो क्या खत्म हो जाता है? एक तरफ हम कहते हैं कि एक व्यक्ति मर गया और दूसरी तरफ हम शरीर को नश्वर अवशेष के रूप में देखते हैं। तो नश्वर क्या है? व्यक्ति या शरीर? संक्षेप में, जीवन एक ऐसी घटना है जो तब सामने आती है जब आत्मा किसी शरीर में प्रवेश करती है और मृत्यु बस एक ऐसी स्थिति है जब आत्मा एक शरीर को छोड़कर दूसरे शरीर में प्रवेश करती है। इसलिए जो व्यक्ति मर जाता है वह आत्मा है जो शरीर में रहती थी। तो, आत्मा क्या है? आत्मा एक संवेदनशील ऊर्जा है जो खुद को तीन स्तरों, मन, बुद्धि और संस्कारों में प्रकट करती है। एक आम कहावत है कि जब आप मर जाते हैं तो दुनिया आपके लिए मर जाती है। इसलिए, मृत्यु के साथ जो खत्म होता है वह आत्मा का उस सीमित दुनिया से संबंध या लगाव है जिससे वह शरीर में रहते हुए जुड़ी हुई है, जैसे रिश्ते, संपत्ति,

भूमिकाएं, आदि। हालांकि, आत्मा की एक अद्भुत विशेषता यह है कि यह कर्म ऋण और संस्कारों को अगले जीवन में ले जाती है। हम सभी जानते हैं कि एक दिन सभी को मरना है, फिर भी हम अपनी मृत्यु के बारे में कभी नहीं सोचते। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि आत्मा के रूप में हम सदियों से जन्म-जन्मांतर तक अलग-अलग शरीरों में रहते आए हैं। शरीर के प्रति हमारा लगाव इतना मजबूत है कि बुढ़ापे में भी लोग बड़ी और बेहतर संपत्ति खरीदते हैं और भविष्य के लिए निवेश करना जारी रखते हैं ताकि वे आराम से रह सकें। मृत्यु हर चीज का अंत नहीं है, लेकिन यह मानव दुनिया में आत्मा की यात्रा में एक बड़ा मोड़ है।

मृत्यु का मतलब नयापन भी है। यह आत्मा को ताजगी और जीवन के लिए नए उत्साह से भर देती है और आत्मा के लिए खुद को समृद्ध करने और अलग-अलग भूमिकाओं, शरीरों और स्थानों में अलग-अलग आत्माओं के साथ नए अनुभवों के साथ विकसित होने के दायरे को व्यापक बनाती है। यह नवीनीकरण ही अनंत काल की अवधारणा को सार्थक बनाता है। यदि मृत्यु न होती तो जीवन और विश्व नाटक का चक्र अनंत काल तक नहीं चल सकता था। आध्यात्मिक रूप से प्रबुद्ध आत्मा के लिए, मृत्यु का अर्थ सांसारिक बंधनों से अंतिम मुक्ति है; यह अस्तित्व के उच्चतर क्षेत्र में आरोहण है जहाँ आत्मा पूर्ण स्वतंत्रता और आनंद का अनुभव कर सकती है क्योंकि एक प्रबुद्ध आत्मा स्वर्ण युग में पुनर्जन्म लेती है जहाँ उसे असामयिक या दर्दनाक मृत्यु नहीं झेलनी पड़ती। तो, मृत्यु के भय से कैसे उबरा जाए? इसके लिए, हमें यह समझने की आवश्यकता है कि हमारे भय का मूल कारण जो हमें पाप और पीड़ा की ओर ले जाता है, वह शरीर की चेतना और आसक्ति है। इसलिए यह जागरूकता कि हम शाश्वत आत्मा हैं, मृत्यु के भय पर विजय पाने की कुंजी है।

अमरता हमारे शाश्वत होने और शरीर पर महारत हासिल करने की जागरूकता है। इसका मतलब यह नहीं है कि हम हमेशा एक ही शरीर में रहेंगे, नहीं। आध्यात्मिक रूप से सशक्त आत्मा शरीर में रहते हुए आत्म चेतना का अभ्यास करके अमर हो जाती है।

दूसरी ओर, पापी आत्माओं के लिए जीवन ही एक जीवित मृत्यु है क्योंकि वे हर दिन भय, पश्चाताप और पीड़ा से मरते हैं लेकिन जो लोग जीवित मरते हैं यानी जो सांसारिक मामलों से कोई लगाव नहीं रखते हुए दुनिया में रहते हैं, वे वास्तव में जीवन में भी मुक्त होते हैं।

आप की बात

बांग्लादेश में हिन्दू संकट में

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है। शेख हसीना की भारत समर्थक सरकार के अपदस्थ होने के बाद तो यह होना ही था। स्वतंत्रता के बाद से ही भारत सरकार का अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के प्रति रिकार्ड बेदाग है। इसका प्रमाण इस तथ्य से मिलता है कि जहां पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफ़ग़ानिस्तान में हिंदू व अन्य गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यकों की संख्या में भारी कमी आई है, वहीं भारत में मुस्लिम तथा अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों की संख्या बढ़ी है और वे जीवन के सभी क्षेत्रों में प्रगति कर रहे हैं। बांग्लादेश को अपनी बहुलतावादी विरासत का संरक्षण करते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके सभी नागरिकों को सुरक्षा और सम्मान मिले, भले ही उनका विश्वास चाहे जो हो। केवल ऐसा कर ही बांग्लादेश अपना स्थायित्व सुनिश्चित करने के साथ ही निरंतर अंतरराष्ट्रीय सम्मान का भागीदार बन सकता है। यूनूस सरकार वस्तुत: आर्थिक कुप्रबंधन तथा राजनीतिक अस्थिरता से ध्यान हटाने के लिए अल्पसंख्यकों पर निशाना लगा रही है। हालांकि, नई दिल्ली ने अक्सर बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के बारे में चिन्ता प्रकट की है, पर उसे तनाव बढ़ने से बचने के लिए सावधानी से आगे बढ़कर कदम उठाने होंगे।

– **सुनीत रस्तोगी**, मेरठ

जम्मू-कश्मीर के हालात

कश्मीर में हाल ही में हुए आतंकवादी हमलों की लहर ने, नई राज्य सरकार के गठन के बाद, अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर चिंताओं को फिर से जगा दिया है। अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और क्षेत्र को स्थिर करने के केंद्र सरकार के प्रयासों के बावजूद, जम्मू और कश्मीर अस्थिर बना हुआ है। दूसरे, जम्मू के विशाल वन क्षेत्र आतंकवादियों के लिए एक आश्रय स्थल बन गए हैं, जो गुरिल्ला युद्ध के लिए प्राकृतिक कवर प्रदान करते हैं और सुरक्षा बलों को बाधित करते हैं। तीसरे, कश्मीर में बेहतर कानून और व्यवस्था ने उग्रवादियों का ध्यान जम्मू की ओर स्थानांतरित कर दिया है, जहाँ कमजोरियों का फायदा उठाया जा रहा है। चौथा, जबकि आतंकवादी गतिविधियां अस्थायी रूप से कम हो गई थीं, उग्रवाद का फिर से उभरना गहरी जड़ें जमाए हुए खतरों की निरंतरता को रेखांकित करता है। आतंकवादियों को स्वतंत्रता सेनानी के रूप में रोमांटिक बनाने वाली कहानियों को खारिज करना और इन नेटवर्क को खत्म करने के लिए स्थानीय समुदायों और कानून प्रवर्तन के बीच सहयोग को बढ़ावा देना ज़रूरी है। भारत सरकार को हर हाल में आतंकवदी हमलों को रोकने के लिए अपने सुरक्षा तंत्र को मजबूत करना होगा तथा जम्मू-कश्मीर की नई सरकार को केंद्र के साथ सहयोग स्थापित करके चलना होगा।

– **नीरजा शर्मा**, गाजियाबाद

दिल्ली की जहरीली हवा

पंजाब और हरियाणा सहित पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने की वार्षिक कृषि प्रथा दिल्ली की धुंध में योगदान करती है। वायु गुणवत्ता संकट में इसका कायम रहना एक महत्वपूर्ण कारक बना हुआ है। सर्दियों के दौरान, दिल्ली का ठंडा तापमान और तेज हवाओं की कमी प्रदूषकों को जमीन के करीब फंसा देती है इस आवर्ती समस्या से निपटने के प्रयास में, वायु गुणवत्ता में 'बहुत खराब' श्रेणी में गिरावट के बाद, 21 अक्टूबर से दिल्ली-एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान लागू किया गया। इस योजना में निर्माण और औद्योगिक संचालन जैसी प्रदूषण में योगदान देने वाली गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है। हालांकि, ग्राप-2 के क्रियान्वयन के बावजूद, वायु गुणवत्ता सूचकांक चिंताजनक रूप से उच्च बना हुआ है, जो शहर की लगातार वायु गुणवत्ता समस्याओं को दूर करने के लिए सख्त प्रवर्तन और संभवत: अधिक मजबूत समाधानों की आवश्यकता को दर्शाता है। दीवाली के बाद दिल्ली का प्रदूषण संकट वायु गुणवत्ता प्रबंधन की जटिल और बहुआयामी प्रकृति की याद दिलाता है। ग्राप और जन जागरूकता अभियानों जैसी पहलों के माध्यम से प्रदूषण को नियंत्रित करने के प्रयासों को सीमित सफलता मिली है।

– **संदीप गर्ग,** नई दिल्ली

बढ़ती आबादी की चुनौती

बढ़ती आबादी के कारण महानगरों का शहरी बुनियादी ढांचा भारी दबाव में है। शहरी बुनियादी ढांचे के तत्काल पुनर्गठन, रेट्रोफिटिंग और नवीनीकरण के लिए मजबूत शहरी शासन आवश्यक है। राजनीतिक और प्रशासनिक मुद्दों से लेकर वित्तीय और बुनियादी ढांचे के मुद्दों और इससे भी महत्वपूर्ण, सामाजिक-पर्यावरणीय मुद्दों तक, महानगरीय प्रणाली को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। वर्तमान संस्थागत संरचना को सार्वजनिक भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए योजना और विकास एजेंसियों जैसे अधिकारियों द्वारा फिर से तैयार किया जाना चाहिए। पारास्टेटल प्रशासनिक निकायों और सार्वजनिक झुंझलाहट के बीच संघर्ष अक्सर इन एजेंसियों के प्रसार और उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के धुंधले होने के कारण बन जाते हैं। उत्तर प्रदेश के शहरीकरण के बावजूद, राज्य में निश्चित रूप से बड़ी शहरी आबादी है। इस महानगरीय आबादी को अनियंत्रित और अव्यवस्थित विकास पैटर्न में प्रबंधित करने की चुनौती है।

– **विनय कुमार,** कानपुर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

जनसुनवाई व राजस्व के वादों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने राजस्व वादों के निस्तारण और कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श ने बुधवार को शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जिलों में राजस्व वादों के निस्तारण और कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। विशेष समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री जी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस और थाना दिवस में आने वाले मामलों के शिकायतकर्ताओं से मिले फीडबैक तथा आईजीआरएस और सीएम हेल्पलाइन पर जनता से मिले फीडबैक के आधार पर रिपोर्ट जारी करते हुए मुख्यमंत्री ने असंतोषजनक प्रदर्शन करने वाले शासन के सभी विभागों, मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों, तहसीलों, रेंज, थानों से स्पष्टीकरण लिए जाने के निर्देश दिए। वहीं पैमाइश, लैंडयूज, अकृषक भूमि घोषित किये जाने से जुड़े लंबित मामलों की जिलावार रिपोर्ट पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगे जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व वादों के निस्तारण के लिए मिशन मोड में कार्यवाही की जाए। कहीं भी किसी गरीब के साथ अन्याय नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता से जुड़े विभागों के अधिकारी तय समय पर जनता से जरूर मिलें। प्रत्येक विभाग में जनसुनवाई को प्राथमिकता दी जाए। बैठक में सभी मंडलायुक्त, पुलिस जोन एडीजी, जिलाधिकारी गण, पुलिज़ रेंज आईजी, पुलिस कप्तान आदि फील्ड में तैनात अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सहभागिता की।

बैठक में मुख्यमंत्री यह कहा कि गौतमबुद्ध नगर हो, अलीगढ़ हो या संभल अथवा कोई अन्य जनपद, अराजकता फैलानेकी छूट किसी को नहीं दी जा सकती। संभल में विगत दिनों हुई घटना से जुड़े उपद्रवियों के साथ पूरी कठोरता के साथ निपटें। जिन लोगों ने सार्वजनिक संपत्ति को क्षतिग्रस्त किया है, उसे वापस ठीक कराने का खर्च उन्हीं उपद्रवियों से वसूल की जाए। अराजकता फैलाने वालों को चिन्हित कर उनके पोस्टर लगाएं, जनता का सहयोग लें, सघन सर्च ऑपरेशन चलाएं। एक भी उपद्रवी बचना नहीं चाहिए।

सार्वजनिक स्थलों पर हुए अतिक्रमण के मामले संवेदनशील हैं। सभी को यह समझना चाहिए कि सड़क सभी के लिए है, आवागमन के लिए है, यहां बिल्डिंग मैटेरियल का सामान रखने, निजी वाहन पार्किंग बनाने, दुकान बनाने अथवा किसी के अनधिकृत कब्जे के लिए नहीं। यह स्वीकार नहीं किया जा सकता। लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप सार्वजनिक स्थलों पर हुए अतिक्रमण के मामलों में संवाद और समन्वय की नीति अपनाई जाए। सभी जिलाधिकारी और पुलिस कप्तान ग्राम्य विकास/नगर विकास विभाग के साथ मिलकर स्थानीय निकायों के माध्यम से यह सुनिश्चित कराएं कि प्रदेश में कहीं भी आवागमन बाधित कर अनधिकृत कब्जा न किया जाए।

मानवता के सामने खड़ी चुनौतियों से निपटने के विश्वास का प्रतीक बना भारत: योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत के प्रति पूरी दुनिया का विश्वास तेजी से बढ़ा है। एक समय था जब भारत दुनिया के किसी भी गुट में नहीं था। देश के सामने असमंजस की स्थिति थी कि उसकी दिशा क्या होगी, उसे क्या करना है। पर, आज का नया भारत दुनिया के ध्रुवीकरण की दिशा तय करता है। दुनिया का ध्रुवीकरण उधर होता है, जिधर भारत होता है।

सीएम योगी बुधवार को महाराणा प्रताप (एमपी) शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज परिसर मेंसमारोह के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सदस्य सचिव प्रो. राजीव कुमार का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया उसी का अनुसरण करती है जो खुद को उसके अनुरूप तैयार करने का माद्दा रखता है। जो स्वयं खड़ा नहीं हो सकता, वह दूसरों को खड़ा होने की प्रेरणा कैसे दे सकता है। पीएम मोदी के नेतृत्व में नए भारत को खुद को उसी अनुरूप तैयार किया और परिणाम है कि आज भारत की दिशा के बिना दुनिया की दिशा की कल्पना नहीं की जा सकती है। दुनिया में मानवता के सामने जो चुनौती है, भारत उससे निपटने के विश्वास का प्रतीक बना है। जी-20 का समिट उसका प्रमाण है। आज दुनिया का कोई भी बड़ा आयोजन भारत के बिना नहीं होता है। आज देश विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है। योगी ने देश को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही नहीं होती है। संस्थाओं और व्यक्तियों को भी इसकी जिम्मेदारी उठानी होती है। अब जिम्मेदारी से बचने का नहीं बल्कि जिम्मेदारी समझने और खुद को उसके अनुरूप तैयार करने का समय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लिए अगले 25 वर्ष का रोडमैप तय किया है, देश जब आजादी का शताब्दी महोत्सव मन रहा होगा तब तक देश को विकसित भारत बनाने का। इसमें हर नागरिक, हर संस्था की भूमिका होनी चाहिए कि हमारा देश आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बने और स्वाभिमान के साथ इस विकास यात्रा में हमारा भी योगदान हो। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के दोनों प्रणेताओं ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ का भी पूरे जीवन यही भाव रहा।

हर पीड़ित की समस्या का हो पारदर्शी निस्तारण

● जनता दर्शन में सीएम योगी आदित्यनाथ ने सुनीं 150 लोगों की समस्याएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा, 'घबराइए मत, हर शिकायत पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएंगे। हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराया जाएगा। सरकार सबकी समस्या दूर करने को संकल्पित है।' जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं। गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने का निर्देश दिया। जनता दर्शन में महिलाओं की संख्या अधिक रही। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। एक-एक कर और इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश भी दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए।

खेल से सबको खेलने, फलने और आगे बढ़ने की मिलती है प्रेरणा: सीएम

● यूपी ग्रामीण खेल लीग का शुभारंभ और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्मृति अखिल भारतीय प्राइजमनी कबड्डी प्रतियोगिता का समापन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खेल की गतिविधियों को ग्राम पंचायत, न्याय पंचायत, विकास खंड और विधानसभा स्तर तक बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार सांसद खेल स्पर्धा की तर्ज पर विधायक खेल स्पर्धा को प्रोत्साहित करेगी। इसके लिए विधायको का आह्वान किया जाएगा। गांव से लेकर विधानसभा स्तर तक होने के बाद इस स्पर्धा को जिले स्तर पर सांसद खेल स्पर्धा के रूप में परिवर्तित कर दिया जाएगा।

सीएम योगी बुधवार को उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग के द्वितीय संस्करण के शुभारंभ एवं षष्ठम ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्मृति अखिल भारतीय प्राइजमनी कबड्डी प्रतियोगिता के समापन-पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ग्रामीण खेल लीग की मशाल को गत लीग में दो गोल्ड मेडल जीतने वाले एथलेटिक खिलाड़ी अभय को सौंपकर लीग के दूसरे संस्करण का शुभारंभ किया और कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला समाप्त होने के बाद खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल से सबको खेलने, फलने और आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी यही बात कहते हैं कि जो खेलेगा वही खिलेगा। जो खिलेगा वही फलेगा और बढ़ेगा भी। पीएम मोदी की प्रेरणा से देश में खेलो इंडिया, फिट इंडिया मूवमेंट, सांसद खेल स्पर्धा और हर जिले में स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (साई) के सेंटर स्थापित कर खेल की गतिविधियों को पूरी प्रतिबद्धता से आगे बढ़ाया जा रहा है।

नवम्बर माह में कुल 18389.80 करोड़ का राजस्व हुआ प्राप्त: वित्त मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि प्रदेश के मुख्य कर-करेत्तर राजस्व वाले मदों में वित्तीय वर्ष 2024-25 के नवम्बर माह में कुल 18389.80 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 के नवम्बर माह में 16610.53 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हुआ था।

इस प्रकार वित्तीय वर्ष 2024-25 के नवंबर माह में गत वर्ष के इसी अवधि की तुलना में 1779.27 करोड़ रू. राजस्व अधिक प्राप्त हुआ है। खन्ना ने बताया कि कर राजस्व के अंतर्गत जीएसटी मद के अन्तर्गत माह नवम्बर, 2024 में कुल 7793.48 करोड़ रू. की राजस्व प्राप्ति हुई, जबकि इसी माह में प्राप्ति 6652.20 करोड़ रू. रही थी। वैट के अन्तर्गत माह नवम्बर, 2024 में 2685.19 करोड़ रू0 की राजस्व प्राप्ति हुई जबकि गत् वर्ष माह नवम्बर, 2023 में प्राप्ति 2737.13 करोड़ रू. रही थी। वित्त मंत्री ने बताया कि राज्य कर के अंतर्गत जीएसटी एवं वैट मद में वित्तीय वर्ष 2024-25 के नवंबर माह तक 74582.01 करोड रुपए की प्राप्ति हुई है, जो माह नवंबर तक निर्धारित लक्ष्य का 73.1 प्रतिशत है। आबकारी मद में माह नवंबर तक 30403.28 करोड रुपए की प्राप्ति हुई है, जो निर्धारित लक्ष्य का 83.3 प्रतिशत है। इसी प्रकार स्टांप तथा निबंधन मद में नवंबर 2024 तक 19987.09 करोड रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है जो इस अवधि के निर्धारित लक्ष्य का 84.5 प्रतिशत है।

रिटायर डीजी विजय शंकर के निधन पर पुलिस मुख्यालय में हुई शोक सभा

लखनऊ। पुलिस मुख्यालय में सेवानिवृत्त डीजी विजय शंकर के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के निदेशक रहे विजय शंकर का निधन बीती 2 दिसंबर को हो गया था। शोक सभा में डीजीपी प्रशान्त कुमार सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने दिवंगत पुलिस अधिकारी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

डॉ. अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर दी जाएगी सुर श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार की तरफ से संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर छह दिसंबर को अनेक कार्यक्रम आयोजित होंगे। योगी सरकार के निर्देशन में संस्कृति विभाग की तरफ से तैयारी पूरी कर ली गई है। भारत रत्न डॉ. आंबेडकर को सांस्कृतिक सुर श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इसमें उत्तर प्रदेश के साथ ही मुंबई व अन्य प्रांतों के कलाकार भी संविधान व बाबा साहेब से जुड़ी प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम डॉ. भीमराव आंबेडकर मेमोरियल गोमती नगर में शाम चार से रात्रि आठ बजे तक आयोजित किया जाएगा। बाबा साहेब के महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. भीमराव आंबेडकर मेमोरियल गोमती नगर में सांस्कृतिक सुर श्रद्धांजलि होगी। इसमें मुंबई की रसिका-कृतिका बोरकर व टीम की तरफ से सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा। दोनों बहनों की तरफ से यहां प्रस्तुति दी जाएगी। इसके साथ ही औरंगाबाद के राहुल हरिभाऊ दांगड़े अनविलकर भी अपने स्वर से बाबा साहेब के कृतित्व व व्यक्ति पर गायन प्रस्तुत करेंगे। महापरिनिर्वाण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मेजबान उत्तर प्रदेश के कलाकारों को भी मंच मिलेगा। इसमें आगरा की देवेंद्र एस मंगलामुखी का भी कार्यक्रम होगा।

किन्नर समाज की यह कलाकार कथक नृत्य नाटिका की भावविभोर प्रस्तुति से दर्शकों को अपनी प्रतिभा से मुखातिब कराएंगी। इसके साथ ही लखनऊ के रामायण व भदोही के रमेश भावरा बाबा साहेब पर अपने गायन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। लखनऊ की सुश्री जूही कुमारी की नृत्य नाटिका होगी। लखनऊ के ही संतोष कुमार व महराजगंज के राजाराम भारती बाबा साहेब पर गायन की प्रस्तुति देंगे।

लखनऊ के ही धनंजय पासवान भी गायन के जरिए बाबा साहेब, संविधान से जुड़े तथ्यों पर गायन के जरिए प्रस्तुति देंगी।

मुरादाबाद के जेलर विक्रम सिंह यादव व डिप्टी जेलर प्रवीण सिंह निलंबित

● संभल हिंसा के आरोपियों से सपा नेताओं की नियम विरुद्ध जेल में कराई थी मुलाकात

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

संभल हिंसा के आरोपियों से जेल में सपा नेताओं की नियम विरुद्ध मुलाकात कराने के मामले में डीजी जेल पीवी रामाशास्त्री ने मुरादाबाद जेल के जेलर विक्रम सिंह यादव व डिप्टी जेलर प्रवीण सिंह को निलंबित कर दिया है।

जेल अधीक्षक पीपी सिंह के खिलाफ रिपोर्ट शासन को भेजी गई है। सपा विधायक नवाबजान,चौधरी समरपाल सिंह, पूर्व सांसद एसटी हसन के साथ कई सपा नेताओं ने जेल में संभल दंगे के आरोपियों से मुलाकात की थी। पूर्व सांसद, विधायकों के साथ कुछ सपा नेताओं ने बगैर पर्ची के की थी मुलाकात। शासन के निर्देश पर डीजी जेल ने डीआईजी जेल कुंतल किशोर को जांच सौंपी गई थी। दरअसल, संभल में जेल नहीं है। इस वजह से संभल हिंसा के आरोपी मुरादाबाद जेल में बंद हैं। हिंसा का मामला बेहद संवेदनशील है, इसलिए संभल प्रशासन ने 10 दिसंबर तक जनपद में बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक तक लगा रखी है।

इस बीच सोमवार को पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन, ठाकुरद्वारा विधायक नवाबजान, नौगंवा सादात (अमरोहा) से विधायक चौधरी समरपाल सिंह, जिला महासचिव मुदस्सिर खान, पूर्व जिलाध्यक्ष अतहर हुसैन अंसारी, प्रदेश सचिव गुलजार अहमद, कादिर खान जिला कारागार पहुंचे और संभल हिंसा के आरोपितों से मुलाकात की।

भाजपा ने यूपी उपचुनाव में जनता को वोट नहीं डालने दिया: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार को तरक्की, खुशहाली, विकास से कोई मतलब नहीं है। भाजपा का काम समाज में नफरत फैलाना, संविधान विरोधी काम करना, लोकतंत्र की हत्या करना है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश में उपचुनाव में जनता को वोट नहीं डालने दिया। यूपी का उपचुनाव पहले 13 नम्बर 2024 को होना था, जब भाजपा को जानकारी हो गयी कि बहुत सारे लोग त्योहारों में अपने गांव आये थे और वे वोट डालकर वापस जाएंगे तो भाजपा ने उपचुनाव की तारीख बदलवा कर 20 नवम्बर 2024 करा दी। यादव ने कहा कि 19 तारीख को आनन-फानन में संभल में सर्वे कराकर तनाव बढ़ाने और माहौल खराब करने का प्रयास किया, जब उस दिन सब कुछ शांत रहा तो फिर षडयंत्र के तहत दोबारा सर्वे की योजना बनायी। चुनाव में हुई धांधली की पोल न खुल जाये इसके लिए भाजपा ने संभल की घटना करायी। भाजपा की ये सत्ता भूख की लड़ाई है। अखिलेश यादव ने कहा कि दोबारा सर्वे के दौरान जा रही टीम के साथ जो लोग नारे लगाते जा रहे थे, सरकार ने उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की। अखिलेश यादव ने कहा कि संभल में प्रशासन और अधिकारी किस तरह की भाषा का प्रयोग कर रहें हैं? क्या लोकतंत्र में अधिकारी इस तरह की भाषा और व्यवहार कर सकते है? उन्होंने कहा कि संभल में प्रशासन पीड़ितों को न्याय नहीं दे रहा है।

यूपी हेरिटेज कॉन्क्लेव 7 दिसंबर को, सीएम योगी करेंगे शिरकत

● राजस्थान की तर्ज अब यूपी के महलों व हवेलियों का होगा व्यवसायिक उपयोग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी की राजधानी लखनऊ में 'उत्तर प्रदेश हेरिटेज कॉन्क्लेव' 7 दिसंबर को आयोजित किया जा रहा है। यह जानकारी भारत वर्षीय सभा, अवध (अन्जुमन-ए-हिन्द अवध) के उपाध्यक्ष व बीजेपी के पूर्व एमएलसी राजा राकेश प्रताप सिंह 'शिवगढ़' ने बुधवार को दी है। उन्होंने बताया कि अवध (अन्जुमन-ए-हिन्द अवध) लगभग 160 वर्ष पुराना तालुकेदारों का एसोसियेशन है, जो कैसरबाग बारादरी व कॉल्विन तालुकेदार्स कालेज, लखनऊ का संचालन कर रहा है।

संस्था के उपाध्यक्ष राजा राकेश प्रताप सिंह 'शिवगढ़' ने बताया कि यूपी सरकार में पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह की पहल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन व विशेष सोच के चलते 7 दिसंबर शनिवार को हेरिटेज सम्पत्तियों से सम्बन्धित पर्यटन विभाग की तरफ से एक बैठक होटल ताज %उत्तर प्रदेश हेरिटेज कॉन्क्लेव% लखनऊ में आयोजित की जा रही है।

उन्होंने बताया कि जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं उपस्थित रहेंगे। राकेश प्रताप सिंह ने बताया कि इसका उद्देश्य प्रदेश में पुरानी कोठियों, महलों व हवेलियों को ऐतिहासिक धरोहर के रूप में प्रमोट किया जायेगा, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार भी सृजित हो सकेगा व फिल्म शूटिंग को बढ़ावा मिलेगा।

इस बैठक में ऐसे सम्पत्ति के स्वामियों को, विशेषकर राजघरानों को आमंत्रित किया जा रहा है। जो बहुत ही सम्मान का विषय है। बताते चलें कि उपरोक्त संस्था के अध्यक्ष-राजा आनन्द सिंह, मनकापुर, सचिव कुंवर मनीष वर्धन सिंह, संयुक्त सचिव सैयद तारिक हसन नकवी व सहायक सचिव-राय स्वरेश्वर बली हैं। संस्था के उपाध्यक्ष राजा राकेश प्रताप सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरफ से लिये गये महत्वपूर्ण विचार व पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह के विशेष प्रयास से हम सभी अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि हम अपना आभार व्यक्त करते हुये सम्मानित महसूस करते हैं। योगी सरकार के तरफ की गयी यह ऐतिहासिक पहल हमारी संस्कृति, सभ्यता व धरोहरों के लिये किसी वरदान से कम न होगी। साथ ही दिन-प्रतिदिन उन्नति करते हुये एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगी।

जिस प्रकार राजस्थान व अन्य प्रदेशों में हेरिटेज टूरिज्म विशेष आकर्षण का केन्द्र बना, जो पर्यटन क्षेत्र में मील का पत्थर होगा।

शोध कार्य को बढ़ावा देने के लिए बनेगा विशेष फंड : योगेन्द्र उपाध्याय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने आगामी वित्तीय वर्ष के बजट की तैयारी और विभागीय योजनाओं की प्रगति को लेकर अपने कार्यालय में समीक्षा बैठक की। बैठक में मंत्री ने निर्देश दिया कि राज्य के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शोध कार्य को बढ़ावा देने के लिए विशेष फंड का प्रावधान किया जाए। उन्होंने कहा कि शोध और नवाचार के बिना शिक्षा का उद्देश्य अधूरा है। हमें युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करना है।

मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि योगी सरकार उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और छात्रों को वैश्विक स्तर की शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि बजट प्रस्ताव तैयार करते समय छात्रों और शिक्षकों के हितों को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही शिक्षा में नई तकनीकों का उपयोग बढ़ाने और डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहित करने पर विशेष ध्यान देने की बात कही। बैठक में उच्च शिक्षा में शोध एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए योजनाओं पर चर्चा हुई। बैठक में विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और शिक्षकों की नियुक्ति के मुद्दों पर भी चर्चा की गई। मंत्री ने कहा कि सभी संस्थानों में बुनियादी सुविधाओं का विकास और शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। मंत्री ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एनईपी को लागू करने के लिए एक रोडमैप तैयार किया जाए, जिससे छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी मिल सकें। मंत्री ने बैठक के अंत में अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध तरीके से किया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं में देरी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिक्षा का स्तर ऊंचा उठाना हमारी प्राथमिकता है और इसके लिए सभी को मिलकर काम करना होगा।

सैलानी अब आसमान से निहार सकेंगे अलौकिक अयोध्या का अद्भुत नजारा

● हॉट एयर बलून के जरिए अब 250 फीट की ऊंचाई से निहारिए अयोध्या

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

वाटर मेट्रो बोट के बाद अयोध्या में अब हॉट एयर बैलून की शुरुआत हुई है। सीएम योगी की मंशा पर अयोध्या में शुरू की गई यह सेवा पर्यटन की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट बन गयी है। इस बैलून में बैठने के बाद सैलानी 250 फीट की ऊंचाई से अयोध्या का भव्य नजारा देख सकेंगे।

नया घाट हैलीपैड पर बुधवार को इसका शुभारंभ हुआ है। अयोध्या में भव्य मंदिर में रामलला के विराजमान होने के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही कह चुके हैं की अयोध्या को इस लिहाज से सजाया जाए कि जिससे यहां एक बार पहुंचने वाला श्रद्धालु बार-बार आने का प्रयास करे। इस दिशा में चल रहे कार्यों के तहत अब यहां एयर हॉट बैलून की शुरुआत की गई है।

अयोध्या विकास प्राधिकरण और पुष्पक एडवेंचर की मदद से शुरू हुए इस कार्य से निश्चित ही पर्यटन की दिशा में अयोध्या को बड़ा मुकाम हासिल होगा। अयोध्या में एडवेन्चर स्पोर्टस के माध्यम से पर्यटन गतिविधियां बढ़ाने व युवा पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए हॉट एयर बैलून का शुभारंभ सदर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, मण्डलायुक्त गौरव दयाल व अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अश्विनी कुमार पाण्डेय ने किया।

यह अनूठी पहल अयोध्या को एक रोमांचक पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने एवं पर्यटकों को सरयू नदी के मनोरम दृश्यों के साथ अयोध्या की ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक सुंदरता का अद्वितीय अनुभव प्रदान करेगा।

10 मिनट की राइड, किराया 999 रुपए

अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अश्वनी पांडेय ने बताया कि हॉट एयर बैलून एक एडवेंचर है। इसमें 10 मिनट की राइड होगी। ऊपर से रामलला का मंदिर, कनक भवन व सरयू का अद्भुत नजारा देखने के लिए 999 रुपये प्रति व्यक्ति खर्च करने पड़ेंगे। इसमें एक साथ चार लोग ही बैठ सकेंगे, जिसमें एक पायलट भी होगा। मण्डलायुक्त गौरव दयाल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप अयोध्या को पर्यटन की दृष्टि से मजबूत करने का काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देशों के तहत अयोध्या में विभिन्न पर्यटन गतिविधियों को बढ़ाया जा रहा है। इसी के अंतर्गत हॉट एयर बैलून शुरू कराया गया है। यह हवा के रुख के हिसाब से चलता है। आने वाले दिनों में ऐसे कई प्रोजेक्ट अयोध्या में धरातल पर दिखाई पड़ने लगेंगे।

डबल इंजन की सरकार स्वामी जी के हर सपने को करेगी पूरा: डिप्टी सीएम

● स्वामी ब्रम्हानंद के 130वी जयंती पर आयोजित कार्यक्रम संपन्न, स्वामी जी के चरित्र को पाठ्य क्रम में शामिल करने की मांग

राठ (हमीरपुर)। राठ कस्वा सिथत स्वामी ब्रम्हानंद जी की 130 बी जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सूबे के उपमुख्यमंत्री केवश प्रसाद मौर्य ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में स्वामी जी के सपने पूरे न हो यह असंभव है। स्वामी ब्रम्हानंद विवि के लिये यदि कुछ कर पाये तो यह उनका सौभाग्य होगा। स्वामी जी के नाम पर विवि निर्माण ही उन्हे सच्ची श्रद्धाजंलि होगी। डिप्टी सीएम ने कहा सरकार ने बुंदेलखंड के विकास में कोई कसर नही छोड़ी है। पिछले पांच सालो में बुंदेलखंड में बहुत ही बदलाव आया है। गरीबी के कारण पलायन रुका हुआ है। सरकार बुंदेलखंड के विकास के लिये पूरी तरह समर्पित है. आज

कार्यक्रम में बोलते डिप्टी सीएम, डिप्टी सीएम से मिलती चेयरमैन कुरारा आशारानी कबीर

बुन्देलखंड में तीन विवि है इसके पूर्व डिप्टी सीएम ने स्वामी जी की समाधि प्रेरणा स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित कर माल्यार्पण किया। उनके साथ बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह मौजूद रहे। ब्रम्हानंद समिति के सदस्यों ने स्वामीजी के जीवन चरित्र को पाठ्यक्रम में शामिल करने की मागं की। डिप्टी सीएम ने पूरा सहयोग करने का वादा किया। महा विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डा इंद्रपाल सिंह ने स्वामी जीके जीवन पर प्रकाश डाला।

सपा हमेशा दंगाइयों, गुंडो व अपराधियों का देती है साथ: डिप्टी सीएम

हमीरपुर। राठ में आये भाजपा के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पत्रकारो से बार्ता करते हुये सपा पर हमला करते हुये कहा कि संभल में सपा के सांसद व विधायक में वर्चस्व की लडाई चल रही थी, आपस की लड़ाई में चार लोगो को मार डाला, सपा हमेशा दंगाईयों व गुंडो अपराधियो माफ्यिों के साथ रहती है पहले चार लोगो को मार डालते इसके बाद दल के लोग मुआवजा बाटती है, यूपी की जनता सपा के ड्रामें को यह सब समझ गयी है। हाल के उपचुनाव में सपा का जो सूपड़ा साफ हुआ है इससे सपा बौखला गयी है,सपा के मुखिया जो पीडीए की बात करते है वह केवल पारिवारिक डेवलपमेंट एजेंसी चलाते है। राहुल गांधी केवल वहा पर माहौल विगाड़ने की सोच रहे है पहले सपा ने ड्रामा किया।

सीडीओ की अध्यक्षता में 50 लाख से अधिक लागत के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक

● कार्यदायी संस्थाऐं निर्माण कार्यो में लायें तेजी

●मानक, गुणवत्ता का पालन करते हुए समयान्तर्गत निर्माण कार्यो को करें पूर्ण:सीडीओ

कानपुर देहात। मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन0 द्वारा विकास भवन सभागार में 50 लाख से अधिक लागत के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक ली गयी जिसमें सम्बंधित विभागाध्यक्ष एवं कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारी उपस्थित रहे बैठक में सीडीओ ने समीक्षा के दौरान सम्बंधित अधिकारीयों को निर्देश दिए कि 50 लाख से अधिक लागत की परियोजनाओं के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाए साथ ही जो निर्माण कार्य चल रहे हैं उसमें मैन पॉवर बढ़ाकर प्रगति कराई जाए। निर्माण कार्यों में लापरवाही बरत रही कार्यदायी संस्थाओं से जवाब भी मांगा जाएए जिससे निर्धारित समय में उनका कार्य पूरा हो। कार्यदाई संस्थाओं के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यो को शासन की मंशा के अनुरूप समयसीमा के अंदर गुणवत्तापूर्ण कराएं यदि निर्माण कार्य पूर्ण हो चुके हैं तो संबंधित विभागों को हैंडओवर किया जाए। जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी से कहा कि जो निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं उसमें जिन कार्यों में भूमि संबंधी मामले हैं उसकी तहसीलवार सूची बनाकर उप जिलाधिकारियों से निस्तारण कराया जाए। परियोजनाओं का निर्धारित समयावधि पर पूर्ण न करने तत्पश्चात पुन: कार्यदायी संस्थाओं द्वारा स्वयं बताये गये समय पर कार्य पूर्ण न करने पर भी कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। उन्होंने कहा कि जिस परियोजना में धनाभाव की कमी हो तो उसकी उपयोगिता प्रमाण पत्र भेजते हुये धनराशि हेतु मांग पत्र भेज दिया जाय। वर्तमान वित्तीय वर्ष में स्वीकृत परियोजनाओं में टेण्डर सहित अन्य प्रकिया, पूर्ण करते हुये अविलम्ब कार्य प्रारम्भ कराया जाए। सीडीओ ने सभी कार्यदायी संस्थाओं के अधीक्षण अभियन्ता व अधिशासी अभियन्ताओं को निर्देशित करते हुये कहा कि वे क्षेत्र में निकलकर अपनी परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण करें तथा पायी कमियों को अंकित करें ताकि समस्याओं का त्वरित निस्तारण कराया जाना सम्भव हो सके। परियोजना निदेशक वीरेन्द्र सिंह, सीएमओ डा. एके सिंह, उप निदेशक कृषि, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, एडीएसटीओ अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी, कार्यदायी संस्था के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सीडीओ द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर उपकेन्द्र शहजादपुर में फीता काटकर शुभारम्भ किया

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह के निर्देशन में सीएमओ ने बताया कि कानपुर देहात में 04.12.2024 से 03.01.2025 तक विटामिन.ए सम्पूरण कार्यक्रम मनाया जा रहा है। 04.12.2024 को लक्ष्मी एन.ए सीडीओ द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर उपकेन्द्र.शहजादपुर में फीता काटकर विटामिन ए कार्यकम का शुभारम्भ किया तथा उपकेन्द्र शहजादपुर में 134 बच्चों को विटामिन.ए की खुराक पिलायी गई। सीएमओ डा. ए.के. सिंह, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. आशीष बाजपेयी, सामु. स्वा. केन्द्र अकबरपुर के चिकित्सा अधीक्षक डा. आई.एच. खान, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी राजीव कुंभार, प्रतिरक्षण अधिकारी नरेन्द्र तिवारी, यूनीसेफ सना परवीन, वैक्सीन इंचार्ज अवधेश कुमार, नियमित टीकाकरण कार्यकम के सुशील कुशवाहा आदि कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

जानलेवा हमले मामले में न्यायालय ने अभियुक्त की जमानत की निरस्त

कानपुर देहात। अभियुक्त जमानत पर छूटने पर साक्ष्यों को प्रभावित कर सकता है। मामले में कट्टे से फायर करना भी कहा गया है।अपराध की गम्भीरता को देखते हुए जमानत का आधार पर्याप्त नहीं है।इस उल्लेख के साथ जिला जज जय प्रकाश तिवारी की न्यायालय ने शिवली थाने के ग्राम ज्योति निवासी वादी अमरजीत सिंह पर जानलेवा हमले के ज्योति गांव थाना शिवली निवासी जगवीर सिंह का जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त करने का आदेश पारित किया है।वादी पक्ष से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि वादी मुकदमा अमरजीत सिंह ने थाना शिवली में मुकदमा पंजीकृत कराते हुए प्रथम सूचना रिपोर्ट में लिखा है कि वह अपने बटाईदार के साथ खेतों की पराली साफ कर रहे थे तभी ग्राम ज्योति थाना शिवली निवासी जगवीर सिंह, शिबू सिंह, बबलू सिंह उर्फ दिनेश सिंह व अरविन्द सिंह ने पराली न साफ करने को लेकर जानलेवा हमला कियाएशिबू ने कट्टे से जान से मारने की नियत से अमरजीत सिंह के ऊपर फायर किया जगवीर सिंह ने शर पर वार कर घायल किया अन्य ने लाठियों से मारा बटाईदार उसके लड़के व भतीजे के बचाने आने पर उन पर भी घातक हमला कियाए जान से मारने की धमकी दी व गाली गलौज की। अधिवक्ता जितेन्द्र चौहान ने बताया कि घायलों का प्राथमिक इलाज सीएचसी शिवली में हुआ जहां अमरजीत की हालत खराब होने के कारण उसे जिला अस्पताल रिफर किया गया जहां आज भी उसका इलाज चल रहा है।आरोपी का थाने से आपराधिक इतिहास न्यायालय में पेश किया गया जिसमें आरोपी जगवीर के खिलाफ 23 मामलों की हिस्ट्रीशीट होने की रिपोर्ट प्रेषित की गई है।वादी की तरफ से भी जनसूचना से प्राप्त आरोपी की 21 मुकदमों की हिस्ट्रीशीट पेश की गई।

सीएमओ ने विटामिन-ए संपूर्ण अभियान का किया शुभारंभ

● लगभग तीन लाख बच्चों को दी जाएगी विशेष खुराक

फतेहपुर। विटामिन-ए सम्पूर्ण अभियान का शुभारम्भ आज डा0 राजीव नयन गिरि, सीएमओ, फतेहपुर द्वारा फीता काट कर अरबन प्रा. स्वा. केन्द्र विनोवा नगर से किया गया। उद्घाटन में डा. सुरेश कुमार, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, आरसीएच, नोडल अधिकारी एनसीडी, प्रभारी चिकित्साधिकारी विनोवा नगर, अपर सहायक शोध अधिकारी, प्रतिरक्षण अनुभाग के समस्त अधिकारी/ कर्मचारी, प्रतिनिधि यूनीसेफ, डब्लूएचओ, यूएनडीपी एवं पत्रकारगण आदि उपस्थित रहे। उद्घाटन में सीएमओ, फतेहपुर द्वारा बताया गया कि 09 माह माह से 05 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन-ए की खुरॉक दिये जाने से उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोत्तरी होती है और वे स्वस्थ्य व पोषित रहते हैं। प्रदेश में निम्नवत् विटामिन ए की 09 खुरॉके दिये जाने का प्रावधान है।

लक्षित समूह-09 से 12 माह,विटामिन-ए मात्रा-01 लाख (अर्न्तराष्ट्रीय) यूनिट,कब दें-नियमित टीकाकरण सत्र के दौरान एम0आर0 के प्रथम टीके के साथ,विटामिन-ए घोल (विटामिन ए की चम्मच)-आधा चम्मच (एक एम एल)। लक्षित समूह-16 से 24 माह, विटामिन-ए मात्रा-2 लाख (अर्न्तराष्ट्रीय) यूनिट, कब दें-नियमित टीकाकरण सत्र के दौरान एम0आर0 के दूसरे टीके के साथ, विटामिन-ए घोल (विटामिन ए की चम्मच)-आधा चम्मच (दो एम एल)। लक्षित समूह-2 से 5 माह, विटामिन-ए मात्रा-2 लाख (अर्न्तराष्ट्रीय) यूनिट,कब दें-छ:-छ: माह के अन्तराल पर विटामिन ए सम्पूरण कार्यक्रम के दौरान, विटामिन-ए घोल (विटामिन ए की चम्मच)-पूरा चम्मच (दो एम एल)।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा0 सुरेश कुमार द्वारा अवगत कराया गया कि प्रत्येक सत्र पर कम से कम 3 विटामिन-ए की बोतलों की उपलब्धता होनी चाहिए। प्रत्येक बोतल को खोलने के समय उस पर खोलने की तिथि अवश्य अंकित की जाय। एक बोतल समाप्त होने के बाद ही दूसरी बोतल खोली जायेगी। बोतल खोलने के पूर्व बोतल पर अंकित एक्सपायरी तिथि का संज्ञान अवश्य लिया जाय। विटामिन-ए की बोतल के साथ उपलब्ध चम्मच से ही एएनएम द्वारा निर्धारित मात्रा का माप करते हुये डिस्पोजबल चम्मच द्वारा खुरॉक पिलाई जायेगी। बच्चे को विटामिन-ए की खुरॉक पिलाने के पश्चात एएनएम द्वारा एमसीपी कार्ड में एवं ई-कवच पोर्टल पर प्रविष्टि सुनिश्चित की जायेगी। आशा एवं ऑगनबाड़ी कार्यकत्री द्वारा ड्यू लिस्ट के अनुसार अपेक्षित आयु वर्ग के बच्चों को बुलाया जाय साथ ही प्रयास किया जाये कि किसी भी एक समय में भीड़ इकट्ठा न हो। लाभार्थियों को मोबिलाइज करने में आशा एवं आँगनबाड़ी कार्यकत्रियों इस बात पर अवश्य जोर दें कि प्रत्येक लाभार्थी के साथ एक से अधिक देखभालकर्ता न हों। डा0 सुरेश द्वारा बताया गया कि अभियान के दौरान 09 माह से 12 माह तक के बच्चों का लक्ष्य 34802, 01 वर्ष से 02 वर्ष तक के बच्चों का लक्ष्य 65909 एवं 2 वर्ष से 05 वर्ष तक के बच्चों का लक्ष्य 204889 प्राप्त हुआ है।

एएनएम व उसके पति ने आशा कार्यकत्री को जमीन पर पटक कर मारा, पुलिस जांच में जुटी, वीडियो वायरल

राठ। पथनौड़ी गांव में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य उप केंद्र में एएनएम और उसके पति ने आशा कार्यकत्री को जमीन में पटककर जमकर पिटाई कर दी। एएनएम और उसके पति के द्वारा आशा कार्यकत्री के साथ की जा रही मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। पीड़ित आशा कार्यकत्री ने पुलिस से लिखित शिकायत की है। कोतवाली के पथनौड़ी गांव निवासी रामदेवी पत्नी वृंदावन ने बताया कि गांव में स्थित प्राथमिक उपकेंद्र में आशा कार्यकत्रियों के पद पर तैनात है। बताया कि उसके काम करने से संबंधित जरूरी कागजात भेजने और वेतन संबंधित भुगतान के लिए पथनौड़ी प्राथमिक उपकेंद्र में तैनात एएनएम मालती देवी ऑफिस से एक हजार रुपये का कमीशन मांगती है। कमीशन न देने पर उसे आशा कार्यकत्री के पद से हटवाकर किसी अन्य महिला को आशा कार्यकत्रियों के रूप में रखने की धमकियां देती है।

क्विक न्यूज

तेजाब पिलाने से युवक की उपचार के दौरान मृत्यु, परिवारीजनों ने काटा हंगामा, विधायक की रोकी गाडी

राठ। एक मजदूर युवक की झांसी मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों के चलते मौत हो गई। मृतक की पत्नी ने गांव के ही एक व्यक्ति पर तीन माह पहले उसके पति को तेजाब पिलाने का आरोप लगाया है। मृतक के स्वजनों ने कोतवाली गेट पर शव रखकर क्षेत्रीय विधायक मनीषा अनुरागी की गाड़ी को रोककर जमकर हंगामा काटा। जिसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्वजनों को समझा बुझाकर शांत कराया। कोतवाली के टोला गांव निवासी महेश पुत्र देशराज पाल ने बताया कि तीन माह पहले गांव के सीताराम उसके छोटे भाई 32 वर्षीय भीम को शराब की जगह तेजाब पिला दिया था। तेजाब पीने के बाद उसके भाई की हालत बिगड़ गई थी। जिसे सीएचसी ले गए थे। हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया था। उरई से झांसी और ग्वालियर सहित अन्य तमाम जगहों पर इलाज चलता रहा। बताया कि बुधवार सुबह उसके भाई की झांसी में मौत हो गई। पुलिस में शिकायत करने पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। बुधवार की शाम मृतक के स्वजन शव लेकर कोतवाली पहुंच गए। जहां स्वजनों ने कोतवाली के गेट पर शव रखकर हंगामा काटना शुरु कर दिया। वहीं उसी दौरान डिप्टी सीएम केशव मौर्य के जाने के बाद कार्यक्रम से वापस लौट रही विधायक मनीषा अनुरागी की कार को भी आक्रोशित स्वजनों ने रोकते हुए सड़क पर जाम लगा दिया। इसके बाद सूचना पर पहुंचे क्राइम इंस्पेक्टर दिनेश कुमार पांडेय ने किसी तरीके से मृतक के स्वजनों को समझा बूझाकर जाम को खुलवाया। मृतक के स्वजन कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। कोतवाल राम आसरे सरोज ने बताया कि तीन पहले आरोपित के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया था। जिसमें आरोपित को जेल भेज दिया गया था। बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

युवक की संदिग्ध परिस्थतियों में मौत

मौदहा, हमीरपुर। कस्बे के एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई,पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है।कस्बे के वार्ड नंबर पांच निवासी बुद्धिराज (32) शादी समारोह हमीरपुर शामिल होने गया था लेकिन जैसे ही वापस घर लौटा अचानक तेज बुखार आ जाने पर पड़ोसी राम जी ने कस्बे के सरकारी अस्पताल इलाज हेतु लेकर गए जहां चिकित्सकों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया मौत की खबर सुनते ही परिजन रोने लगे। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया। कोतवाली प्रभारी उमेश कुमार सिंह ने बताया परिजनों की मांग के आधार पर शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है रिपोर्ट आने पर आवश्यक कारवाही की जाएगी।

संदिग्ध हालत में गर्भवती महिला की मौत

फतेहपुर। खागा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम नरोत्तमपुर में संदिग्ध परिस्थितियों में तीन माह की गर्भवती महिला की मौत हो गई। वहीं मृतका के भाई ने पति व सास पर मारने-पीटने का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार नरोत्तमपुर गांव निवासी पद्युम्न नारायण की 23 वर्षीय पत्नी शीलू की मंगलवार की देर शाम संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया। मृतक के भाई विजय पाल सिंह निवासी बरैचा थाना खखरेरू ने बताया कि उसने अपनी बहन की शादी 03 वर्ष पूर्व की थी। शादी के बाद से ही सास व पति आए दिन उसे दहेज के लिए मारते-पीटते थे। उसने बताया कि कुछ दिन पूर्व जीजा ने 50 हजार रूपए मांगे थे। कुछ दिन बाद देने के लिए कहा था लेकिन जीजा को सबर न हुआ और मंगलवार की शाम उसकी गर्भवती बहन को मारापीटा, जिससे उसकी मौत हो गई।

छप्पर में आग लगने से वृद्ध की जलकर मौत

फतेहपुर। गाजीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम करसवां में मंगलवार की देर रात घर के बाहर छप्पर के नीचे सो रहे 70 वर्षीय वृद्ध की अचानक आग लग जाने से मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार करसवां गांव निवासी स्व0 फगुना का पुत्र जगतपाल अपने घर के बाहर छप्पर के नीचे सो रहा था। तभी अचानक छप्पर में आग लग जाने से चपेट में आ गया जब तक गांव वाले कुछ समझ पाते तब तक उसकी जलकर मौत हो गई। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया।

बाइक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

राठ। कोतवाली के कुर्रा गांव निवासी भूपेंद्र पुत्र गंगाराम कुशवाहा ने बताया कि मंगलवार की तड़के चार बजे उसका 16 वर्षीय पुत्र दीपक उर्फदीपू रोज की तरह गांव के लड़को के साथ सड़क पर दौड़ने गया था। तभी सुबह पांच बजे टूंका की ओर से आ रही तेज रफ्तार बाइक सवार युवक ने उसके पुत्र को टक्कर मार दी थी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। बताया कि टक्कर मारने के बाद बाइक चालक फरार हो गया था। मृतक के पिता ने बाइक चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है।

ट्रैक्टर की टक्कर से मरी महिला के मामले में अज्ञात चालक खिलाफ मुकदमा दर्ज

फर्रुखाबाद। थाना मोहम्मदाबाद में बाइक में पीछे से ट्रैक्टर द्वारा टक्कर मार दिए जाने से महिला की इलाज के दौरान हुई मौत के मामले में पुलिस ने ट्रैक्टर के अज्ञात चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। 27 नवंबर को रजनी देवी पत्नी पवन कुमार निवासी सिकंदरपुर गांव के ही सत्यम चंदेल के साथ मोटरसाइकिल पर बैठकर आ रही थी तभी सिकंदरपुर और हरकम पुर के बीच में पीछे से जॉन डियर ट्रैक्टर संख्या अप 76 आप 80 16 ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे बाइक दूर जा गिरी रजनी देवी गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। भाई पवन चंदेल के कच्चे में गिरने से हल्की फुल्की चोटें आई। रजनी देवी को गंभीर घायल अवस्था में एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान हालत गंभीर होने पर बाहर ले जाया गया, बाहर ले जाते समय रास्ते में ही रजनी देवी की मौत हो गई। ए रजनी देवी के पति पवन ने पुलिस को तहरीर दी।

चेयरमैन ने पीडब्ल्यूडी आफिस-परशुराम चौराहा मार्ग का किया शिलान्यास

फतेहपुर। नगर पालिका परिषद ने शहर को गड्ढा मुक्त किए जाने का अभियान युद्ध स्तर पर छेड़ रखा है। जहां गलियों का काम कराया जा रहा है वहीं मुख्य मार्गों को भी दुरूस्त कराने का काम चल रहा है। बुधवार को नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष ने पीडब्ल्यूडी आफिस से परशुराम चौराहा तक रोड का शिलान्यास किया। नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष राजकुमार मौर्य एडवोकेट अपने साथी सभासदों के साथ मौके पर पहुंचे और नारियल फोड़कर मार्ग निर्माण का शिलान्यास किया। नगर पालिका परिषद के जेई अमर सिंह ने बताया कि इस रोड की लंबाई 405 मी लगभग है। जिसकी लागत 8 लाख 71 हजार रुपए बताई गई है। नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि शहर की सभी रोडो को बनाया जा रहा है। कोई भी रोड छूटने नहीं पाएगी। जिस भी रोड में गड्ढे हैं उन सभी रोडो को शीघ्र ही बनाया जाएगा। शहर के विकास में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी। सभी रोड बनाई जा रही है और बनाई जाएगी। इस अवसर पर सभासद विनय तिवारी, अरुण यादव, ऋतिक पाल, आतिश पासवान, संजय लाल, धीरेंद्र मौर्य आदि मौजूद रहे।

बिजली निजीकरण व अडानी के खिलाफकार्यवाही के लिये संयुक्त किसान मोर्चा ने थाने पर दिया धरना

रूरा, कानपुर देहात। संयुक्त किसान मोर्चा ने अडानी समूह द्वारा भारत में सौर ऊर्जा निगम और विभिन्न राज्य बिजली वितरण निगमों से आकर्षक बजली आपूर्ति अनुबन्ध हासिल करने के लिये रिश्वतखोरी के मामले में भारत सरकार द्वारा कार्यवाही न किये व स्मार्ट मीटर के नाम पर निजीकरण किये जाने का विरोध करते हुये थाना परिसर में धरना दिया। संयुक्त किसान मोर्चा के पदाधिकारियों ने बताया कि अडानी समूह के खिलाफ अमेरिकी अदालत में कार्यवाही दो वर्ष पहले ही शुरू हो गयी थी, परन्तु भारत सरकार संस्थाओं ने सहयोग नहीं दिया। उन्होंने आगे बताया कि अगर भविष्य में भी एनडीए सरकार अडाणी समूह की सौर परियोजनाओं को बचाने के लिये अडियल रूख अपनाती है तो संयुक्त संसदीय समिति, जेपीसी जॉच की मॉग के सर्मथन में बडे पैमाने पर विरोध प्रर्दशन किया जायेगा।

कंप्यूटर हब व लाइब्रेरी सेंटर का मौलाना ने किया उद्घाटन

फीता काटकर उदघाटन करते बिलग्रामी साहिब किबला।

गुरसहायगंज, कन्नौज। नगर में आधुनिक शिक्षा और तकनीकी विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कंप्यूटर हब एवं लाइब्रेरी सेंटर का मौलाना सैयद अनस हुसैन वास्ती कादरी जैदी नें फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होनें कहा कि यह केंद्र युवाओं के ज्ञानवर्धन और डिजिटल कौशल को निखारने में अहम भूमिका निभाएगा। बुधवार को नगर के जीटीरोड स्थित अकमल मार्केट में एमआईएस कंप्यूटर हब एवं लाइब्रेरी सेंटर का उदघाटन करनें के उपरान्त बिलग्रामी साहिब किबला मौलाना सैयद अनस हुसैन वास्ती कादरी जैदी ने कहा कि तकनीकी शिक्षा और लाइब्रेरी की सुविधाएं समाज को सशक्त बनाने का जरिया बनेंगी। संस्था के डायरेक्टर इकबाल हुसैन मास्टर व चेयरमैन गुफरान इकबाल शेख ने बताया कि इस सेंटर में आधुनिक कंप्यूटर सिस्टम, उच्च गति इंटरनेट, डिजिटल लाइब्रेरी और पढ़ाई के लिए शांत वातावरण प्रदान किया गया है। पूर्व विद्यायक जमालुददीन सिददीकी व ताहिर हुसैन सिददीकी सहित मो. नफीस, आमिर, कामरान, सलीम आबदीन आदि मौजूद रहे।

डीएम ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास की बैठक की

● युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए सरकार की महत्वपूर्ण पहल: डीएम

संवाददाता। कानपुर देहात

जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के संबंध में बैठक मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में की गई। बैठक में उपायुक्त उद्योग द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि शिक्षित और प्रशिक्षित बेरोजगारों को स्वरोजगार से जोड़ने व उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के संबंध में यह योजना उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लाई गई है, इसके द्वारा नए उद्योगों, परियोजनाओं और सूक्ष्म उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे न केवल बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे बल्कि प्रदेश की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्वरोजगार हेतु इस योजना के माध्यम से वित्तीय सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनान्तर्गत इच्छुक युवकध्युवतियों को उद्योग एवं सेवा क्षेत्र में उद्योग स्थापित करने हेतु रू0 05.00 लाख का चार वर्ष हेतु ब्याज मुक्त ऋण प्रदान किया जाएगा, जनपद को 1000 का लक्ष्य प्राप्त है।

योजना अंतर्गत आवेदन ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त किए जाएंगे। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को आपस में समन्वय कर सामूहिक प्रयास कर योजना के सफल क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए।उन्होंने कहा विशेषकर प्रशिक्षण से संबंधित विभाग इसमें विशेष रुचि ले तथा योजना का क्रियान्वयन करवाए। जिलाधिकारी ने कहा कि यह युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। योजना के माध्यम से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षित प्रशिक्षित बेरोजगारों को स्वरोजगार के अवसर प्राप्त होंगे, स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार की सुविधा उपलब्ध होगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एनए उपायुक्त उद्योग मोहम्मद सऊद, खादी ग्रामोद्योग अधिकारी अखिलेश अग्निहोत्री, डीसी एनआरएलएम गंगाराम, जिला सेवायोजन अधिकारी शशि तिवारी व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आपदा से फसलों को होने वाले नुकसान से बचाव के लिए फसल जरूरी: डीएम

● फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर उठाएं लाभ ●पीएम फसल बीमा योजना: छोटा प्रीमियम देकर बड़ी सुरक्षा पाए किसान

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

रबी 2024-25 के लिए जिले के कृषकों का पीएम फसल बीमा योजना से आच्छादन कराने के उद्देश्य से बुधवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कलेक्ट्रेट में पीएम फसल बीमा योजना की समीक्षा बैठक ली। बैठक का संचालन डीडी कृषि अरविंद मोहन मिश्र, जिला कृषि अधिकारी अरविंद कुमार चौधरी ने संयुक्त रूप से किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि फसल की सुरक्षा और आपदा में नुकसान की क्षतिपूर्ति के लिए जनपद खीरी के लिए फसली वर्ष. रबी 2024.25 के लिए अधिसूचित फसल ;मसूरए रेपसीड सरसोंए गेहूं द्ध का पीएम फसल बीमा योजना के तहत किसान भाई अपनी फसल का बीमा कराएं। बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर है। कहा कि किसानों को क्षति से बचाने के लिए पीएम फसल बीमा का सुरक्षा कवच किसानों को प्रदान किया है। किसान रबी फसलों का बीमा 31 दिसंबर से पहले करा लेंए ताकि किसी भी दशा में फसल क्षति होने पर उन्हें मायूस न होना पड़े।

सीडीओ अभिषेक कुमार योजना का उद्देश्य बताते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से अनुसूचित क्षेत्र में कोई बोई गई अधिसूचित फसल को बीमा कवर प्रदान करनाए कृषि में उन्नति तकनीक के प्रयोग को बढ़ावा देना और आपदा वर्षों में कृषि आय को स्थिर रखता है।प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना फसल की बुवाई से लेकर कटाई के बाद तक की पूरे फसल चक्र से जुड़ी गतिविधियों के दौरान फसल के नुकसान के खिलाफ किसानों को सुरक्षा चक्र प्रदान करती है।

समीक्षा के दौरान डीएम ने पाया कि योजना के तहत रबी.2024.25 में 468 हेक्टेयर क्षेत्रफल के लिए 2077 किसानों ने बीमित है। डीएम ने डीडी कृषिए जिला कृषि अधिकारी को निर्देश दिए कि माइक्रो प्लानिंग बनाकर गांव.गांव जागरूकता अभियान चलाए और सीएससी के जरिए किसानों का योजना में पंजीयन करवाए। एआर कॉपरेटिव को पैक्स सोसाइटी के जुड़े किसानों को जोड़ने के लिए निर्देशित किया। मॉनिटरिंग करे कि गठित टीमों द्वारा कितने आवेदन कराए जा रहे। साप्ताहिक प्रगति से उन्हें भी अवगत कराए।

इन अधिसूचित फसल में मिलेगा योजना का लाभ

जिला कृषि अधिकारी अरविंद कुमार चौधरी ने बताया कि फसल की सुरक्षा और आपदा में नुकसान की क्षतिपूर्ति के लिए जनपद खीरी के लिए फसली वर्ष. रबी 2024.25 में जिले के लिए अधिसूचित फसल अधिसूचित फसल (मसूर, रेपसीड सरसों, गेहूं) का पीएम फसल बीमा योजना के तहत किसान भाई अपनी फसल का बीमा कराएं। बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर है।

आवेदन में इन दस्तावेज की होगी जरूरत

बीमा कराने के लिए किसान भाइयों के लिए आधार कार्ड, बैंक खाता सम्बन्धी प्रपत्र, भूमि स्वामित्व संबंधी प्रपत्र, बटाई प्रमाण.पत्र, फसल बुआई का प्रमाणपत्र (स्व.सत्यापित) एवं मोबाइल नम्बर जरूरी दस्तावेज है। कृषक द्वारा देय प्रीमियम बीमित राशि का 1०5 प्रतिशत जमा करना होगा। कृषकों द्वारा देय प्रीमियम राशि के अलावा अन्य कोई शुल्क बीमा के लिए देय नहीं है। किसान भाई बीमा करवाने के लिए अपनी नजदीकी बैंक शाखा, जनसेवा केन्द्र (सीएससी), भारत सरकार क्रियान्वयन अभिकरण के अधिकृत बीमा मध्यस्थ/कार्यालय, अधिकृत डाकखाना में संपर्क स्थापित कर सकता है।

डीएम द्वारा इंग्लिश मीडियम प्राइमरी स्कूल सकवाई के औचक निरीक्षण

संवाददाता। फर्रुखाबाद

जिलाधिकारी डॉ. वी0के0 सिंह द्वारा इंग्लिश मीडियम प्राइमरी स्कूल सकवाई वि0 खंड0 मोहम्दाबाद का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में विद्यालय में पंजीकृत 74 बच्चो में से 46 बच्चें उपस्थिति पाये गये। विद्यालय में साफ सफाई का अभाव पाया गया। इस पर जिलाधिकारी द्वारा नाराजगी जताई गई ।

सफाई कराने के लिये निर्देशित किया, शिक्षा का स्तर खराब पाया गया। बच्चों में सामान्य जानकारी का अभाव पाया गया। विद्यालय में 04 अध्यापक व 02 शिक्षा मित्र तैनात है, एक अध्यापक मेडिकल लीव पर व एक वी0आर0सी0पर ट्रेनिग में गया था। जिलाधिकारी द्वारा उपस्थिति रजिस्टर व मिड डे मील रजिस्टर चेक किये गये

असम में होटल, रेस्तरा, सार्वजनिक स्थलों पर गोमांस परोसे जाने एवं खाने पर रोक लगेगी : हिमंत

नई दिल्ली(भाषा)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को घोषणा की है कि राज्य सरकार ने रेस्तरा, होटल एवं सार्वजनिक स्थलों पर गोमांस परोसे जाने और खाने पर रोक लगाने का फैसला किया है। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इस संबंध में मौजूदा कानून में संशोधन कर नए प्रावधानों को शामिल करने का निर्णय लिया गया। शर्मा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमने रेस्तरा, होटल एवं सार्वजनिक स्थलों पर गोमांस परोसे जाने तथा खाने पर रोक लगाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि गोमांस सेवन पर मौजूदा कानून सख्त है, लेकिन रेस्तरां, होटल और धार्मिक या सामाजिक समारोहों में गोमांस खाने पर अभी तक कोई प्रतिबंध नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा, अब हमने असम में सार्वजनिक स्थानों पर भी गोमांस सेवन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए कानून को और सख्त बनाने का फैसला किया है। शर्मा ने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई हवाई अड्डे को शहर से जोड़ने वाली सड़क को चार लेन से छह लेन तक चौड़ा करने का भी निर्णय लिया गया। मंत्रिमंडल की बैठक में शर्मा ने दिल्ली से डिजिटल तौर पर भाग लिया। उन्होंने बताया कि सात दिसंबर को मंत्रिमंडल का विस्तार होगा और कुछ नए मंत्री शपथ लेंगे। राष्ट्रीय राजधानी में हुई बैठकों की श्रृंखला के बारे में जानकारी देते हुए शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बैठक के दौरान उन्होंने एक लाख करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं की मंजूरी के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार 25,000 करोड़ रुपए की लागत से गुवाहाटी से सिलचर तक एक एक्सप्रेसवे बनाने की भी योजना बना रही है, जिससे दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय मौजूदा 12 घंटे से घटकर सिर्फ पांच घंटे रह जाएगा।

तनाव घटाने पर चीन के साथ चर्चा की जाएगी : विदेश मंत्री एस जयशंकर

नई दिल्ली (भाषा)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को भारत-चीन संबंधों पर कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता चीन के साथ द्विपक्षीय संबंधों के विकास के लिए अपेक्षित और महत्वपूर्ण है तथा दोनों पक्ष आने वाले दिनों में इन क्षेत्रों में गतिविधियों के प्रभावी प्रबंधन और तनाव कम करने पर चर्चा करेंगे। राज्यसभा में जयशंकर ने चीन के साथ भारत के संबंधों में हाल के घटनाक्रमै पर एक बयान देते हुए यह भी कहा कि पूर्वी लद्दाख में चरणबद्ध प्रक्रिया के तहत सैनिकों की वापसी का काम संपन्न हो गया है, जो अभी देपसांग और डेमचोक में पूरी तरह संपन्न होना है। इससे पहले मंगलवार को उन्होंने लोकसभा में भी ऐसा ही बयान दिया था। भारत-चीन संबंधों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और गलवान घाटी की झड़प के बारे में विदेश मंत्री ने बयान में कहा कि 2020 के घटनाक्रम का भारत और चीन के संबंधों पर असर पड़ा जो असामान्य रहे, जब चीन की कार्वाइयों की वजह से सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बाधित हुई।

जयशंकर का बयान पूरा होने के बाद, कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी सदस्यों ने स्पष्टीकरण पूछने की अनुमति मांगी जिसे सभापति जगदीप धनखड़ ने अस्वीकार कर दिया। इस पर आपत्ति जताते हुए विपक्षी सदस्यों ने राज्यसभा से बहिर्गमन किया।उन्होंने कहा कि भारत इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट था कि सभी परिस्थितियों में तीन प्रमुख सिद्धांतों का पालन किया जाना चाहिए।

विदेश मंत्री ने तीनों सिद्धांतों के बारे में कहा, दोनों पक्षों को वास्तविक नियंत्रण रेखा का सख्ती से सम्मान और पालन करना चाहिए, किसी भी पक्ष को यथास्थिति बदलने का एकतरफा प्रयास नहीं करना चाहिए और अतीत में हुए समझौतों का और समझ का पूरी तरह से पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा हमारे संबंध कई क्षेत्रों में आगे बढ़े हैं, लेकिन हाल की घटनाओं से स्पष्ट रूप से रिश्ते नकारात्मक रूप से प्रभावित भी हुए हैं। हम स्पष्ट हैं कि सीमा क्षेत्रों में शांति और सौहार्द बनाए रखना हमारे संबंधों के विकास के लिए एक शर्त है। आने वाले दिनों में, हम सीमा क्षेत्रों में अपनी गतिविधियों के प्रभावी प्रबंधन के साथ-साथ तनाव कम करने पर भी चर्चा करेंगे। जयशंकर ने कहा कि चरणबद्ध तरीके से सैनिकों की वापसी का कार्य पूरा होने के साथ, अब हमें उम्मीद है कि शेष मुद्दों के संबंध में चर्चा शुरू होगी जिन्हें हमने एजेंडे में रखा था। उन्होंने कहा, सैन्य वापसी के बाद अब हमें अपने राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को सर्वोपरि रखते हुए, अपने द्विपक्षीय संबंधों के अन्य पहलुओं पर विचार करने का अवसर मिला है। जयशंकर का विस्तृत बयान ऐसे समय में आया है जब भारतीय और चीनी सेनाओं ने पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले दो अंतिम स्थानों से सैनिकों की वापसी पूरी कर ली है, जिससे पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चार साल से अधिक समय से चल रहा सैन्य टकराव प्रभावी रूप से समाप्त हो गया है।

विदेश मंत्री ने कहा, अगली प्राथमिकता तनाव कम करने पर विचार करने की होगी, जिसमें वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैनिकों की तैनाती और उनके साथ अन्य लोगों की तैनाती का मुद्दा भी होगा। चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर कुछ हिस्से को लेकर असहमति है जिसे दूर करने के लिए भारत और चीन समय-समय पर बातचीत करते हैं। रूस के कजान में संपन्न ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी की मुलाकात के दौरान दोनों देशों के संबंध सामान्य करने पर बातचीत हुई थी। सीमा मुद्दे के समाधान के लिए समय समय पर दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों से लेकर मंत्री स्तर तक बातचीत का सिलसिला आगे बढ़ा है।

महाराष्ट्र में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने आखिरी घंटे में मतदान पर विपक्ष के दावे को खारिज किया

मुंबई (भाषा)। महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) एस. चोकलिंगम ने कहा है कि राज्य विधानसभा चुनाव के दौरान अंतिम घंटे में मतदान में सात प्रतिशत की वृद्धि को मत प्रतिशत में उछाल नहीं कहा जा सकता है जैसा कि विपक्ष दावा कर रहा है, बल्कि यह एक औसत प्रक्रिया है। चोकलिंगम ने सोमवार को एक वीडियो बयान में कहा कि महाराष्ट्र एक बड़ा राज्य है, जिसमें एक लाख से अधिक मतदान केंद्र हैं। उन्होंने कहा, अगर मतदान के अंतिम घंटे में 76 लाख मतदाता मतदान के लिए आते हैं, तो प्रत्एक मतदान केन्द्र पर औसतन केवल 76 मतदाता होंगे। महाराष्ट्र और झारखंड में पिछले महीने विधानसभा चुनाव हुए थे। महाराष्ट्र में भाजपा नीत महायुति ने 288 सीट में से 230 सीट जीती, जबकि झामुमो नीत गठबंधन ने 81 सदस्ईय झारखंड विधानसभा में 56 सीट हासिल की। चोकलिंगम ने कहा, झारखंड के विपरीत महाराष्ट्र में मतदान मध्याह्न बाद अधिक होता है, जबकि झारखंड में अधिकांश मतदान दिन की शुरुआत में होता है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की तुलना में झारखंड छोटा राज्य है।

धैर्य, पार्टी नेतृत्व के प्रति निष्ठा और रणनीतिक कौशल से हुई फडणवीस की ताजपोशी

मुंबई (भाषा)। साधारण पृष्ठभूमि से उठकर महाराष्ट्र की राजनीति में अपना लोहा मनवाने वाले दिग्गज भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस एक बार फिर मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। वह इससे पहले भी दो बार इस पद पर रह चुके हैं। बीस नवंबर के विधानसभा चुनाव में भाजपा के निर्णायक प्रदर्शन के बाद 54 वर्षीय फडणवीस को बुधवार को राज्य भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। इसी के साथ उनके तीसरी बार राज्य की बागड़ोर संभालने की राह तैयार हो गई। फडणवीस की राजनीतिक यात्रा उल्लेखनीय रही है। इस दौरान एक गुमनाम पार्षद से लेकर नागपुर के सबसे युवा महापौर बनने का गौरव हासिल किया। इसके बाद उन्होंने भाजपा के भीतर एक प्रमुख नेता के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है। उल्लेखनीय बात यह है कि वह शिवसेना के मनोहर जोशी के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनने वाले दूसरे ब्राह्मण हैं। फडणवीस का राजनीतिक उत्थान 2014 के विधानसभा चुनावों से पहले शुरू हुआ, जब उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह का समर्थन हासिल किया। मोदी ने एक चुनावी रैली में फडणवीस को नागपुर का देश को उपहार बताया था, जो उनके फडणवीस में विश्वास को दर्शाता था। हालांकि मोदी ने 2014 के लोकसभा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में धुआंधार प्रचार अभियान चलाया था, लेकिन चुनावों में पार्टी की अभूतपूर्व जीत का कुछ श्रेय तत्कालीन प्रदेश भाजपा अध्यक्ष फडणवीस को भी गया था। जनसंघ और बाद में भाजपा के नेता रहे गंगाधर फडणवीस के पुत्र देवेंद्र ने युवावस्था में राजनीति में कदम रखा और 1989 में आरएसएस की छात्र शाखा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में शामिल हुए। पूर्व भाजपा अध्यक्ष नितिन गडकरी दिवंगत गंगाधर को अपना राजनीतिक गुरु कहते हैं। देवेंद्र फडणवीस 22 वर्ष की आयु में नागपुर नगर निगम के पार्षद बने तथा 1997 में 27 वर्ष की आयु में इसके सबसे युवा महापौर बने। फडणवीस ने अपना पहला विधानसभा चुनाव 1999 में लड़ा और जीत हासिल की। इसके बाद उन्होंने

पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार तीन विधानसभा चुनाव जीते। पिछले महीने हुए चुनाव में उन्होंने अपनी नागपुर दक्षिण पश्चिम सीट बरकरार रखी। महाराष्ट्र के राजनीतिक परिदृश्य में कई नेताओं के विपरीत, फडणवीस पर कभी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा है। महाराष्ट्र के सबसे मुखर राजनेताओं में से एक फडणवीस को कथित सिंचाई घोटाले को लेकर तत्कालीन कांग्रेस-राकांपा सरकार को मुश्किल में डालने का श्रेय भी दिया जाता है। फडणवीस को 2019 के विधानसभा चुनाव में तब झटका लगा जब अविभाज्य शिवसेना के नेता उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री पद को लेकर चुनाव पूर्व गठबंधन से हाथ खींच लिया और भाजपा नेता का मैं वापस आऊंगा उद्घोष अधूरा रह गया। फडणवीस ने 23 नवंबर, 2019 को दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और उनके साथ अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री पद संभाला। हालांकि उच्चतम न्यायालय के आदेश पर अविश्वास प्रस्ताव लाए जाने से पहले ही फडणवीस ने 26 नवंबर को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। वह महज तीन दिन मुख्यमंत्री रहे। शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेतृत्व में उद्धव ठाकरे बाद में मुख्यमंत्री बने, लेकिन जून 2022 में वरिष्ठ शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे द्वारा पार्टी विभाजित करने के बाद उन्होंने (ठाकरे ने) इस्तीफा दे दिया और बाद में शिंदे मुख्यमंत्री बन गए। शिवसेना में बड़े पैमाने पर उठापटक और ठाकरे के पद छोड़ने के बाद कई राजनीतिक पर्यवेक्षकों का दावा था कि इस घटनाक्रम में फडणवीस का हाथ है और वह मुख्यमंत्री बनेंगे। हालांकि भाजपा की दूसरी योजनाएं थी और अनिच्छुक फडणवीस को उपमुख्यमंत्री का पद संभालने के लिए कहा गया। उपमुख्यमंत्री के रूप में पिछले ढाई वर्षों का उनका कार्यकाल खास रहा और 23 नवंबर के विधानसभा चुनाव परिणाम उनके लिए बहुप्रतीक्षित उपलब्धि की तरह आए।

पहली नजर में आप भ्रष्ट व्यक्ति हैं : न्यायालय ने बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी से कहा

नई दिल्ली (भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने कथित तौर पर नौकरी देने के बदले नकदी लेने के मामले में गिरफ्तार पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी से बुधवार को कहा, पहली नजर में आप भ्रष्ट व्यक्ति हैं। आपके परिसरों से करोड़ों रुपए बरामद हुए हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्ल भुइयां की पीठ ने चटर्जी की जमानत याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से उनके लगातार जेल में रहने पर सवाल उठाया और कहा कि उन्हें अनिश्चित काल तक कारागार में नहीं रखा जा सकता। पीठ ने चटर्जी का पक्ष रखने के लिए पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी से कहा, पहली नजर में आप (चटर्जी) भ्रष्ट व्यक्ति हैं। आपके परिसर से करोड़ों रुपए बरामद हुए। आप समाज को क्या संदेश देना चाहते हैं? भ्रष्ट व्यक्ति को इस तरह जमानत मिल सकती है? रोहतगी ने दलील दी कि उनके मुवक्किल को छोड़कर अन्य सभी सह-आरोपियों को मामले में जमानत दे दी गई है, जिनमें सबसे ताजा जमानत एक सप्ताह पहले दी गई है। इस पर पीठ ने कहा, हर कोई मंत्री नहीं था, श्रीमान रोहतगी। आप शीर्ष पर थे। आप दूसरों के साथ समानता की मांग नहीं कर सकते। हां, आप जांच में देरी और अभियोजन पक्ष की भूमिका पर सवाल उठा सकते हैं, लेकिन मामले की गुण-दोष पर नहीं। ईडी का पक्ष रखने के लिए पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने दलील दी कि अगर चटर्जी को इस मामले में जमानत मिल जाती है तो भी वह जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे, क्योंकि उनके खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के भी मामले चल रहे हैं। रोहतगी ने राजू के बयान पर आपत्ति जताते हुए कहा, ऐसा लग रहा है कि उन्हें परपीड़ा से बहुत आनंद मिल रहा है। अन्य मामलों में जो कुछ भी होता है, मैं उस पर नजर रखूंगा। मुझे कहीं से तो शुरुआत करनी होगी। वह किस तरह की दलील दे रहे हैं? मैं 2.5 साल से जेल में हूं। न्यायमूर्ति कांत ने राजू से जांच एजेंसी द्वारा जांच पूरी करने के लिए आवश्यक समय के बारे में पूछा। अदालत ने कहा कि उसे अधिकारों में संतुलन बनाना है। रोहतगी ने दलील दी कि नकदी उनके मुवक्किल से नहीं बल्कि एक कंपनी के परिसर से बरामद की गई।

इसपर पीठ ने कहा कि चटर्जी का कंपनी पर वास्तविक नियंत्रण था और संपत्तियां उनके और अर्पिता मुखर्जी के संयुक्त नाम से खरीदी गई थीं। पीठ ने रोहतगी से कहा, मंत्री बनने के बाद आपने डमी लोगों को रखा। इससे पहले आपने खुद नियंत्रित किया। मामले 2022 के हैं। आप मंत्री थे, जाहिर है कि आप अपने खिलाफ जांच का आदेश नहीं देने जा रहे। न्यायिक हस्तक्षेप के कारण ही जांच शुरू हुई। आरोप है कि 28 करोड़ रुपए बरामद किए गए। निश्चित रूप से इतनी बड़ी राशि आवास में नहीं रखी गई होगी। शीर्ष अदालत ने कहा कि उसे यह जांच करने की जरूरत है कि क्या उन्हें रिहा करने से जांच और लगाई जाने वाली शर्तों पर कोई प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि उन्हें अनिश्चित काल तक जेल में नहीं रखा जा सकता। पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद पार्थ चटर्जी की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया। शीर्ष अदालत ने 27 नवंबर की सुनवाई के दौरान धन शोधन के मामलों में दोषसिद्धि की कम दर पर ईडी से सवाल किया था और आश्चर्य जताया था कि पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री को कितने समय तक जेल में रखा जा सकता है। चटर्जी को पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा प्रायोजित और सहायता प्राप्त प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मियों की भर्ती में कथित अनियमितता के मामले में गिरफ्तार किया गया था। चटर्जी को गिरफ्तार किए जाने के बाद उन्हें ममता बनर्जी सरकार में मंत्री पद से हटा दिया गया जबकि पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने उन्हें महासचिव सहित सभी पार्टी पदों से भी हटा दिया।

शीर्ष अदालत ने भाजपा नेता के विरुद्ध दर्ज मामला सीबीआई को सौंपा

नई दिल्ली (भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता कबीर शंकर बोस के खिलाफ दर्ज दो प्राथमिकियों को बुधवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को स्थानांतरित कर दिया। ए प्राथमिकियां 2020 में उनके सुरक्षाकर्मियों और तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प से संबंधित हैं। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना एवं न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने कहा कि पश्चिम बंगाल में राजनीतिक परिदृश्य केंद्र में सत्तारूढ़ दल के विरूद्ध जान पड़ता है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि इस मामले में पक्षकार तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी की बेटी से बोस की शादी हुई थी लेकिन पति-पत्नी के बीच तलाक हो गया और फिर दोनों पक्षों के बीच दुश्मनी हो गई। शीर्ष अदालत ने कहा कि वर्तमान स्थिति में, याचिकाकर्ता के खिलाफ स्थानीय पुलिस द्वारा निष्पक्ष जांच न किए जाने या स्थानीय पुलिस द्वारा उसके साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार न किए जाने की आशंका शायद निराधार नहीं है और इसे पूरी तरह से खारिज नहीं किया जा सकता। उच्चतम न्यायालय ने कहा, इसलिए, मामले के तथ्यों को देखते हुए, विशेष रूप से, जब प्रतिवादी संख्या सात (बनर्जी) पश्चिम बंगाल राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी के एक सांसद हैं और याचिकाकर्ता केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी से संबंधित है, पश्चिम बंगाल राज्य में राजनीतिक रूप से गर्म माहौल इस मामले की निष्पक्ष जांच के लिए बहुत अनुकूल नहीं हो सकता है। पीठ ने कहा कि ऐसे में वह इसे अनिश्चितकाल के लिए लंबित रखने के बजाय सीबीआई को जांच के लिए सौंपना उपयुक्त मानती है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि यह मामला सीआईएसएफ या उसके कर्मियों की भूमिका की जांच से जुड़ा है, जिसे हितों के टकराव के कारण स्थानीय पुलिस के हाथों में नहीं छोड़ा

जा सकता, इसलिए इस मामले में स्थानीय पुलिस को सीआईएसएफ कर्मियों के आचरण की जांच करने की अनुमति देना उचित नहीं है। पीठ ने बोस की एक याचिका पर यह फैसला दिया। बोस ने शीर्ष अदालत से इस मामले की जांच पश्चिम बंगाल पुलिस से लेकर सीबीआई या विशेष जांच दल (एसआईटी) या किसी स्वतंत्र एजेंसी को सौंपने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। पीठ ने कहा, इस मामले के विशिष्ट तथ्यों को देखते हुए राज्य-प्रतिवादियों को आदेश दिया जाता है कि वे जांच पूरी करने के लिए दोनों प्राथमिकियों के जांच संबंधी दस्तावेज तथा सभी रिकॉर्ड सीबीआई को सौंप दें, ताकि यदि आवश्यक हो तो मुकदमा शुरू किया जा सके और संबंधित पक्षों को न्याय मिल सके। बोस ने कथित हाथापाई के संबंध में पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में जांच और आगे की कार्यवाही पर रोक लगाने की भी अपील की थी। अपनी याचिका में पेशे से वकील बोस ने दावा किया था कि छह दिसंबर, 2020 को पश्चिम बंगाल के सेरामपुर में रात करीब आठ बजे उनके आवास के बाहर उन पर और उनके सीआईएसएफ गार्ड पर हमला हुआ तथा नारेबाजी की गई थी। उनकी याचिका में कहा गया है, प्रोटोकॉल के तहत सीआईएसएफ (कर्मियों) ने याचिकाकर्ता को तुरंत सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। इसके बाद जो हुआ वह सीआईएसएफ की ओर से अपने सुरक्षाकर्मी की जान बचाने के लिए प्रोटोकॉल था और याचिकाकर्ता मौके पर मौजूद भी नहीं था। याचिका में आरोप लगाया गया, रात दो बजे तक पूरी इमारत को तृणमूल के 200 से अधिक गुंडों ने घेर रखा था, जिनका नेतृत्व इलाके के तत्कालीन सांसद कल्याण बनर्जी कर रहे थे और उन्हें राज्य पुलिस का भी पूरा समर्थन हासिल था।

हर रेल यात्री को मिलती है 46 प्रतिशत की सब्सिडी: रेल मंत्री

नई दिल्ली (भाषा)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि देश में हर रेल यात्री को यात्रा टिकट पर 46% की सब्सिडी दी जाती है। उन्होंने लोकसभा में कहा कि रेल मंत्रालय यात्रियों के लिए सब्सिडी पर हर साल 56,993 करोड़ रुपए की राशि खर्च करता है। बुजुर्गों और मान्यताप्राप्त पत्रकारों को पहले मिलने वाली सब्सिडी की बहाली की संभावना के बारे में पूछे जाने पर वैष्णव ने कहा, भारत सरकार की ओर से यात्रियों को कुल सब्सिडी 56,993 करोड़ रुपए की दी जाती है। हर 100 रुपए की यात्रा सेवा की कीमत 54 रुपए ली जाती है। सभी श्रेणियों के यात्रियों को 46% की सब्सिडी दी जाती है। वैष्णव ने यह भी कहा कि जिस तरह से अटल सरकार में सड़कों से पूरे देश को जोड़ा गया था, उसी तरह मोदी के नेतृत्व में देश के छोटे और मझोले रेलवे स्टेशनों का विकास किया जा रहा है।

स्कूल में पीछे की बेंच पर बैठने वाले देवेंद्र डणवीस बेहद विनम्र छात्र रहेः शिक्षिका

नागपुर(भाषा)। महाराष्ट्र के तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने जा रहे देवेंद्र फडणवीस के स्कूल के दिनों को याद करते हुए उनकी एक शिक्षिका ने कहा कि वह (फडणवीस) एक ऐसे संवेदनशील, विनम्र और मददगार छात्र थे जिन्होंने कभी अपने परिवार की राजनीतिक पृष्ठभूमि को लेकर घमंड नहीं किया। यहां सरस्वती विद्यालय में कक्षा आठ से 10वीं तक फडणवीस की शिक्षिका रहीं सावित्री सुब्रमण्यम ने कहा कि लंबे कद के छात्र होने की वजह से वह (फडणवीस) स्कूल में पीछे की बेंच पर बैठते थे। छह बार के विधायक और नागपुर के सबसे युवा महापौर रहे फडणवीस ने अपनी स्कूली शिक्षा इसी शहर में पूरी की थी। उनके स्वभाव को याद करते हुए सुब्रमण्यम ने कहा, फडणवीस पढ़ाई में औसत थे, लेकिन उन्होंने अच्छी तरह से पढ़ाई की। वह बहुत विनम्र, हंसमुख और संवेदनशील छात्र थे। उन्होंने बताया कि चूंकि फडणवीस लंबे छात्रों में से एक थे, इसलिए वह कक्षा में अन्य लंबे छात्रों के साथ पीछे की बेंच पर बैठते थे। शिक्षिका ने कहा कि फडणवीस बहुत संवेदनशील थे और अन्य जरूरतमंद छात्रों की मदद करते थे। सुब्रमण्यम ने कहा, उनकी कक्षा में एक पोलियोग्रस्त छात्र था, जिसे घूमने-फिरने में मदद की जरूरत थी। फडणवीस सहित पूरी कक्षा हमेशा उसकी मदद करती थी। शिक्षिका ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि फडणवीस एक अच्छे वक्ता बनेंगे, क्योंकि वह स्कूल के दिनों में कभी मंच पर नहीं आए या मंच पर प्रस्तुति नहीं दी।

पेज 1 का शेष

फडणवीस...

में निर्विरोध चुना गया है। भाजपाएलपी नेता के रूप में फडणवीस को उनके चुनाव पर बधाई देते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री और पार्टी की केंद्रीय पर्यवेक्षक निर्मला सीतारमण ने कहा, 'महाराष्ट्र के 14 करोड़ लोगों ने हमें 'विकसित भारत' के लिए जनादेश दिया है। पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन की सरकार पूरे जोश और ताकत के साथ महाराष्ट्र को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। घोषणापत्र में किए गए वादे पूरे किए जाएंगे। दोपहर बाद फडणवीस शिवसेना (ईएस) के एकनाथ शिंदे और एनसीपी (एपी) के अजित पवार के साथ राजभवन पहुंचे और राज्यपाल से मुलाकात की। तीनों महायुति नेताओं ने मिलकर राज्य में नई सरकार बनाने का दावा पेश किया। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में कुल 288 सीटों में से 132 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी भाजपा ने नई सरकार बनाने का दावा पेश किया। शिवसेना के एकनाथ शिंदे (57 विधायकों के साथ), एनसीपी-एपी के अजित पवार (41 विधायकों के साथ) और कुछ निर्दलीय विधायकों ने फडणवीस के नाम पर समर्थन पत्र दिए। दावे से संतुष्ट होकर राज्यपाल ने फडणवीस, शिंदे और अजित पवार को शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया।

कांग्रेस...

नेता सुबह करीब 10.15 बजे दिल्ली से निकले और करीब 11 बजे सीमा पर पहुंचे। हालांकि, उनका काफिला आगे नहीं बढ़ सका। उन्हें रोके जाने के बाद कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने ट्वीट किया, हम अपने देश में शांति और सांप्रदायिक सद्भाव के हित में पीड़ित परिवारों से मिलने के लिए दृढ़ हैं, यूपी सरकार को प्रतिनिधिमंडल को संभल जाने की अनुमति देनी चाहिए। इससे पहले, गाजियाबाद के पुलिस आयुक्त अजय कुमार मिश्रा ने कहा, हम राहुल गांधी को संभल जाने की अनुमति नहीं देंगे क्योंकि वहां प्रशासन द्वारा निषेधाज्ञा जारी की गई है। पुलिस गांधी को यूपी गेट पर रोक देगी। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यातायात को प्रबंधित करने के लिए सीमा पर बल तैनात किया गया है, जिसे डायवर्ट किया जा रहा है। सहायक पुलिस आयुक्त स्वतंत्र कुमार सिंह ने कहा कि उन्हें राजमार्ग पर सभा के बारे में इनपुट मिले थे। उन्होंने कहा, हमने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया है।

50 दिन...

वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम डेटा 26 नवंबर से 29 नवंबर तक के हैं, जिसमें पिछले पांच दिनों के अपडेट गायब हैं। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि डीएसएस अभी भी विकास के दौर से गुजर रहा है और अभी तक पूरी तरह से चालू नहीं हुआ है। अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया, एक मूल्यांकन समिति ने सिस्टम की समीक्षा की और पाया कि इसका डेटा और सटीकता मॉडल के लिए स्थापित संदर्भ की शर्तों को पूरा नहीं करती है। इसके अतिरिक्त, यह देखा गया कि उपयोग किए जा रहे कुछ डेटा और उत्सर्जन सूची पुरानी हो चुकी थी। अधिकारी ने कहा कि आवश्यक संशोधन किए जाने के बाद ष्ठस्स् डेटा प्रदान करना फिर से शुरू कर सकता है। 26 नवंबर को अंतिम अपडेट से पता चला कि पराली जलाने से दिल्ली के पीएम 2.5 सांद्रता स्तरों में 5.64 प्रतिशत का योगदान हुआ, जो 25 नवंबर को 6.99 प्रतिशत से कम था। तब से पराली जलाने पर कोई और अपडेट नहीं दिया गया है। 27 से 29 नवंबर के लिए, डीएसएस ने अनुमान लगाया कि वाहनों से निकलने वाले उत्सर्जन ने शहर के पीएम 2.5 स्तरों में 21 प्रतिशत से 24.6 प्रतिशत का योगदान दिया, जबकि 'अन्य स्रोतों' ने 22 प्रतिशत से 24.6 प्रतिशत के बीच योगदान दिया। दिल्ली के लिए वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली ने पूर्वानुमान लगाया है कि गुरुवार से वायु गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में रहने की संभावना है, शुक्रवार और शनिवार को खराब श्रेणी में गिरावट की भविष्यवाणी की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, स्वच्छ हवा के साथ, दिन का तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शहर में न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के औसत से 2.5 डिग्री अधिक है, दिन के दौरान आर्द्रता का स्तर 66 प्रतिशत और 44 प्रतिशत के बीच उतार-चढ़ाव करता रहा। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को धुंध का अनुमान लगाया है, जिसमें अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 26 और 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है।

श्रीनगर..

जिसमें विभिन्न सोशल मीडिया अनुप्रयोगों का दुरुपयोग करके कश्मीर के युवाओं को कट्टरपंथीकरण/उकसाने/उकसावे आदि सहित विभिन्न तरीकों और साधनों से लुभाया जाता है ताकि युवा गैरकानूनी और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल हो सकें और इन आतंकवादी संगठनों की गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए आतंकवादी रैंकों में शामिल हो सकें। इस मामले की जांच के दौरान यह बात सामने आई कि विचाराधीन आतंकवादियों/ओजीडब्ल्यू/विभिन्न प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के समर्थकों/सहानुभूतिकर्ताओं द्वारा सक्रिय आतंकवादियों से संवाद करने तथा आतंकवादी गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए सीमा पार बैठे संचालकों से प्राप्त निर्देशों को आगे बढ़ाने के लिए श्रीनगर केंद्रीय कारागार परिसर में मोबाइल फोन/उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है। प्रारंभिक जांच के दौरान यह पता चला कि संदिग्ध/कैदी सीमा पार आतंकवादी संगठनों के संचालकों/सदस्यों के साथ लगातार संपर्क में थे, जिससे उन्हें निर्देश प्राप्त होते थे तथा वे कश्मीर घाटी में सक्रिय आतंकवादियों को निर्देश देते थे। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि महत्वपूर्ण साक्ष्यों को उजागर करने, अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने, जेलों सहित सुरक्षा क्षेत्रों में मोबाइल फोन जैसे संचार उपकरणों के दुरुपयोग को रोकने तथा यूटी में आतंकवादी पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट करने के लिए जेल परिसर के अंदर छापे मारे गए, ताकि न केवल मोबाइल फोन का दुरुपयोग करके आतंकवाद का समर्थन करने वाले आतंकवादियों के सहयोगियों/ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) की पहचान की जा सके, बल्कि देश के कानून के अनुसार उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

चौंक उठे...

के प्रति प्रेम उनमें समाहित है और हालांकि वह बंदर के काटने के जोखिम को लेकर थोड़ा चिंतित थे, जिसके लिए एंटी-रेबीज इंजेक्शन की आवश्यकता होती, लेकिन वह शांत रहे और बंदर की उपस्थिति को खतरे से मुक्त मानते हुए उसका स्वागत किया। थरूर ने कहा, 'मुझे खुशी है कि मेरी आस्था सही साबित हुई और हमारी मुलाकात पूरी तरह से शांतिपूर्ण और सौम्य रही।' पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए एक एक्स यूजर ने कहा, 'शायद आपको हनुमान जी का आशीर्वाद मिला है। मैंने सभी तस्वीरों को जूम करके देखा कि सबसे अच्छा सांसद कौन सा अखबार पढ़ रहा था।' एक अन्य व्यक्ति ने लिखा, 'प्रकृति के साथ यह कितना सुंदर मिलन था! ऐसे क्षण हमें अन्य प्राणियों के साथ हमारे गहरे, अव्यक्त संबंध की याद दिलाते हैं। उस बंदर का आप पर भरोसा आपकी दयालुता के बारे में बहुत कुछ कहता है। सचमुच, ऐसे अनुभव हमें रुकने और शब्दों से परे जीवन की सादगी और गर्मजोशी की सराहना करने के लिए प्रेरित करते हैं।'

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ में जवान बलिदान

नारायणपुर(भाषा)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले में सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ में पुलिस का जवान बलिदान हो गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) नारायणपुर का प्रधान आरक्षक बिरेंद्र कुमार सोरी (36) शहीद हो गया। उन्होंने बताया कि मंगलवार को नारायणपुर जिले से जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) तथा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के संयुक्त दल को अबूझमाड़ क्षेत्र के सोनपुर और कोहकामेटा थाना क्षेत्र में रवाना किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा दल बुधवार दोपहर बाद एक बजे जब क्षेत्र में था तब माओवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। माओवादियों द्वारा गोलीबारी के बाद सुरक्षाबल के जवानों ने भी जवाबी कार्वाई की। इस दौरान सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच कई बार मुठभेड़ हुई।

राष्ट्रपति मुर्मू ने आयुर्वेद में सघन अनुसंधान का किया आह्वान

पुरी (ओडिशा)। (भाषा) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को आयुर्वेद में कई रोगों का इलाज मौजूद होने को रेखांकित करते हुए उसमें सघन अनुसंधान की जरूरत पर बल दिया। यहां गोपबंधु आयुर्वेद महाविद्यालय के 75 वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि योग और प्रकृति से जुड़े रहकर व्यक्ति आजीवन रोगमुक्त रह सकता है। राष्ट्रपति ने आयुर्वेद के विद्यार्थियों से अनुसंधान करने का आह्वान करते हुए कहा, अनुसंधान किसी भी प्रद्धति को वैज्ञानिक आधार देने में सक्षम है। सबूत से लोगों में विश्वास का वातावरण बनता है और इसी विश्वास से स्वीकार्यता के मार्ग में विस्तार होता है। उन्होंने कहा कि उन्हें कुछ खास रोगों के उपचार के लिए आदिवासियों के बीच प्रचलित उपचार पद्धति के बारे में पता है। उन्होंने कहा कि कुछ बुजुर्ग जनजातीय लोग विभिन्न बीमारियों और उनके इलाज के लिए आवश्यक जड़ी-बूटियों के बारे में जानते हैं। ओडिशा के मयूरभंज जिले में संथाल समुदाय से संबंधित मुर्मू ने कहा, लेकिन पारंपरिक ज्ञान धीरे-धीरे गायब हो हो रहा है। मैं आशा करती हूं कि आपमें से कुछ को उस उपचार के वैज्ञानिक आधार को खंगालने में दिलचस्पी होगी। ऐसा कर इस पद्धति को विलुप्त होने से बचाया जा सकता है और वह समाज के लिए लाभप्रद भी हो सकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि वह विद्यार्थियों एवं अनुसंधानकर्ताओं का ध्यान राज्य संग्रहालय में संजोकर रखी गईं ताड़पत्र पांडुलिपियों की ओर आकृष्ट करना चाहेंगी जिनमें आयुर्वेद के बारे में कई सूचनाएं हैं। उन्होंने कहा कि यहां तक कि कई लोगों के घरों में भी ताड़पत्र पांडुलिपियां हैं। उन्होंने कहा, साहित्य के अलावा ताड़पत्र पांडुलिपियों में चिकित्सा पद्धतियों का विवरण है। इस दिशा में मैं आशा करती हूं कि आप अनुसंधान कर इस छिपी हुई उपचार पद्धति को लोगों के सामने लाने की चेष्टा करेंगे। उन्होंने कहा कि अब दुनियाभर में लोग योग और आयुर्वेद सीखने के लिए इच्छुक हैं। मुर्मू ने रोगमुक्त रहने के लिए योगयुक्त रहने का आह्वान करते हुए कहा, संतुलित आहार अपनाकर हम स्वस्थ रह सकते हैं। योग बीमारियों को दूर रखने में मदद कर सकता है। आयुर्वेद में कई रोगों का इलाज होने का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि विद्यार्थी आयुर्वेद में सघन अनुसंधान को अपनाएं। इस कार्यक्रम को ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और अन्य ने भी संबोधित किया।

मुर्मू ने श्री जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की

पुरी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को भगवान जगन्नाथ मंदिर मे पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति ने ग्रांड रोड मे एक किलोमीटर की दूरी पैदल तय की। जब राष्ट्रपति आम श्रद्धालु की तरह सड़क से जा रही थी तो सैकड़ो लोग सड़क के दोनो ओर खड़े हो गए और उनका अभिवादन किया। मंदिर को कुछ समय के लिए आम लोगो के वास्ते बंद कर दिया गया ताकि राष्ट्रपति मंदिर के गर्भगृह मे भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के दर्शन सुलभता से कर सकें। राष्ट्रपति के साथ उनकी बेटी इतिश्री मुर्मू, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, उपमुख्यमंत्री प्रवती परिदा, पुरी के सांसद संबित पात्रा और अन्य लोग मौजूद थे। मंदिर मे पूजा-अर्चना के बाद मुर्मू ने कहा, मैने भगवान से कृपा बनाए रखने की प्रार्थना की साथ ही देश के लोगो के लिए भी प्रार्थना की तथा उनकी खुशहाली की कामना की। वह मंदिर मे करीब 30 मिनट रही। मंदिर पहुंचने पर श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति को दर्शन कराने वाले सेवादार राजरतन महापात्रा ने बताया कि उन्होने गर्भगृह मे मत्था टेका और आरती की। राष्ट्रपति ने मंदिर परिसर मे मां बिमला और महा लक्ष्मी की भी पूजा-अर्चना की।

यतनाल बाहरी नहीं हैं, कर्नाटक भाजपा में सभी मुद्दे बातचीत से हल होने की उम्मीद

शिवमोगा (कर्नाटक) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बी. एस. एदियुरप्पा ने बुधवार को कहा कि बीजापुर के विधायक एवं उनके आलोचक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल बाहरी व्यक्ति नहीं हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी आंतरिक मुद्दे बातचीत के माध्यम से सुलझा लिए जाएंगे। यतनाल पार्टी के राज्य नेतृत्व की भी खुलकर आलोचना करते रहे हैं। एदियुरप्पा ने यह भी कहा कि वह और उनके बेटे भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख बी. वाई. विजएंद्र पार्टी को मजबूत करने के लिए सभी को साथ लेकर चलना चाहते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने एक सवाल के जवाब में कहा, बातचीत होनी चाहिए, यतनाल कोई बाहरी व्यक्ति नहीं हैं, हो सकता है कि कुछ कारणों से वह नाराज हों। मेरी अपेक्षा है कि सभी को साथ लेकर चलना चाहिए, यही विजएंद्र की भी अपेक्षा है...। यतनाल ने विजएंद्र की खुलकर आलोचना की है और उन पर सत्तारूढ़ कांग्रेस के साथ मिलीभगत की राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने विजएंद्र और एदियुरप्पा पर पार्टी को अपने कब्जे में रखने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया है।

आलाकमान का निर्णय मानूंगा

सत्ता बंटवारे को लेकर शिवकुमार के साथ नहीं हुआ कोई समझौता

मांड्या। (भाषा) कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने बुधवार को कहा कि राज्य में कांग्रेस के सरकार में आने से पहले उनके और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के बीच सत्ता के बंटवारे को लेकर कोई समझौता नहीं हुआ था और वह पार्टी आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। सिद्धरमैया की टिप्पणी पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री ने जो कुछ कहा है, वही अंतिम है। सिद्धरमैया ने मीडिया से कहा, कोई समझौता नहीं हुआ। मैं आलाकमान के फैसले का पालन करूंगा। उनसे शिवकुमार के इस कथित बयान के बारे में पूछा गया था कि (राज्य में कांग्रेस के) सत्ता में आने से पहले उन दोनों के बीच समझौता हुआ था। पिछले साल मई में विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली थी। कांग्रेस पार्टी शिवकुमार को मनाने में कामयाब रही थी और उसने उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया था। तब ऐसी कुछ खबरें सामने आई थीं कि बारी-बारी से मुख्यमंत्री बनाने के फार्मूले पर सहमति बनी थी जिसके अनुसार शिवकुमार ढाई साल बाद मुख्यमंत्री बनेंगे। लेकिन इन खबरों की पार्टी ने आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं की है। शिवकुमार ने मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को किसी से नहीं छुपाया। मुख्यमंत्री के बयान पर शिवकुमार ने बेंगलुरु में कहा, एक बार मुख्यमंत्री ने कह दिया तो उस पर कोई आपत्ति नहीं है... मुख्यमंत्री जो कहते हैं वही अंतिम होता है। कोई आपत्ति नहीं है, मैं हमेशा कुर्सी (पद) के प्रति वफादार हूं, मैं पार्टी के प्रति वफादार हूं। मुख्यमंत्री ने कहा है -- कोई (आगे) सवाल नहीं, कोई चर्चा नहीं, कोई बहस नहीं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें इन चीजों से पीड़ा नहीं होती है तो उन्होंने कहा, मैंने इन सभी बातों का जवाब दे दिया है। जब मुख्यमंत्री से पूछा गया कि क्या मंत्रिमंडल में फेरबदल होने वाला है तो उन्होंने कहा, अभी नहीं...। जब उनसे पूछा गया कि कुछ विधायक मंत्री पद पाने की चेष्टा में लगे हैं तो उन्होंने कहा, आखिरकार आलाकमान को मुझे निर्देश देना है और मुझे निर्णय लेना है। आलाकमान ने मुझसे कुछ नहीं कहा है आलाकमान ने मुझसे कुछ नहीं कहा है और मैंने कुछ नहीं तय किया है। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद से ही मंत्रिमंडल में संभावित फेरबदल और मंत्रियों के प्रदर्शन के मूल्यांकन को लेकर अटकलें तेज हैं। मंत्री पद पाने के इच्छुक विधायकों के एक वर्ग की ओर से भी मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने की मांग की गई है। कुछ विधायकों ने तो खुले तौर पर मंत्री बनने की इच्छा भी जताई है।

महबूबा मुफ्ती ने मेडिकल प्रवेश में आरक्षण से जुड़े वैधानिक आदेश को बहाल करने की मांग की: श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर सरकार को राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) के माध्यम से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आरक्षण से जुड़े वैधानिक आदेश को बहाल करना चाहिए। पीडीपी प्रमुख ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यह जरूरी है कि केंद्र शासित प्रदेश सरकार जम्मू-कश्मीर आरक्षण अधिनियम के एसआरओ 49 (2018) को बहाल करे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सुपर-स्पेशलिटी मेडिकल पाठ्यक्रम तक सुलभ पहुंच हो और जम्मू-कश्मीर के युवाओं के हितों की रक्षा हो सके। मुफ्ती जनवरी 2018 में पारित एक आदेश का जिक्र कर रही थीं, जब वह जम्मू-कश्मीर की मुख्यमंत्री थीं। एसआरओ 49 (2108) के अनुसार, स्नातकोत्तर चिकित्सा पाठ्यक्रमों में 75 प्रतिशत सीट सामान्य मेरिट के आधार पर भरी जानी थीं, जबकि 25 प्रतिशत सीट वंचित वर्गों की विभिन्न श्रेणियों के लिए आरक्षित थीं।

सऊदी अरब में तस्करी के लिए मेरठ के युवक को मौत की सजा, परिवार ने लगाई रहम की गुहार

मेरठ। (भाषा) उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के रहने वाले एक व्यक्ति को सऊदी अरब की अदालत द्वारा मादक पदार्थों की कथित तौर पर तस्करी के लिए मौत की सजा सुनाए जाने से परेशान उसके परिजनों ने केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की गुहार लगाई है।मेरठ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) विपिन ताडा ने बुधवार को जिला प्रशासन के माध्यम से सऊदी अरब में भारतीय दूतावास से एक पत्र प्राप्त होने की पुष्टि की। ताडा ने बताया, पत्र में बताया गया कि मुंडाली थाना क्षेत्र के राचौटी गांव के रहने वाले जैद जुनैद (35) को मक्का की एक अदालत ने मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में मौत की सजा सुनाई है। परिवार को दया याचिका दायर करने के विकल्प के बारे में सूचित कर दिया गया है।
उन्होंने बताया कि जुनैद के घर पर एक नोटिस चस्पा किया गया ताकि परिजन वस्तुस्थिति से अवगत हों।जुनैद के पिता जुबैर एक किसान हैं और मां रेहाना इस खबर को सुनने के बाद से बेसुध हैं। जुनैद के बड़े भाई सुहैल ने कहा, मेरे पिता ने पहले ही भारत सरकार से सऊदी अधिकारियों के समक्ष दया याचिका दायर करने का अनुरोध किया है। मंगलवार को आवेदन किया गया है। उन्होंने बताया कि जुनैद वर्ष 2018 में एक कंपनी में वाहन चालक के रूप में काम करने के लिए सऊदी अरब गया था। परिजन के मुताबिक, शुरुआत में वह एक कम्पनी में कार्यरत था लेकिन बाद में उसने दूसरी कंपनी में काम करना शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि जुनैद का वाहन चोरी हो गया था हालांकि पुलिस ने उसे तीन दिन बाद बरामद कर लिया था लेकिन एक सड़क दुर्घटना में वाहन क्षतिग्रस्त हो गया और उसके मालिक ने अपनी गाड़ी की लागत वसूलने के लिए जुनैद पर मुकदमा दायर कर दिया।सुहैल ने बताया कि वित्तीय बोझ वहन करने में असमर्थ जुनैद ने कंपनी छोड़ दी और सऊदी पुलिस के एक अधिकारी के लिए निजी वाहन चालक के रूप में काम करना शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि नई नौकरी करते हुए तीन महीने गुजरे थे कि जुनैद को मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में फंसा दिया गया।सुहैल ने बताया कि सऊदी पुलिस ने दावा किया कि जुनैद जिस वाहन को चला रहा था, उसमें 700 ग्राम मादक पदार्थ मिले और उसे 15 जनवरी 2023 को गिरफ्तार किया गया था।उन्होंने बताया कि तब से जुनैद जेद्दा स्थित सेंट्रल जेल में बंद है और मुकदमे के बाद उसे मौत की सजा सुनाई गई है।

दागदार इतिहास है शूटर चौरा का

पायनियर समाचार सेवा। अमृतसर/नई दिल्ली

सुखबीर सिंह बादल पर गोली चलाने वाला शूटर नारायण सिंह चौरा 1984 में पाकिस्तान चला गया था और पंजाब में हथियारों और विस्फोटकों की बड़ी खेप की तस्करी में अहम भूमिका निभाई थी, ऐसा पता चला है। उसके खिलाफ 20 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। पाकिस्तान में चौरा ने कथित तौर पर गुरिल्ला युद्ध और देशद्रोही साहित्य पर एक किताब लिखी थी। वह बुरैल जेलब्रेक मामले में भी आरोपी था। वह पहले ही पंजाब में जेल की सजा काट चुका है।

2004 के सनसनीखेज बुरैल जेलब्रेक मामले में पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के हत्यारों सहित चार कैदी 94 फीट की सुरंग खोदकर भाग गए थे। चौरा पर अमृतसर, तरनतारन और रोपड़ जिलों में करीब एक दर्जन मामले दर्ज हैं। अकाल फेडरेशन से जुड़े चौरा ने अमृतसर के सिख मिशनरी कॉलेज से पढ़ाई की है और उनके पास राजनीति विज्ञान में मास्टर डिग्री है। उन्होंने कई किताबें लिखी हैं, जिनमें हाल ही में प्रकाशित उनकी पुस्तक खालिस्तान विरुद्ध साजिश भी शामिल है। चौरा को जरनैल सिंह भिंडरावाले के भाषणों का अनुवाद करने के लिए भी जाना जाता है।आतंकवाद और खालिस्तानी गतिविधियों में शामिल होने का उनका लंबा इतिहास रहा है। 4 अप्रैल, 1956 को डेरा बाबा नानक (गुरदासपुर) के पास चौरा गांव में जन्मे चौरा पर खालिस्तान लिबरेशन फोर्स और अकाल फेडरेशन जैसे संगठनों से जुड़े होने का आरोप है। चौरा पर बुरैल जेलब्रेक मामले के मास्टरमाइंडों को कैदियों को कपड़े और अन्य सामान मुहैया कराकर मदद करने का आरोप है। उन्होंने पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के आरोपी जगतार सिंह हवारा, परमजीत सिंह भियोरा और जगतार सिंह तारा सहित प्रमुख आतंकवादियों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखे और जेल में उनसे मुलाकात की। उसे 28 फरवरी, 2013 को तरनतारन के जलालाबाद गांव से गिरफ्तार किया गया था, जबकि उसके साथी सुखदेव सिंह और गुरिंदर सिंह को पंडूरी गांव से पकड़ा गया था।

ऊंचा शुल्क लगाने की ट्रंप की घोषणा से भारत के लिए पैदा होंगे अवसर: नीति आयोग सीईओ

नई दिल्ली। (भाषा) नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी बीवीआर सुब्रमण्यम ने बुधवार को कहा कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन समेत तीन व्यापारिक साझेदारों पर उच्च सीमा शुल्क लगाने की घोषणा से भारत के लिए बड़े निर्यात अवसर पैदा होंगे। इसके साथ ही सुब्रमण्यम ने कहा कि घरेलू उद्योग को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए। ट्रंप ने पिछले सप्ताह मेक्सिको और कनाडा से आयात पर 25 प्रतिशत सीमा शुल्क और चीन से आयात पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की बात कही थी। सुब्रमण्यम ने यहां संवाददाताओं से कहा, "ट्रंप ने अब तक जो भी घोषणा की है...मुझे लगता है कि भारत के लिए अवसर हैं। हम पहली स्लिप में खड़े हैं और गेंद हमारी तरफ आ रही है। हम इसे पकड़ेंगे या छोड़ देंगे, यह हमें देखना है। मुझे लगता है कि आप अगले कुछ महीनों में कुछ कदम देखेंगे।" उन्होंने कहा कि इस कदम की वजह से अमेरिकी व्यापार में बड़ी रुकावटें आने वाली हैं और इससे भारत के लिए बहुत बड़े अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा, "सवाल यह है कि अगर हम वास्तव में खुद को तैयार करते हैं, तो इससे बहुत बड़ा उछाल आ सकता है... क्योंकि व्यापार में बदलाव होने वाला है।" अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। पिछले वित्त वर्ष में भारत का अमेरिका को निर्यात 77.51 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 42.2 अरब डॉलर रहा। भारत के आईटी निर्यात राजस्व में भी अमेरिका का हिस्सा 70 प्रतिशत है। ए टिप्पणियां इस लिहाज से अहम हैं कि ट्रंप ने अपने चुनाव अभियान में भारत को आयात शुल्कों का दुरुपयोग करने वाला बताया था। उन्होंने अक्टूबर 2020 में भी भारत को टैरिफ किंग करार दिया था। उन्होंने कारोबार की मुद्रा के तौर पर अमेरिकी डॉलर को बदलने के किसी भी कदम के खिलाफ ब्रिक्स समूह को चेतावनी दी है। इस नौ सदस्यीय समूह में भारत, रूस, चीन और ब्राजील भी शामिल हैं। नीति आयोग ने भारत के व्यापार परिदृश्य पर एक रिपोर्ट भी जारी की। इस रिपोर्ट को आयोग तिमाही आधार पर जारी करेगा। इस अवसर पर नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने कहा कि व्यापार घाटे को लेकर अधिक आसक्त नहीं होना चाहिए क्योंकि अर्थव्यवस्था को आयात से अधिक लाभ होता है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के विरोध में फूटा आक्रोश

लखनऊ। (भाषा) बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय को निशाना बनाकर किए जा रहे हमलों के खिलाफ उत्तर प्रदेश के बदायूं, बरेली, देवरिया और पीलीभीत जैसे विभिन्न जिलों में हिंदू संगठनों ने बुधवार को विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर तत्काल कार्वाई की मांग करते हुए राष्ट्रपति के नाम स्थानीय अधिकारियों को ज्ञापन सौंपे। अलीगढ़, अयोध्या, बांदा, चित्रकूट और एटा में मंगलवार को इस तरह के विरोध प्रदर्शन किए गए थे। बदायूं में बुधवार को मानवाधिकार जागरूकता मंच के बैनर तले हिंदू संगठनों ने बदायूं क्लब में व्यापक विरोध प्रदर्शन किया और बांग्लादेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार खत्म करने की मांग करते हुए सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। महामंडलेश्वर प्रकाशानंद महाराज ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा, अगर यह हिंसा नहीं रुकती तो संत समुदाय हथियार उठाएगा। हम धर्म की रक्षा के लिए कदम उठाने को तैयार हैं, भले ही इसका अर्थ सही कार्य के लिए हिंसा पर उतारू होना हो। हाथरस में भारत हिंदू चेतना मंच के बैनर तले प्रदर्शनकारी दौजी मेला पंडाल में एकत्र हुए, जहां लोगों ने केंद्र सरकार से बांग्लादेश में हिंदुओं के नरसंहार को रोकने के लिए निर्णायक कदम उठाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों की रक्षा और हमें न्याय चाहिए जैसे संदेश लिखी तख्तियां प्रदर्शित की और चेतावनी दी कि अगर हिंसा जारी रही तो हिंदू समुदाय मानव श्रृंखला बनाकर बांग्लादेश की ओर मार्च कर सकता है। वहीं देवरिया में हिंदू रक्षा संघर्ष समिति ने टाउन हाल में व्यापक विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें भाजपा के पदाधिकारी, आरएसएस के सदस्य और स्थानीय लोग शामिल हुए। लोग भगवा झंडा लेकर कलेक्ट्रेट तक गए और बांग्लादेशी सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। आरएसएस के गोरक्ष प्रांत के प्रचारक रमेश ने कहा कि बांग्लादेश बनने के पीछ भारत था और वही भारत, बांग्लादेश को बर्बाद करने को मजबूर ना हो जाए। पीलीभीत में भी विरोध प्रदर्शन हुआ, जिसमें बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद शामिल हुए।वहीं बरेली में हजारों लोग बरेली कॉलेज ग्राउंड में एकत्रित हुए और बांग्लादेश के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय कार्वाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने मंदिरों को तोड़े जाने, महिलाओं के साथ यौन हिंसा और संतों पर हमले की खबरों पर चिंता व्यक्त करते हुए कार्वाई की मांग की।लोगों ने बांग्लादेश में कथित तौर पर हिरासत में लिए गए स्वामी चिन्मयानंद दास को रिहा किए जाने की भी मांग की।

जयपुर में सर्व समाज ने किया प्रदर्शन

जयपुर। बांग्लादेश मे इस्कॉन मंदिर के संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी और हिंदू समाज पर लगातार हो रहे हमलो के विरोध मे बुधवार को यहां सर्व हिंदू समाज ने प्रदर्शन किया। सर्व समाज से जुड़े लोग बड़ी संख्या मे बड़ी चौपड़ पर एकत्रित हुए और प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियो ने बांग्लादेश मे हिंदुओ पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ नारे लगे और वहां की सरकार के खिलाफ कार्वाई की मांग की। प्रदर्शन मे संत-महंत, जनप्रतिनिधि, युवा, मातृ शक्ति सहित सर्व हिंदू समाज के लोगो ने हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियो ने कहा कि आज जात-पात मे बंटने का नही एक होने का समय है। उन्होने कहा कि सभी को मिलकर एकता की ताकत दिखानी होगी। प्रदर्शनकारियो ने केन्द्र सरकार से संयुक्त राष्ट्र संघ और मानवाधिकार परिषद मे इस गंभीर प्रसंग को उठाने और उचित समाधान निकालने की मांग की।प्रदर्शन मे शामिल सर्व हिंदू समाज के सभी संगठनो से जुड़े लोगो ने केन्द्र सरकार से बांग्लादेश सरकार पर दबाव डालने और हिंदुओ की सुरक्षा को लेकर पड़ोसी मुल्क की सरकार से बात करने की मांग की। एक बयान के अनुसार, प्रदर्शन मे जयपुर की राजपूत सभा के अध्यक्ष राम सिंह चंदलाई ने कहा कि हमे भूल जाने की आदत है।उन्होने कहा, हमे अपना गौरव याद करना चाहिए। बांग्लादेश की सरकार भी समाज की रक्षा के लिए है जिसे समाज मे हो रहे हिंदुओ पर अत्याचार को कड़ाई से रोकना चाहिए।

झारखंड में रैलियां निकाली गईं

धनबादागुमला। बांग्लादेश मे हिंदुओ पर हो रहे हमलो और आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के विरोध मे बुधवार को विभिन्न हिंदू संगठनो से जुड़े लोगो ने झारखंड के धनबाद और गुमला शहरो मे रैलियां निकाली। दास की तत्काल रिहाई की मांग करते हुए प्रदर्शनकारियो ने भारत सरकार से हस्तक्षेप करने और पड़ोसी देश मे अल्पसंख्यक हिंदुओ पर हो रहे अत्याचारो को रोकने का आग्रह किया। धनबाद मे हिंदू राष्ट्रीय समन्वय समिति (एचआरएसएस) ने प्रदर्शन का आयोजन किया, जिसमे धनबाद इस्कॉन, बजरंग दल, भाजपा और अन्य संगठनो के सदस्यो ने भाग लिया। हाथो मे तख्तियां लिए और बांग्लादेश सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए प्रदर्शनकारियो ने शहर के रणधीर वर्मा चौक तक मार्च निकाला और वहां लगभग दो घंटे तक प्रदर्शन किया। इस मौके पर धनबाद के विधायक राज सिन्हा ने लोगो को संबोधित करते हुए कहा, "बांग्लादेश मे हिंदुओ को निशाना बनाया जा रहा है, मंदिरो पर हमले किए जा रहे है और हिंदुओ के घरो और व्यवसायो को लूटा जा रहा है।" उन्होने कहा, "मै केंद्र सरकार से इस मामले मे हस्तक्षेप करने का आग्रह करता हूं ताकि हिंदुओ पर हो रहे अत्याचारो पर रोक लग सके और वहां मंदिरो की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।"

इंदौर में हजारों लोग सड़क पर उतरे, आधे दिन बाजार बंद रहे

इंदौर। बांग्लादेश मे हिन्दुओ पर हमलो के खिलाफ इंदौर मे इस समुदाय के हजारो लोगो ने बुधवार को सड़क पर उतरकर आक्रोश जताया। इस विरोध प्रदर्शन के समर्थन मे शहर के बाजार आधे दिन तक बंद रहे।चश्मदीदो ने बताया कि हिंदू संगठनो के आह्वान पर हजारो लोग लालबाग मे जुटे और वहां से रैली निकालकर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। प्रदर्शनकारियो मे बड़ी तादाद मे महिलाएं, साधु-संत और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्त्ता शामिल थे। प्रदर्शनकारियो ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी आशीष सिंह को सौपा। सकल हिंदू समाज के नाम से सौपे गए ज्ञापन मे प्रमुख तौर पर मांग की गई है कि भारत सरकार बांग्लादेश पर दबाव डाले ताकि पड़ोसी देश मे हिंदुओ और अन्य अल्पसंख्यक समुदायो की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और उनकी धार्मिक स्वतंत्रता को कायम रखा जा सके। प्रदर्शन मे प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, शहर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विधायक उषा ठाकुर और भाजपा के अन्य नेता भी शामिल हुए। ठाकुर ने बांग्लादेश मे हिंदू समुदाय पर अत्याचारो को लेकर गुस्सा जताते हुए कहा, अगर वे (बांग्लादेशी नागरिक) अपने देश के संविधान का पालन नही करते और मनुष्यो की तरह जीवन जीना नही चाहते, तो ऐसे लोगो के साथ न तो व्यापार किया जाना चाहिए न ही हमे उनके साथ खेल प्रतियोगिताओ मे शामिल होना चाहिए। बांग्लादेश मे अल्पसंख्यको, खासकर हिंदुओ पर हमलो को लेकर भारत लगातार चिंता व्यक्त कर रहा है।

बांग्लादेश मे हिंदुओ पर अत्याचार का मुद्दा लोस में उठा, सरकार से हस्तक्षेप का अनुरोध

नई दिल्ली। बांग्लादेश मे अल्पसंख्यक हिंदुओ पर अत्याचार और एक हिंदू पुजारी की गिरफ्तार करने का मुद्दा बुधवार को लोकसभा मे उठाते हुए हेमा मालिनी समेत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कुछ सदस्यो ने पड़ोसी देश मे हिंदुओ की सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप का अनुरोध किया और संसद से एक प्रस्ताव पारित करने की भी मांग की। शून्यकाल मे इस विषय को उठाते हुए मथुरा से भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि बांग्लादेश मे हिंदुओ पर और इस्कॉन संस्था एवं उसके अनुयायियो पर चरमपंथियो द्वारा किए जा रहे हमले निंदनीय है। उन्होने हिंदू पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी का उल्लेख करते हुए कहा कि इस्कॉन के लोग मानवता के लिए अच्छा काम कर रहे है। उन्होने कहा, चिन्मय कृष्ण दास बांग्लादेश मे हिंदुओ पर अत्याचार के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन उन्हे राजद्रोह का आरोप लगाकर जेल मे डाल दिया गया। उनके पक्ष मे गवाही देने वाले दो लोगो को भी जेल मे डाल दिया गया। हेमा मालिनी ने कहा, मै स्वयं कृष्ण भक्त हूं और इस्कॉन की अनुयाई हूं।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 5 दिसम्बर 2024

हसीना ने सब कुछ नष्ट कर दिया, सुधारों को लागू करने के बाद चुनाव कराएंगे: यूनुस

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने कहा है कि शेख हसीना सरकार ने सब कुछ नष्ट कर दिया। उन्होंने संवैधानिक व न्यायिक सुधारों को लागू किए जाने के बाद आम चुनाव कराए जाने की बात कही। बांग्लादेश संगबाद संस्था ने बुधवार को एक जापानी अखबार को दिए गए यूनुस के साक्षात्कार का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित यूनुस (84) ने निक्केई एशिया को दिए साक्षात्कार में कहा, हमें (चुनाव कराने से पहले) अर्थव्यवस्था, शासन, नौकरशाही व न्यायपालिका में व्यापक सुधार करने की आवश्यकता है।

यूनुस ने एक बार फिर कहा कि बांग्लादेश में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में हसीना के खिलाफ मुकदमे की सुनवाई समाप्त होने के बाद, भारत को उन्हें प्रत्यर्पित कर देना चाहिए। यूनुस ने कहा, मुकदमे की सुनवाई समाप्त होने के बाद निर्णय आने पर हम आधिकारिक तौर पर भारत से उन्हें सौंपने के लिए आग्रह करेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि दोनों देशों द्वारा हस्ताक्षरित अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत भारत इसके अनुपालन के लिए बाध्य होगा।

मुख्य सलाहकार ने यह भी कहा कि हिंदुओं की सुरक्षा के बारे में भारत सरकार की चिंता तथ्यों पर आधारित नहीं है और जो कुछ कहा जा रहा है वह दुष्प्रचार है। अगस्त में शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से हटाए जाने के बाद से दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंध खराब हो गए हैं। भारत ने बांग्लादेश में हिंदुओं और दूसरे अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने पर चिंता व्यक्त की है। पिछले सप्ताह हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद स्थिति और बिगड़ गई है।

यूनुस ने कहा कि उन्होंने दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) को पुनर्जीवित करने का भी प्रस्ताव रखा है, जो भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण संबंधों के कारण काफी हद तक निष्क्रिय है। बांग्लादेश ने मंगलवार को भारतीय राजदूत को अपने विदेश कार्यालय में तलब किया और त्रिपुरा के अगरतला में स्थित अपने वाणिज्य दूतावास सेवाएं निलंबित करने की घोषणा की। यह घोषणा प्रदर्शनकारियों द्वारा वाणिज्य दूतावास में घुसने के एक दिन बाद की गई। चटगांव की एक अदालत में राजद्रोह के एक मामले में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की जमानत याचिका दो जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई, क्योंकि उनके लिए कोई वकील पेश नहीं हुआ और बाद में उनके समर्थकों ने दावा किया कि उनके वकीलों को धमकी दी जा रही है। साक्षात्कार में यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने चुनाव प्रणाली, संविधान और न्यायपालिका जैसे क्षेत्रों में सुधारों को बढ़ावा देने के लिए कई आयोगों की स्थापना की है। उन्होंने कहा कि सरकार उन आयोगों से सिफारिशें प्राप्त करने के बाद जनवरी तक पूर्ण पैमाने पर सुधारों को लागू करेगी। उन्होंने कहा, इन सुधारों को लागू करने में समय लगेगा, क्योंकि हम मूल रूप से एक नए बांग्लादेश का निर्माण कर रहे हैं। यूनुस ने खुद के चुनाव लड़ने की बात से इनकार कर दिया।

बांग्लादेश में छात्र आंदोलन के दौरान जेल से भागे 700 कैदी अब भी फरार: सरकार

भाषा। ढाका

बांग्लादेश में जुलाई-अगस्त में हुए छात्र आंदोलन के दौरान जेल से भागे कैदियों में से कम से कम 700 कैदी अब भी फरार हैं, जिनमें दोषी आतंकवादी और मौत की सजा पाए कैदी शामिल हैं। छात्र आंदोलन के कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार को सत्ता से बेदखल होना पड़ा था। जेल महानिरीक्षक ब्रिगेडियर जनरल सैयद मोहम्मद मोताहिर हुसैन ने कहा कि देश भर में लगभग 2,200 कैदी विभिन्न जेलों से भाग गए थे, जिनमें से 700 अब भी फरार हैं जबकि बाकी कैदी सजा काटने के लिए जेलों में वापस लौट गए हैं या उन्हें कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने दोबारा गिरफ्तार कर लिया है। हुसैन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, लगभग 700 (फरार कैदियों) में से 70 चरमपंथी और मौत की सजा पाए अपराधी हैं।

यूनुस के मुख्य सलाहकार आलम ने भारत से जुलाई-अगस्त विद्रोह को मान्यता देने को कहा

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के एक प्रमुख सहयोगी ने बुधवार को कहा कि भारत को द्विपक्षीय संबंधों को नए सिरे से शुरू करने के लिए देश में जुलाई-अगस्त में हुए उस विद्रोह को स्पष्ट रूप से मान्यता देनी चाहिए जिसने प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया था। अंतरिम सरकार में वस्तुत: मंत्री का दर्जा रखने वाले महफूज आलम ने एक फेसबुक पोस्ट में उल्लेख किया कि भारत सरकार ने विद्रोह को कुछ इस तरह से चित्रित करने की कोशिश की जैसे यह सत्ता पर कुछ अतिवादियों, हिंदू विरोधी और इस्लामी कट्टरपंथियों का कब्जा हो गया हो। आलम ने भारत से 75 के बाद की रणनीति बदलने और बांग्लादेश की नई वास्तविकताओं को समझने को भी कहा। आलम बांग्लादेश के एंटी डिसक्रिमिनेशन स्टूडेंट्स मूवमेंट के एक प्रमुख नेता हैं।

आलम ने लिखा, यह (मान्यता) सबसे पहली चीज है जिससे शुरुआत की जानी चाहिए। जुलाई के विद्रोह को दरकिनार करके, नए बांग्लादेश की नींव रखना दोनों देशों के रिश्तों के लिए हानिकारक होगा। आलम ने लिखा, बंगाल के इस हिस्से में रहने वाले भारत-प्रेमी या भारतीय सहयोगी सोच रहे थे कि चीजें शांत हो जाएंगी और जुलाई के विद्रोह और फासीवादियों के अत्याचारों से उन्हें कुछ भी नुकसान नहीं होगा।

वह आलम का संगठन ही था जिसने विवादास्पद नौकरी आरक्षण व्यवस्था को लेकर हसीना की अवामी लीग के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ जुलाई के मध्य से व्यापक विरोध प्रदर्शन किया था, जिसके परिणामस्वरूप पांच बार की प्रधानमंत्री हसीना को सत्ता से हटना पड़ा था। पांच अगस्त को हसीना के बांग्लादेश छोड़कर भारत चले जाने के तीन दिन बाद, नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार का पदभार संभाला था। दोनों पड़ोसी देशों के बीच पांच अगस्त से जारी तनाव पिछले सप्ताह हिंदू नेता चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद और बढ़ गया।

आलम ने कहा, यह एक गलत विचार है। लोग सब कुछ देख रहे हैं। यूनुस ने सितंबर में न्यूयॉर्क में क्लिंटन ग्लोबल इनिशिएटिव के एक समारोह में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन से आलम का परिचय देते हुए आलम को संपूर्ण क्रांति के पीछे का दिमाग बताया था। यूनुस (84) ने तब बांग्लादेशी छात्र नेताओं का परिचय कराते हुए कहा था, संपूर्ण क्रांति के पीछे इन्हीं लोगों का दिमाग माना जाता है। वे किसी अन्य युवा व्यक्ति की तरह दिखते हैं, आप उन्हें पहचान नहीं पाएंगे। लेकिन जब आप उन्हें कार्य करते हुए देखेंगे, जब आप उन्हें बोलते हुए सुनेंगे, तो आप कांप जाओगे।

हिन्दुओं पर हमले के बीच अमेरिका ने मौलिक स्वतंत्रता के सम्मान का आह्वान किया

वाशिंगटन। अमेरिका ने बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमलों के बीच धार्मिक और आधारभूत मानवाधिकारों सहित मौलिक स्वतंत्रता के सम्मान का आह्वान किया। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं पर हमलों को लेकर भारत लगातार चिंता व्यक्त कर रहा है। विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने संवाददाताओं से कहा, हम इस बात को लेकर स्पष्ट हैं कि मौलिक स्वतंत्रता का सम्मान होना चाहिए।

पटेल ने कहा, सरकारों को कानून के शासन का सम्मान करने की आवश्यकता है, उन्हें आधारभूत मानवाधिकारों का सम्मान करने की आवश्यकता है। हम इस बात पर हमेशा जोर देते रहेंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह का विरोध शांतिपूर्ण होना चाहिए। पटेल ने एक सवाल के जवाब में कहा, हम इस बात पर बल देते हैं कि हिरासत में लिए गए लोगों को भी उचित प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए और उनसे अधारभूत मौलिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों के अनुरूप व्यवहार किया जाना चाहिए।

इस बीच, अमेरिकी सांसद ब्रैड शरमन ने एक बयान में कहा, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का यह पूर्ण दायित्व है कि वह हिंदू अल्पसंख्यकों की रक्षा करे और हाल में हुए हमलों तथा उत्पीड़न के कारण हजारों अल्पसंख्यक हिंदुओं के विरोध प्रदर्शनों का सार्थक रूप से समाधान करे। हिंदू एक्शन के कार्यकारी निदेशक उत्सव चक्रवर्ती ने निवर्तमान बाइडन-हैरिस प्रशासन से बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ कट्टरपंथी इस्लामी चरमपंथियों द्वारा हिंसा को और अधिक बढ़ने से रोकने के लिए हर संभव कदम उठाने का आह्वान किया। बांग्लादेश से हमें जो प्रतिक्रिया मिल रही हैं उसके आधार पर कहा जा सकता है कि अंतरिम सरकार द्वारा गिरफ्तार किए गए संत एवं नागरिक अधिकार कार्यकर्ता चिन्मय कृष्ण ब्रह्मचारी को हिरासत में जान का गंभीर खतरा है।

गाजा में इजरायली हमले में ध्वस्त फिलीस्तीन की इमारत।

ब्रिटेन ने अपने नागरिकों को बांग्लादेश की यात्रा करने को लेकर सचेत किया

लंदन। ब्रिटेन सरकार ने बांग्लादेश के लिए जारी परामर्श को अद्यतन करते हुए ब्रिटिश नागरिकों को वहां की यात्रा करने को लेकर सचेत किया है। विदेश, राष्ट्रमंडल एवं विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने बांग्लदेश लिए जारी परामर्श के सुरक्षा खंड की मंगलवार शाम समीक्षा की। अद्यतन परामर्श में आवश्यक यात्रा को छोड़कर किसी भी तरह की यात्रा करने के प्रति आगाह किया गया है। एफसीडीओ के यात्रा परामर्श में कहा गया, बांग्लादेश में आतंकवादी हमले का प्रयास कर सकते हैं। परामर्श के अनुसार, कई जगह आतंकवादी हमले होने की आशंका है, जिनमें वे स्थान भी शामिल हो सकते हैं, जहां विदेशी नागरिक जाते हैं, जैसे भीड़भाड़ वाले इलाके, धार्मिक स्थल, (और) राजनीतिक रैलियां आदि। कुछ समूहों ने ऐसे लोगों को निशाना बनाया है जिनके बारे में उनका मानना है कि उनके विचार और जीवनशैली इस्लाम के विपरीत हैं।

क्विक न्यूज

अपनी संस्कृति को लेकर भारतवंशियों के उत्साह से अभिभूत हूं : लोकगायिका मैथिली ठाकुर

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया में पहली बार कार्यक्रम पेश करने वाली लोक गायिका मैथिली ठाकुर अपने कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ को देखकर हैरान रह गईं और उन्होंने कहा कि विदेशों में अपनी संस्कृति को लेकर भारतवंशियों का उत्साह उनके आत्मविश्वास को दोगुना कर देता है। बिहार के मधुबनी की रहने वाली मैथिली ने यहां के व्यस्त फेडरेशन स्क्वेयर पर आलवेज लाइव संस्था के एक कार्यक्रम में विभिन्न भारतीय भाषाओं में गीत सुनाए और हजारों की संख्या में उमड़े प्रशंसक उनके गीतों पर झूमे। दुनिया भर में परफार्म करने वाली मैथिली का आस्ट्रेलिया में यह पहला कार्यक्रम था। उन्होंने यहां भारतीय वाणिज्य दूतावास में भाषा को दिए इंटरव्यू में कहा , मैं जहां भी जाती हूं, भारतीय संगीत का प्रतिनिधित्व करती हूं। मेलबर्न के फेडरेशन स्क्वेयर पर भारत की विभिन्न भाषाओं और भजन, सूफी जैसी अलग अलग शैलियों में गाया। मैंने सोचा नहीं था कि मेलबर्न में इतनी संख्या में लोग सुनने के लिए आएंगे। छह वर्ष की उम्र से अपने दादा और पिता से मैथिली लोक संगीत, हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत, हारमोनियम और तबले की तालीम लेने वाली चौबीस वर्षीय इस कलाकार ने कहा, जब मैं भारतवंशियों से भारत के बाहर मिलती हूं तो अपनी संस्कृति को लेकर उनके भीतर अधिक उत्साह देखने को मिलता है। बिल्कुल वैसा ही है कि जब घर से दूर होते हैं तो घर की याद ज्यादा आती है। यहां मुझे सुनने के लिए बिहार, गुजरात, उत्तराखंड, हिमाचल पदेश, महाराष्ट्र सभी राज्यों के लोग थे और मैंने सभी भाषाओं में गाया।

संगीत के प्रति अपने रूझान के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि बचपन से वह लोक गायिका शारदा सिन्हा को सुनती आई हैं जिनका उन पर प्रभाव रहा है। उन्होंने कहा, मैं शारदा जी से ज्यादा मिली तो नहीं हूं लेकिन लोकगीत बचपन से सुन रही हूं। मेरे पापा चाहते थे कि मैं अच्छा संगीत सुनूं और यह क्रम शारदा जी के गीतों से ही शुरू हुआ। छठ पूजा का तो पर्यायवाची शारदाजी का नाम है क्योंकि उनके गीतों से ही छठ शुरू होती है और खत्म होती है। मैथिली ने कहा, बिहार में महिला सशक्तिकरण की बात करें तो शारदाजी एक मिसाल हैं। शारदा सिन्हा का पिछले महीने ही निधन हुआ है। मैथिली का मानना है कि लोक संगीत को सहेजने और उसके प्रचार के लिए सामूहिक प्रयास करने जरूरी हैं। उन्होंने कहा , सामूहिक प्रयास करें तो लोकगीतों का प्रसार तेजी से होगा। मैंने जब शुरू किया था तो मेरे पास कोई रोल मॉडल नहीं था कि उसी की तरह काम करना है। मुझे अपना रास्ता खुद बनाना पड़ा और डर भी था कि कहीं गलत तो नहीं हूं क्योंकि उस समय बॉलीवुड पार्श्वगायन का भी विकल्प था। उन्होंने कहा , मेरे पास कई अच्छे मौके थे लेकिन एक फैसला लेना था और मैंने तय किया कि लोक संगीत को जीवन समर्पित करना है। एक सवाल पर मैथिली ने कहा , ऐसा नहीं है कि बॉलीवुड के दरवाजे बंद हो गए हैं लेकिन मेरा मन लोक संगीत में ही रमता है। अभी मैंने औरों में कहां दम था फिल्म में गाना गाया है जिसके बोल बहुत अच्छे थे और संगीत भी। लेकिन बॉलीवुड में नहीं गाने से मुझे ऐसा कभी नहीं लगता कि कुछ छूट रहा है।

अपने अब तक के सफर के बारे में इस युवा कलाकार ने कहा , मैंने कभी नहीं सोचा था कि लोक गीतों के जरिए मेलबर्न या लंदन तक पहुंच जाऊंगी। मैं भविष्य के बारे में ज्यादा नहीं सोचती लेकिन हमेशा संगीत की साधना करना चाहती हूं। उदीयमान कलाकारों को क्या संदेश देना चाहेंगी, यह पूछने पर उन्होंने कहा , यही कि अपने सपने के लिए खुद ही लड़ना पड़ता है ,समाज से भी। शुरूआत में कोई साथ नहीं होता लेकिन आप सफल हो जाते हैं तो समाज आपसे जुड़ जाता है जिससे और मजबूती मिलती है। अगर परिवार का साथ है तो आप हर बाधा पार कर सकते हैं। बस सपने देखना नहीं छोड़ना है और हार नहीं माननी है।

नेपाल और चीन ने बीआरआई सहयोग मसौदा समझौते पर हस्ताक्षर किए

बीजिंग, काठमांडू। नेपाल और चीन ने बहुप्रतीक्षित बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) सहयोग मसौदा समझौते पर बुधवार को हस्ताक्षर किए। इस समझौते से बीआरआई परियोजनाओं के कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद है। इस समझौते पर नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली की चीन की आधिकारिक यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए। चौथी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने के बाद ओली पहली बार चीन की आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे। प्रधानमंत्री ओली ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी पोस्ट में कहा, आज हमने बेल्ट एंड रोड सहयोग के मसौदा समझौते पर हस्ताक्षर किए। चीन की मेरी आधिकारिक यात्रा समाप्त होने के साथ, मैं प्रधानमंत्री ली क्वींग के साथ द्विपक्षीय वार्ता, एनपीसी के अध्यक्ष झांग लेजी के साथ चर्चा और राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ अत्यंत उपयोगी बैठक से सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि बेल्ट एंड रोड सहयोग मसौदा समझौते के तहत नेपाल-चीन आर्थिक सहयोग और मजबूत होगा। प्रधानमंत्री सचिवालय के मुताबिक विदेश सचिव अमृत बहादुर राय और चीन के राष्ट्रीय विकास एवं सुधार आयोग के लियू सुशे ने बीआरआई मसौदा समझौते पर हस्ताक्षर किए। काठमांडू पोस्ट अखबार के मुताबिक समझौते में चीनी पक्ष ने नेपाली पक्ष द्वारा प्रस्तावित अनुदान शब्द को हटा दिया और बीआरआई के तहत परियोजनाओं के लिए इसके स्थान पर निवेश शब्द रखने का सुझाव दिया। अखबार के मुताबिक नए नियमों और शर्तों की समीक्षा के बाद, अधिकारियों ने एक समाधान तलाशा और नेपाल में परियोजना निष्पादन के संबंध में सहायता और तकनीकी मदद वाक्यांश को शामिल करने का निर्णय लिया।

स्कॉटलैंड की सिख कलाकार जसलीन कौर ने प्रतिष्ठित टर्नर पुरस्कार 2024 जीता

भाषा। लंदन

ग्लासगो में जन्मी भारतीय मूल की कलाकार जसलीन कौर ने व्यक्तिगत, राजनीतिक और आध्यात्मिकै पहलुओं को एक साथ पिरोने के लिए ब्रिटेन का प्रतिष्ठित टर्नर पुरस्कार 2024 जीता है। जसलीन की कृतियां स्कॉटलैंड के सिख समुदाय में पलने-बढ़ने के दौरान की उनकी जिंदगी से प्रेरित हैं। कौर को मंगलवार रात लंदन के टेट ब्रिटेन में आयोजित एक समारोह में अपनी एकल प्रदर्शनी ऑल्टर ऑल्टर के लिए लगभग 26.84 लाख रुपए का पुरस्कार मिला। इस प्रदर्शनी में एकत्रित और पुन: निर्मित वस्तुओं से मूर्तियां बनाई गई थीं, जिनमें से प्रत्एक को कलाकार की प्रस्तुतियों के साथ संगीत रचना के माध्यम से एनिमेटेड किया गया था।

टर्नर पुरस्कार निर्णायक मंडल ने कहा कि उन्होंने कौर को रोजर्मा की वस्तुओं पर उनके विचारों के लिए चुना जिसमें उन्होंने ध्वनि और संगीत के माध्यम से उन्हें जीवंत करके सामुदायिक और सांस्कृतिक विरासतै को सामने रखा। टर्नर पुरस्कार की ज्यूरी ने एक बयान में कहा, निर्णायक मंडल ने इस बात पर गौर किया कि कौर ने कैसे अपनी प्रदर्शनी ऑल्टर ऑल्टर में व्यक्तिगत, राजनीतिक और आध्यात्मिक पहलुओं को एक साथ पिरोया है तथा एक दृश्य और श्रव्य अनुभव का निर्देशन किया है जो एकजुटता और खुशी दोनों का संकेत देता है। कौर ने पुरस्कार मिलने पर कहा, "आज मुझे स्थानीय सिख समुदाय और उन लोगों से बहुत सारे संदेश मिले हैं जिनके साथ मैं बड़ी हुई हूं। इस तरह की चीज बहुत से लोगों के लिए बहुत मायने रखती है। यह विभिन्न समूहों के लिए मायने रखती है और मैं उन सभी का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हूं। दृश्य कला के लिए दुनिया के सबसे प्रसिद्ध पुरस्कारों में से एक टर्नर पुरस्कार का उद्देश्य समकालीन ब्रिटिश कला में नए विकास के बारे में सार्वजनिक बहस को बढ़ावा देना है। 1984 में स्थापित इस पुरस्कार का नाम क्रांतिकारी चित्रकार जेएमडब्लू टर्नर (1775-1851) के नाम पर रखा गया है और यह पुरस्कार प्रत्एक वर्ष किसी ब्रिटिश कलाकार को उसके काम की उत्कृष्ट प्रदर्शनी या अन्य प्रस्तुति के लिए दिया जाता है। इसके पूर्व विजेताओं में ब्रिटिश भारतीय मूर्तिकार अनीश कपूर भी शामिल हैं।

ट्रंप की टीम ने नियुक्तियों के संदर्भ में पृष्ठभूमि जांच के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए

वाशिंगटन। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सत्ता हस्तांतरण टीम ने न्याय विभाग के साथ एक समझौता किया है, जिससे न्याय विभाग के लिए आगामी ट्रंप प्रशासन द्वारा नामित व्यक्तियों की पृष्ठभूमि की जांच करने और उनकी सुरक्षा जांच प्रक्रिया शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। समझौता ज्ञापन पर मंगलवार को हस्ताक्षर किए गए। यह ऐसे समय में हुआ है जब सरकार में शीर्ष पदों के लिए ट्रंप के कुछ पसंदीदा नामित व्यक्तियों को लेकर विवाद है। मंगलवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप के प्रशासन में सेवा देने के उद्देश्य से वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की नियुक्ति की तैयारी का यह अगला चरण है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप की चीफ ऑफ स्टाफ सूसी विल्स ने कहा, न्याय विभाग (डीओजे) के साथ यह समझौता सुनिश्चित करेगा कि राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी टीम पहले दिन से ही अमेरिका प्रथम के एजेंडा को लागू करने के लिए तैयार रहे, जिसे हमारे देश की जनता ने चुनाव के दिन भारी बहुमत देकर चुना है। प्रेस वक्तव्य में कहा गया है कि आखिरकार इससे सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया में मदद मिलेगी। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी, 2025 को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। समझौते में कहा गया कि डीओजे के साथ समझौता ट्रंप की टीम को नामित व्यक्तियों की पृष्ठभूमि की जांच और सुरक्षा जांच के लिए नाम प्रस्तुत करने की अनुमति देता है।

भारत ने फलस्तीन पर संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के उस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, जिसमें पूर्वी यरुशलम सहित 1967 से कब्जाए गए फलस्तीनी क्षेत्र से इजराइल से वापस जाने का आह्वान किया गया है तथा पश्चिम एशिया में व्यापक, न्यायपूर्ण और स्थाई शांति प्राप्त करने के आह्वान को दोहराया गया है। सेनेगल द्वारा प्रस्तुत फलस्तीन के प्रश्न का शांतिपूर्ण समाधान विषयक मसौदा प्रस्ताव को मंगलवार को 193 सदस्यीय महासभा में भारी बहुमत से स्वीकार कर लिया गया। भारत उन 157 देशों में शामिल था जिन्होंने इसके पक्ष में मतदान किया, जबकि आठ सदस्य देशों - अर्जेंटीना, हंगरी, इजराइल, माइक्रोनेशिया, नाउरू, पलाऊ पापुआ न्यू गिनी और अमेरिका ने इसके खिलाफ मतदान किया। कैमरून, चेकिया, इक्वाडोर, जॉर्जिया, पैराग्वे, यूक्रेन और उरुग्वे ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया।

मौखिक रूप से संशोधित रूप में अपनाए गए प्रस्ताव में प्रासंगिक संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों के आधार पर पश्चिम एशिया में बिना किसी देरी के व्यापक, न्यायसंगत और स्थाई शांति की प्राप्ति तथा पूर्वी यरुशलम सहित 1967 में शुरू हुए इजराइली कब्जे को समाप्त करने का आह्वान दोहराया गया। प्रस्ताव में पूर्वी यरुशलम सहित 1967 से कब्जाए गए फलस्तीनी क्षेत्र से इजराइल की वापसी और फलस्तीनी लोगों के अधिकारों, मुख्य रूप से आत्मनिर्णय के अधिकार और उनके स्वतंत्र राज्य के अधिकार को साकार करने का आह्वान किया गया।

प्रस्ताव के माध्यम से महासभा ने अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार, इजराइल और फलस्तीन के द्वि-राष्ट्र समाधान के लिए अपने अटूट समर्थन की पुष्टि की जिसके तहत दोनों 1967 से पूर्व की सीमाओं के आधार पर मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर शांति एवं सुरक्षा के साथ एक साथ रहेंगे।

प्रस्ताव में गाजा पट्टी में जनसांख्यिकीय या क्षेत्रीय परिवर्तन के किसी भी प्रयास को अस्वीकार कर दिया गया, जिसमें गाजा के क्षेत्र को सीमित करने वाली कोई भी कार्वाई शामिल है। प्रस्ताव में इस बात पर भी जोर दिया गया कि गाजा पट्टी 1967 में कब्जे वाले फलस्तीनी क्षेत्र का एक अभिन्न हिस्सा है और यह द्वि-राष्ट्र समाधान के दृष्टिकोण की पुष्टि करता है, जिसमें गाजा पट्टी फलस्तीन का हिस्सा होगी। प्रस्ताव में सैन्य हमलों, विनाश और आतंकवादी कृत्यों सहित हिंसा के सभी कृत्यों तथा उकसावे वाले सभी कृत्यों को तत्काल और पूर्ण रूप से रोकने की आवश्यकता पर बल दिया गया है। भारत ने महासभा में एक और प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया जिसमें मांग की गई थी कि प्रासंगिक सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के कार्यान्वयन में इजराइल कब्जे वाले सीरियाई गोलन से हटे तथा जून 1967 में तय सीमा रेखा पर लौट जाए।

दक्षिण कोरिया के विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति यून के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश किया

सियोल (दक्षिण कोरिया)। दक्षिण कोरिया की विपक्षी पार्टियों ने बुधवार को राष्ट्रपति यून सुक एओल के खिलाफ संसद में महाभियोग प्रस्ताव पेश किया। अल्पकालिक मार्शल लॉ लागू करने के मुद्दे को लेकर राष्ट्रपति यून पर राष्ट्रपति पद छोड़ने का दबाव है। इस कानून की वजह से सैनिकों ने संसद को घेर लिया था। हालांकि, सांसदों ने मार्शल लॉ को हटाने के पक्ष में मतदान किया, जिसके बाद यून ने इसे हटाने की घोषणा की। राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाने के लिए प्रस्ताव संसद के दो-तिहाई बहुमत या 300 में से 200 सदस्यों के समर्थन की आवश्यकता होगी। इसके बाद कम से कम छह संवैधानिक न्यायालय के न्यायाधीशों का समर्थन भी आवश्यक होगा। मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी और पांच छोटे विपक्षी दलों द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तुत इस प्रस्ताव पर शुक्रवार को मतदान हो सकता है।

यून के वरिष्ठ सलाहकारों और मंत्रियों ने सामूहिक रूप से इस्तीफा देने की पेशकश की है तथा रक्षा मंत्री किम योंग ह्युन सहित उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों से भी पद छोड़ने की मांग की गई है। राजधानी में सड़कों पर पुलिस हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार नजर आई। आम दिनों की तरह ही पर्यटक और निवासी सड़कों पर नजर आए, यातायात और निर्माण कार्य भी जारी रहा। यून ने मंगलवार रात अचानक मार्शल लॉ लागू कर दिया और विपक्ष के वर्चस्व वाली संसद में अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने में संघर्ष करने के बाद राष्ट्र विरोधी ताकतों को खत्म करने का संकल्प लिया गया।

राष्ट्रपति द्वारा लागू मार्शल लॉ केवल छह घंटे तक ही प्रभावी रहा, क्योंकि नेशनल असेंबली (दक्षिण कोरिया की संसद) ने राष्ट्रपति के फैसले को खारिज करने के पक्ष में मतदान किया। सुबह करीब साढ़े चार बजे कैबिनेट की एक बैठक के दौरान मार्शल लॉ हटाने का फैसला किया गया जिसके बाद इसे हटाने की औपचारिक घोषणा की गई। उदारवादी विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी 300 सीट वाली संसद में बहुमत रखती है। पार्टी ने बुधवार को कहा कि उसके सांसदों ने यून से तत्काल पद छोड़ने को कहा है, अन्यथा वे उनके खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए कदम उठाएंगे।

डेमोक्रेटिक पार्टी ने एक बयान में कहा, राष्ट्रपति यून सुक एओल की मार्शल लॉ की घोषणा संविधान का स्पष्ट उल्लंघन है। इसे घोषित करने के लिए किसी भी आवश्यक नियम का पालन नहीं किया गया। बयान में कहा गया, उनकी मार्शल लॉ की घोषणा मूल रूप से अमान्य है और संविधान का गंभीर उल्लंघन है। यह विद्रोह का एक गंभीर कृत्य था और उनके खिलाफ महाभियोग के लिए एकदम सही आधार प्रदान करता है। हालांकि, नेशनल असेंबली के अधिकारियों के अनुसार, डेमोक्रेटिक पार्टी और अन्य छोटे विपक्षी दलों के पास कुल 192 सीट हैं। लेकिन जब संसद ने 190-0 वोट से यून के मार्शल लॉ की घोषणा को खारिज कर दिया, तो यून की सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी के लगभग 10 सांसदों ने भी विपक्ष का समर्थन करते हुए मतदान किया।

अगर यून पर महाभियोग चलाया जाता है, तो संवैधानिक न्यायालय द्वारा फैसला सुनाए जाने तक उनकी संवैधानिक शक्तियां छीन ली जाएंगी। दक्षिण कोरियाई सरकार में दूसरे नंबर के पद पर काबिज प्रधानमंत्री हान डक-सू, राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारियां संभालेंगे। यून की मार्शल लॉ घोषणा 40 से अधिक वर्षों में अपनी तरह की पहली घोषणा है, जो दक्षिण कोरिया की पिछली सैन्य-समर्थित सरकारों की याद दिलाती है, जब अधिकारी कभी-कभी मार्शल लॉ और अन्य फरमानों की घोषणा करते थे। यह कानून अधिकारियों को सरकार विरोधी प्रदर्शनों को रोकने के लिए सड़कों या स्कूलों जैसे सार्वजनिक स्थानों पर लड़ाकू सैनिकों, टैंकों और बख्तरबंद वाहनों को तैनात करने की अनुमति देता है। 1980 के दशक के उत्तरार्ध में दक्षिण कोरिया के वास्तविक लोकतंत्र प्राप्त करने के बाद से मंगलवार रात तक सैन्य हस्तक्षेप के ऐसे दृश्य नहीं देखे गए थे।

यून की घोषणा के बाद हथियारों से लैस सैनिकों ने संसद को घेर लिया और प्रदर्शनकारियों को नेशनल असेंबली से दूर रखने की कोशिश की।

हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि 190 सांसद यून के मार्शल लॉ के फैसले के खिलाफ मतदान करने के लिए संसद के हॉल में कैसे प्रवेश कर पाए। कथित तौर पर कुछ सांसद दीवारों पर चढ़ गए, जबकि सैनिकों और पुलिस अधिकारियों ने कुछ को प्रवेश करने से रोक दिया, हालांकि उन्होंने सांसदों पर आक्रामक तरीके से रोक नहीं लगाई या बल का प्रयोग नहीं किया। इस पूरे प्रकरण में किसी बड़ी हिंसा की खबर नहीं है। बाद में मार्शल लॉ हटाने के पक्ष में संसद में वोट के बाद सैन्य बलों और पुलिसकर्मियों को नेशनल असेंबली से बाहर निकलते देखा गया। नेशनल असेंबली के स्पीकर वू वोन शिक ने कहा, सैन्य तख्तापलट की हमारी दुर्भाग्यपूर्ण यादों के बावजूद, हमारे नागरिकों ने निश्चित रूप से आज की घटनाओं को देखा है और हमारी सेना की परिपक्वता देखी है।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 5 दिसंबर, 2024

स्पिन की भूमिका रहेगी, एडीलेड की पिच संतुलित मुकाबले के लिए तैयार की गई है

मुख्य क्यूरेटर डेमियन हॉग ने साथ ही वादा किया कि पिच पर छह मिमी घास छोड़ी जाएगी जिससे कि यहां दिन-रात्रि मैच के दौरान गेंद जल्दी पुरानी न हो

भाषा। एडीलेड

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरे टेस्ट के दौरान स्पिन गेंदबाजी के भूमिका निभाने की उम्मीद है लेकिन एडीलेड ओवल के मुख्य क्यूरेटर डेमियन हॉग ने साथ ही वादा किया है कि पिच पर छह मिमी घास छोड़ी जाएगी जिससे कि यहां दिन-रात्रि मैच के दौरान गेंद जल्दी पुरानी नहीं हो। हॉग ने कहा कि घास की मौजूदगी से शुरुआत में तेज गेंदबाजों को मदद मिलेगी जबकि मैच आगे बढ़ने के साथ स्पिनर की भूमिका भी बनेगी। हॉग ने शुक्रवार से यहां शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट से पहले मीडिया से कहा, इतिहास से पता चलता है कि एडीलेड में दूधिया रोशनी में बल्लेबाजी करना मुश्किल होता है। पिच पर छह मिमी घास होगी। हम प्रसास कर रहे हैं कि मैच के दौरान खेल के सभी पहलुओं को भूमिका निभाने का मौका मिले। उन्होंने कहा, हम ऐसी घास छोड़ने का प्रयास कर रहे हैं जो सूखी और सख्त हो। और हम ऐसा इसलिए कर रहे हैं जिससे कि अधिक से अधिक गति और उछाल हासिल कर सकें। भारत ने पर्थ में पहला टेस्ट रिकॉर्ड 295 रन से जीता जो चार दिन तक चला। इस टेस्ट में मैच आगे बढ़ने के साथ बल्लेबाजी आसान होती गई। हॉग के पास गुलाबी गेंद के मैच के लिए भी ऐसी ही योजनाएं हैं। हॉग ने कहा, स्पिन आमतौर पर भूमिका निभाती है इसलिए घास के कारण गेंद तेजी से निकल सकती है और आम तौर पर अच्छा उछाल मिलता है। यही योजना है। उम्मीद है कि जैसे-जैसे गेंद पुरानी होती जाएगी बल्लेबाज इसका फायदा उठा पाएंगे और अगर कोई साझेदारी होती है तो वे इसका फायदा उठाएंगे। पर्थ टेस्ट में स्पिनरों की अधिक भूमिका नहीं थी और क्यूरेटर ने कहा कि एडीलेड ओवल में स्पिनरों को अधिक सहायता मिलेगी। हॉग ने एडीलेड पर स्पिनरों की भूमिका पर कहा, स्पिन हमेशा एडीलेड में अहम भूमिका निभाती है। आपको एक विशेषज्ञ स्पिनर चुनने की जरूरत है। कभी भी हम चुने या नहीं? का सवाल नहीं होना चाहिए। हमेशा ऐसा होना चाहिए। उन्होंने कहा, मेरी तरफ से हमेशा एक स्पिनर चुनें। उस अतिरिक्त घास को छोड़ने का विचार यही है कि स्पिनर को इससे फायदा मिले। उन्होंने दोहराया कि लक्ष्य एक अच्छा, संतुलित मुकाबला कराना है।क्यूरेटर ने कहा, आमतौर पर तेज गेंदबाजों को पूरे मैच में कुछ सहायता मिलनी चाहिए। और हम जानते हैं कि तेज गेंदबाज ऐसा कर सकते हैं। रात के सत्र में स्पिन की भूमिका हो सकती है।

मुझे उम्मीद है कि मिचेल मार्श एडिलेड में गेंदबाजी करेंगे

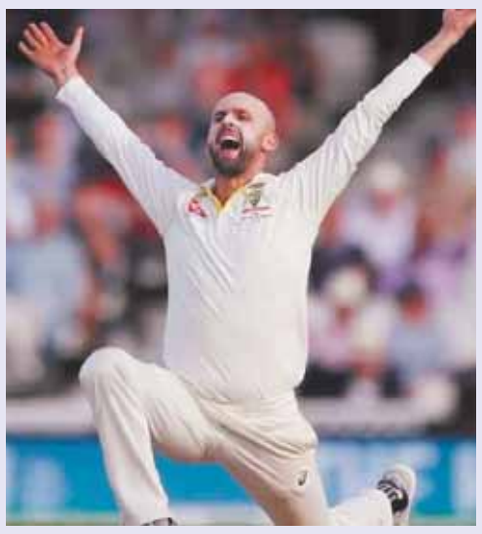

एडिलेड। (भाषा) ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर नाथन लियोन ने उम्मीद जताई की हरफनमौला मिचेल मार्श भारत के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच मे गेदबाजी करेंगे और अगर ऐसा नही हुआ तो वह कुछ अतिरिक्त ओवर करने के लिए तैयार रहेंगे। मार्श बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए खेली जा रही पांच मैचो की श्रृंखला के पहले टेस्ट मे चोटिल हो गए थे। मार्श ने इस मैच मे 19.3 ओवर गेदबाजी की थी। भारत ने इस मैच को 295 रन से जीता था। ऑस्ट्रेलिया ने मार्श के विकल्प के तौर पर हरफनमौला ब्यू वेबस्टर को टीम मे शामिल किया है लेकिन ऐसा लग रहा है कि मार्श एकादश मे अपनी जगह बनाए रखेंगे। लियोन ने बुधवार को कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे लगता है कि हम मिचेल मार्श को गेदबाजी करते हुए देखेंगे। उन्होने कहा मुझे बाइसन (मार्श) की फिटनेस की चिंता नही है। उसने जब से टेस्ट टीम मे वापसी की है तब से वह हमारे लिए शानदार रहा है। वह एशेज के दौरान लीड्स मे वापसी करने के बाद दबदबा कायम करने मे सफल रहा है। अगर जरूरत हुई तो मुझे उसके ओवरो को पूरा करने मे कोई परेशानी नही होगी। टीम मे हरफनमौला खिलाड़ी की गैरमौजूदगी मे भी लियोन ने अतीत मे गेदबाजी मे अतिरिक्त जिम्मेदारी उठाई है। इस 37 साल के गेदबाज ने कहा, मै टीम मे अपनी योजना को लेकर पूरी तरह से स्पष्ट हूं। अगर कुछ अतिरिक्त ओवर डालने का मौका मिलता है तो इससे मुझे कोई फर्क नही पड़ता है। मै इस तरह के मौके का फायदा उठाना चाहता हूं। टेस्ट मे 500 से ज्यादा विकेट लेने वाले लियोन का एडिलेड ओवल मैदान पर शानदार रिकॉर्ड है। उन्होने यहां 13 मैचो मे 25.26 की औसत से 63 विकेट लिए है। इसमे से सात मैच दिन-रात्रि रहे है। उन्होने कहा, मुझे लगता है कि यह पिचरो के लिए शानदार स्थल है। डेमियन (मुख्य क्यूरेटर) यहां ऐसी पिच तैयार करते है जिसमे पिचरो के लिए भी काफी कुछ हो। यहां बल्लेबाज और गेदबाज दोनो के लिए चुनौती होती है। यह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ पिचो मे से एक है। मेजबान टीम ने पर्थ मे बहुत खराब प्रदर्शन किया और इस तरह पांच मैचो की सीरीज मे 0-1 से पीछे चल रही है। लियोन को हालांकि उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलिया वापसी करेगा। उन्होने कहा, हमे उस हार के विश्लेषण करने का पूरा समय मिला। पर्थ मे हमने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नही किया। पांच टेस्ट मैचो की टेस्ट श्रृंखला की खूबसूरती यह है कि हमारे पास वापसी का मौका होगा।

काफी उतार-चढ़ाव देखे, विभिन्न क्रम पर बल्लेबाजी की और मानसिक चुनौती का सामना किया है: राहुल

भाषा। एडिलेड

लोकेश राहुल को राष्ट्रीय टीम के साथ अपना 10 साल का करियर 25 साल का लगता है क्योंकि इस दौरान उन्हें बल्लेबाजी क्रम में लगातार बदलाव के कारण मानसिक चुनौती से जूझने के साथ चोट के कारण खेल से दूर रहने और कई तरह की टिप्पणियों का सामना करना पड़ा है। पर्थ में पहले टेस्ट में सलामी बल्लेबाज के रूप में अच्छा प्रदर्शन करने के आत्मविश्वास से भरे राहुल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले अपने दस साल के उतार-चढ़ाव भरे सफर पर सवालों का खुल कर सामना किया। इस बल्लेबाज ने कहा, मुझे 25 साल जैसा महसूस हो रहा है। मैं कई बार चोटिल हुआ हूं और इससे यह बहुत लंबा समय लगता है। मैंने हालांकि हर पल का लुत्फ उठाया है। राहुल को करियर के शुरुआत से बेहद प्रतिभाशाली माना जाता रहा है लेकिन उन्होंने अपने 10 साल के करियर में सिर्फ 54 टेस्ट खेले हैं। उन्होंने कहा, दस साल पहले मैंने ऑस्ट्रेलिया में अपनी पहली श्रृंखला खेली थी। उस समय मेरे दिमाग में बहुत कुछ चल रहा था। एक छोटे लड़के के रूप में सुबह पांच बजे उठकर अपने पिता के साथ ऑस्ट्रेलिया में होने वाली श्रृंखला को देखने से वहां खेलने तक। उन्होंने कहा, उस समय मैं अपनी बल्लेबाजी, रन बनाने के तरीके, शोर से दूर रहने के तरीके के बारे में उतना आश्वस्त नहीं था जितना अब हूं। अपने शुरुआती 10 साल में संघर्ष करने वाले राहुल अगले 10 साल को यादगार बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में शुक्रगुजार हूं कि मुझे उतार-चढ़ाव से गुजरना पड़ा। अच्छे, बुरे और सब कुछ अनुभव करना पड़ा। इसलिए अगले 10 वर्षों का बेसब्री से इंतजार है।

राहुल ने कहा कि उन्होंने बल्लेबाजी क्रम में लगातार बदलाव की मानसिक चुनौती पर काबू पा लिया है और वह टीम के लिए किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी करने को तैयार हैं। राहुल ने पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया था और नियमित कप्तान रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में पारी का आगाज करते हुए 26 और 77 रन बनाए थे। रोहित की टीम में वापसी के बाद राहुल से जब बल्लेबाजी क्रम के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, कुछ भी (पारी का आगाज करना या मध्य क्रम) हो सकता है। इस 32 साल के बल्लेबाज ने यहां भारत के अभ्यास सत्र से पहले संवाददाताओं से कहा, मैं सिर्फ अंतिम एकादश में रहना चाहता हूं, जिसका मतलब है कि जहां भी मौका मिले वहां टीम के लिए बल्लेबाजी करने के लिए तैयार हूं। राहुल ने ऑस्ट्रेलिया में अपना टेस्ट करियर ठीक एक दशक पहले मध्यक्रम के बल्लेबाज के रूप में शुरू किया था। उन्होंने बाद में हालांकि सलामी बल्लेबाज की भूमिका भी निभाई। इस बीच टेस्ट और वनडे दोनों में उनका बल्लेबाजी क्रम लगातार बदलता रहा।

पंत ने टेस्ट क्रिकेट को आसानी से अपना लिया

मुंबई। पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का मानना है कि भारतीय क्रिकेट टीम मे महेंद्र सिंह धोनी के संन्यास से पैदा हुई कमी को ऋषभ पंत ने तुरंत भर दिया जिन्होने टेस्ट क्रिकेट को ऐसे अपनाया जैसे बतख पानी को अपनाती है।दिसंबर 2022 मे कार दुर्घटना मे गंभीर रूप से घायल हुए आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज पंत ने गाबा मे चौथे टेस्ट मे 89 रन की मैच विजई पारी खेली और श्रृंखला मे 274 रन बनाकर 2020-21 मे ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत की 2-1 की जीत मे अहम भूमिका निभाई। द्रविड़ ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, धोनी के जाने के बाद आपको लगा होगा कि शायद किसी को भी उसकी जगह लेने मे समय लगेगा। उन्होने कहा, मै यह नही कह रहा कि उसने उनकी जगह ले ली है लेकिन निश्चित रूप से टेस्ट क्रिकेट मे उसका प्रदर्शन शानदार रहा है, अविश्वसनीय प्रदर्शन। भारत के पूर्व कप्तान और कोच ने कहा, पंत को गाबा मे उस टेस्ट मैच को जीतने के लिए 89 रन बनाते हुए देखना, जब सब कुछ दांव पर लगा हुआ था और टीम इतनी कमजोर थी, उस तरह के दबाव मे उस तरह का प्रदर्शन करना - बेहद शानदार... वह कितने विशेष क्रिकेटर है।

यूएई को हराकर भारत अंडर-19 एशिया कप के सेमीफाइनल में

शारजाह।(भाषा) तेरह साल के वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे के अर्धशतक से भारत ने बुधवार को यहां ग्रुप ए में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 10 विकेट से रौंदकर अंडर-19 एशिया कप एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए यूएई ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और पूरी टीम 44 ओवर में 137 रन पर सिमट गई। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज युद्धजीत गुहा भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 15 रन देकर तीन विकेट चटकाए। चेतन शर्मा (27 रन पर दो विकेट) और ऑलराउंडर हार्दिक राज (28 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट हासिल किए। भारत ने इसके जवाब में सूर्यवंशी (46 गेंद में नाबाद 76) और आयुष (51 गेंद में नाबाद 67) के बीच पहले विकेट की अटूट शतकीय साझेदारी की मदद से 16.1 ओवर में बिना विकेट खोए 143 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। सूर्यवंशी ने हाल में आईपीएल नीलामी में सुर्खियां बटोरी थी जब राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें एक करोड़ 10 लाख रुपए में खरीदा। वह लीग के इतिहास में नीलामी में उतरने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। बाएं हाथ के बल्लेबाज सूर्यवंशी ने अपनी पारी में तीन चौके और चार छक्के मारे जबकि आयुष ने चार छक्के और इतने ही चौके जड़े। भारत ने टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप के पहले मैच में 43 रन की निराशाजनक हार के साथ की थी लेकिन फिर जापान की कमजोर टीम को 211 रन से हराया था। भारत सेमीफाइनल में ग्रुप बी में शीर्ष पर रहे श्रीलंका से भिड़ेगा जबकि ग्रुप ए में शीर्ष पर रहा पाकिस्तान शुक्रवार को बांग्लादेश से खेलेगा। पाकिस्तान और श्रीलंका दोनों ग्रुप चरण में अजेय रहे।

हरमनप्रीत को विश्वकप से पहले शेफाली के लय में लौटने की उम्मीद

ब्रिसबेन। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने ऑस्ट्रेलिया दौरे की एकदिवसीय टीम मे शामिल नही की गई युवा सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा का समर्थन करते हुए उम्मीद जताई कि वह अगले साल घरेलू सरजमी पर होने वाले महिला विश्व कप से पहले लय हासिल कर लेगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार से शुरू हो रही तीन वनडे मैचो की श्रृंखला मे टीम को शेफाली के अलावा विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया की सेवाएं नही मिलेगी। यास्तिका को महिला बिग बैश लीग के दौरान कलाई मे चोट लग गई थी। श्रृंखला के पहले मैच की पूर्व संध्या पर हरमनप्रीत ने कहा, वह (शेफाली) हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण खिलाड़ी है और उसने देश के लिए असाधारण प्रदर्शन किए है। हम उसे अपने जोन (लय) मे वापस आते और टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करते देखने के लिए उत्सुक है। यास्तिका की जगह युवा उमा छेत्री को शामिल किया गया है जबकि तीन मैचो की श्रृंखला मे रिचा घोष, हरलीन देयोल, टिटास साधु और मिन्नू मनी की वापसी हुई है। हरमनप्रीत ने कहा, हम जब भी खेलते है, हमारा लक्ष्य जीतना होता है और यह श्रृंखला भी अपवाद नही है। यह देखकर अच्छा लगता है कि हमारी टीम एकदिवसीय प्रारूप मे अच्छा प्रदर्शन कर रही है और हम इसी लय को बरकरार रखना चाहते है। भारतीय कप्तान ने कहा, सभी मैच महत्वपूर्ण है।

भारतीय महिला टीम के सामने आस्ट्रेलिया को उसके गढ़ में हराने की कड़ी चुनौती

ब्रिसबेन। (भाषा) भारत और आस्ट्रेलिया की पुरूष टीमों के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी को लेकर बनी हाइप के बीच दोनों देशों की महिला क्रिकेट टीमें बृहस्पतिवार से यहां एलेन बॉर्डर फील्ड पर तीन मैचों की वनडे श्रृंखला खेलेगी तो हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम की नजरें आस्ट्रेलिया में अपना रिकॉर्ड दुरूस्त करके अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारियों का आगाज करने पर होंगी।अक्टूबर में टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाने में विफल रही भारतीय टीम ने पिछले महीने न्यूजीलैंड को घरेलू वनडे श्रृंखला में 2-1 से हराया। आस्ट्रेलिया की चुनौती हालांकि भारत के लिए हमेशा कठिन रही है जिसने यहां अब तक सोलह वनडे में से चार ही जीते हैं। पिछली बार 2021 में यहां तीन मैचों की श्रृंखला में आस्ट्रेलिया ने भारत को 2-1 से हराया था। वहीं पिछले करीब नौ महीने से इस प्रारूप में नहीं खेली गत चैम्पियन आस्ट्रेलिया की नजरें अगले साल भारत में होने वाले वनडे विश्व कप से पहले खुद को आजमाने पर लगी होंगी।भारत की उम्मीदों का दारोमदार हालांकि अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना पर रहेगा जिन्होंने पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ निर्णायक वनडे में शतक जमाकर भारत को जीत दिलाई। उन पर इस लय को कायम रखते हुए भारत को ठोस शुरुआत देने की जिम्मेदारी रहेगी। उन्होंने पिछले छह वनडे में सत्तर से ऊपर की औसत से 448 रन बनाए हैं। दूसरी ओर आस्ट्रेलिया को कप्तान एलिसा हीली की कमी खलेगी जो घुटने की चोट के कारण बाहर हैं। यह श्रृंखला आईसीसी महिला चैम्पियनशिप का हिस्सा है जिसमें आस्ट्रेलिया फिलहाल अठारह में से तेरह वनडे जीतकर पहले स्थान पर है। इस चैम्पियनशिप से मेजबान भारत के अलावा पांच टीमों को अगले साल होने वाले विश्व कप में स्वत: जगह मिलेगी। हीली की जगह क्रीसलैंड और सिडनी थंडर्स की बल्लेबाज जॉर्जिया वोल को पदार्पण का मौका दिया गया है।हरफनमौला ताहलिया मैकग्रा टीम की कमान संभालेंगी जिनके प्रदर्शन पर बहुत कुछ निभर करेगा। मैकग्रा ने कहा, भारतीय टीम में कई बड़े खिलाड़ी है। उनके खिलाफ हर मुकाबला कड़ी टक्कर वाला होता है। मैच में कई अहम क्षण होते हैं। हमारे घरेलू मैचों में भी भारतीय टीम को दर्शकों का काफी समर्थन मिलता है। भारतीय टीम को विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया की कमी खलेगी जो महिला बिग बैश लीग के दौरान मेलबर्न स्टार्स के लिए खेलते हुए कलाई की चोट का शिकार हो गई। उनकी जगह टीम में शामिल की गई युवा विकेटकीपर उमा छेत्री अपनी पहली वनडे श्रृंखला में छाप छोड़ना चाहेंगी।वहीं खराब फॉर्म से जूझ रही शेफाली वर्मा को टीम में जगह नहीं मिल सकी है जिन्होंने अक्टूबर में यूएई में हुए टी ट्वेंटी विश्व कप में चार पारियों में सिर्फ 97 रन बनाए। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए तीन मैचों में भी वह 33, 11 , 12 रन ही बना सकी। कप्तान हरमनप्रीत कौर का फॉर्म भी चर्चा का विषय रहा जो आस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली वनडे श्रृंखला में तीनों मैचों में दोहरे अंक तक भी नहीं पहुंच सकी थी।

स्टोक्स ने आईसीसी की ओवर रेट गणना पर सवाल उठाया

वेलिंग्टन। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने पिछले साल लॉर्ड्स में एशेज टेस्ट के बाद से ओवर रेट शीट पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं क्योंकि वह इसके आंकलन के बारे में अपनी चिंताओं को लेकर आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) के साथ बातचीत करने का इंतजार कर रहे हैं।इस मामले पर स्टोक्स की हालिया टिप्पणी तब आई जब क्राइस्टचर्च में पहले टेस्ट के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए इंग्लैंड और न्यूजीलैंड दोनों पर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में तीन-तीन अंक का जुर्माना लगाया गया। ईएसपीएनक्रिकइंफो के हवाले से स्टोक्स ने ओवर गति के जुर्माने पर कहा, दोनों टीमों के दृष्टिकोण से सबसे निराशाजनक बात यह है कि यह मैच समय से पहले खत्म हुआ और इसका स्पष्ट परिणाम भी निकला। मुझे हालांकि लगता है कि निराशा वास्तव में पिछले साल एशेज में हुई थी, जब मैंने पहली बार मैच रेफरी और अंपायरों के सामने इस मुद्दे को उठाया था। इस हरफनमौला ने कहा, मुझे लगता है कि सबसे निराशाजनक बात यह है कि यह हमेशा एक मुद्दा होता है जो इस बात पर निर्भर करता है कि आप दुनिया में कहां हैं और क्रिकेट की शैली क्या है। एशिया में ओवर-रेट कभी भी समस्या नहीं होती है क्योंकि वहां स्पिन गेंदबाजी ज्यादा होती है। स्टोक्स ने आईसीसी द्वारा जुर्माना लगाए जाने वाले सोशल मीडिया पोस्ट पर व्यंग्यात्मक इमोजी पोस्ट की थी।उन्होंने कहा, आपको कई रणनीतिक फैसले लेने होते हैं, चाहे वह गेंदबाज से बात करना हो या क्षेत्ररक्षण में बदलाव करना हो। स्टोक्स ने पिछले साल एशेज टेस्ट के बाद से ओवर रेट शीट पर हस्ताक्षर नहीं किया है। उन्होंने अपने इस फैसले का बचाव करते हुए कहा, एक कप्तान के तौर पर, मैं चीजों को काफी बदलना पसंद करता हूं और एक ओवर में छह गेंदों पर क्षेत्ररक्षण पूरी तरह से अलग हो सकती है। इन चीजों पर हालांकि ध्यान नहीं दिया जाता है। जल्दी करो कहने से इस समस्या का हल नहीं होगा, हम कहां खेल रहे हैं इस पर ध्यान देना होगा।

विश्व शतरंज चैंपियनशिप: गुकेश और लिरेन ने आठवीं बाजी भी ड्रॉ खेली

सिंगापुर। भारतीय चैलेंजर डी गुकेश और चीन के गत चैंपियन डिंग लिरेन ने बुधवार को यहां विश्व शतरंज चैंपियनशिप की आठवीं बाजी में लगातार पांचवां ड्रॉ खेला जिससे दोनों समान अंकों के साथ बराबरी पर चल रहे हैं।इस ड्रॉ बाजी के बाद दोनों खिलाड़ियों के खाते में 4-4 अंक हैं जो चैंपियनशिप जीतने के लिए जरूरी 7.5 अंक से अब भी 3.5 अंक कम है। दोनों खिलाड़ी आठवीं बाजी में 51 चाल के बाद ड्रॉ पर सहमत हो गए। यह 14 दौर के मुकाबले का छठा ड्रॉ था। चीन के 32 वर्षीय लिरेन ने शुरुआती बाजी जीती थी जबकि 18 वर्षीय गुकेश तीसरी बाजी में विजई रहे थे। दूसरी, चौथी, पांचवीं, छठी और सातवीं बाजी भी ड्रॉ रही।

आईलीग: रीयल कश्मीर ने दिल्ली एफसी को 2-1 से हराया, चर्चिल ने पहली जीत दर्ज की

श्रीनगर। रीयल कश्मीर एफसी ने बुधवार को यहां आईलीग फुटबॉल मैच में दिल्ली एफसी को 2-1 से हराया जो टीम की घरेलू मैदान पर तीन मैच में दूसरी जीत है।रीयल कश्मीर की ओर से टीआरसी फुटबॉल टर्फ मैदान पर बोबा अमिनोउ (72वें मिनट) और लालरमदिनसांगा राल्टे (84वें मिनट) ने गोल दागे। दिल्ली की टीम के लिए एकमात्र गोल स्टीफन समीर बिनोंग ने 89वें मिनट में किया। रीयाल कश्मीर ने मौजूदा सत्र में अब तक अपने तीनों मुकाबले अपने घरेलू मैदान पर खेले हैं और उसके तीन मैच में सात अंक हैं। दिल्ली की टीम को दूसरी हार का सामना करना पड़ा और उसका सिर्फ एक अंक है।बेंगलुरू में खेले गए दिन के एक अन्य मैच में चर्चिल ब्रदर्स ने एससी बेंगलुरू को 3-1 से हराकर पहली जीत दर्ज की। एससी बेंगलुरू की टीम अंतिम स्थान पर चल रही है। उसने अब तक अपने सभी मुकाबले गंवाए हैं। वह एकमात्र टीम है जो मौजूदा सत्र में अब तक अंक नहीं जुटा पाई है। स्पेन के जोर्डन लामेला (12वें मिनट) ने निचली लीग से आईलीग में आए एससी बेंगलुरू को शुरुआती बढ़त दिलाई लेकिन चर्चिल ने कोलंबिया के सबेस्टियन गुटेरेस (25वें मिनट), सेनेगल के मिडफील्डर पापे अलासाने गसामा (38वें मिनट) और वेडे लेकाय (81वें मिनट) के गोल की मदद से आसान जीत दर्ज की।

जय शाह के पास क्रिकेट को संकट से बाहर निकालने की क्षमता: बार्कले

लंदन।(भाषा) अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के पूर्व अध्यक्ष ग्रेग बार्कले का मानना है कि जय शाह में क्रिकेट को मौजूदा संकट से बाहर निकालने और इसे अगले स्तर पर ले जाने की क्षमता है। उन्होंने हालांकि अपने उत्तराधिकारी को खेल को भारत के दबदबे में रखने के खिलाफ भी आगाह किया।

बार्कले ने चार साल के कार्यकाल के बाद एक दिसंबर को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन स्थलों को लेकर चल रहे मौजूदा संकट के बीच अपने पद से हटने वाले बार्कले ने कहा कि क्रिकेट चुनौतीपूर्ण समय से गुजर रहा है। उन्होंने द टेलीग्राफ से कहा, वह (शाह) भारत को इस खेल में एक अलग स्तर पर ले गए और उनके पास आईसीसी के साथ ऐसा करने का शानदार मौका है। उन्हें हालांकि भारत के दबदबे से बाहर निकलना होगा। उन्होंने कहा, हम खुशकिस्मत है कि हमें इस खेल में भारत का साथ मिला है। वे सभी मापदंडों के आधार पर खेल में एक बड़ा योगदान देते हैं, लेकिन एक देश के पास इतनी शक्ति और प्रभाव होने से बहुत सारे अन्य परिणाम बिगड़ सकते हैं। यह स्थिति खेल से जुड़े वैश्विक विकास में सहायक नहीं है। उन्होंने कहा कि शाह में भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और भी आगे ले जाने की क्षमता है। उन्होंने कहा, भारत कई चीजें कर सकता है जिससे खेल को एकजुट करने और आगे बढ़ाने में मदद मिल सकती है जिसमें अपनी टीमों का उपयोग करके छोटे पूर्ण सदस्यों और उभरते देशों को अवसर देना, नए क्षेत्रों और बाजारों को खोलने के लिए अपने प्रभाव का उपयोग करना, सदस्यों को लाभ पहुंचाने के लिए आईसीसी के साथ मिलकर काम करना जैसे काम शामिल हैं। बार्कले ने माना कि वर्तमान में अत्याधिक क्रिकेट के कारण वह कई बार व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर का भी ध्यान नहीं रख पाते। उन्होंने कहा, मुझे लगता है, मैं खेल के शिखर पर हूं और मैं आपको यह नहीं बता सकता कि दुनिया भर में कौन खेल रहा है। श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के मैच के बारे में मुझे अखबार में पढ़कर पता चला। उन्होंने कहा, ऐसे में मुझे लगता है कि हमने अपना दृष्टिकोण खो दिया है। यह खेल के लिए बिल्कुल भी अच्छा नहीं है। इसमें कुछ गड़बड़ है और कैलेंडर अविश्वसनीय रूप से व्यस्त है। हमारा स्वार्थ ऐसा है कि इन सभी को सुलझाना लगभग असंभव है, क्योंकि कोई भी अपनी फायदे वाली चीजों को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। बार्कले ने तालिबान सरकार के गठन के बाद महिला क्रिकेट को भंग करने के बावजूद अफगानिस्तान से पूर्ण सदस्यता वापस नहीं लेने के फैसले का बचाव किया। उन्होंने इस देश के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं खेलने को लेकर ऑस्ट्रेलिया की आलोचना की। उन्होंने कहा, इसमें अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड की कोई गलती नहीं थी।

बांग्लादेश ने वेस्टइंडीज में 15 साल बाद चखा टेस्ट मैच में जीत का स्वाद

किंग्सटन (जमैका)। बांग्लादेश ने वेस्टइंडीज को 101 रन से हराकर पिछले 15 साल में पहली बार कैरेबियाई सरजमीं पर टेस्ट मैच जीता। वेस्टइंडीज की टीम जीत के लिए 287 रनों का पीछा करते हुए दो सत्र से भी कम समय में 185 रन पर ऑल आउट हो गई। इस जीत के साथ ही बांग्लादेश की टीम दो मैचों की श्रृंखला को 1-1 से बराबर करने में सफल रही। यह वेस्टइंडीज में टीम की तीसरी जीत है। टीम ने इससे पहले 2009 में दो मैचों की श्रृंखला में 2-0 से सूपड़ा साफ किया था।इस मैच से पहले बांग्लादेश को वेस्टइंडीज में अपने पिछले सात टेस्ट मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। इसमें मौजूदा श्रृंखला का पहला मैच भी शामिल था।वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों के पास दूसरी पारी में ताइजुल इस्लाम की फिरकी का कोई जवाब नहीं था। उन्होंने 50 रन देकर पांच विकेट झटके। उन्हें हसन महमूद और तस्कीन अहमद का अच्छा साथ मिला। इन दोनों ने दो-दो विकेट चटकाए जबकि नाहिद राणा को एक सफलता मिली। वेस्टइंडीज के लिए सलामी बल्लेबाज क्रेग बेथवेट ने 43 और केवम हॉज ने 55 रन की पारी खेली। अपने आखिरी छह विकेट 42 रन के अंदर गंवा दिए। हॉज के आउट होते ही टीम की पारी पूरी तरह से लड़खड़ा गई। इससे पहले बांग्लादेश ने दिन की शुरुआत पांच विकेट पर 193 रन से की। प्लेयर ऑफ द मैच जाकेर अली ने 91 रन की शानदार पारी खेलकर टीम को 268 रन तक पहुंचाया। उन्होंने पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ एक छोर से आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 106 गेंद की पारी में आठ चौके और पांच छक्के लगाए। इससे पहले बांग्लादेश की पहली पारी में 164 रन के जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 146 रन पर आउट हो गई थी।

दूसरे टेस्ट मे कार्यवाहक विकेटकीपर बने रहेगे पोप

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड)। इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ बृहस्पतिवार से यहां शुरू हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट के लिए ओली पोप को कार्यवाहक विकेटकीपर बरकरर रखा है।पिछले हफ्ते क्राइस्टचर्च में पहले टेस्ट के दौरान जोर्डन कॉक्स का अंगूठा टूट गया था। ओली रोबिनसन को विकेटकीपर के कवर के तौर पर बुलाया गया था और वह वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में दूसरे टेस्ट में पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलने की दौड़ में थे।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा जागरण प्रकाशन लिमिटेड, डी-210, 211 सेक्टर 63 नोएडा फोन नंबर 01204615800 एक्सटेंशन 142, से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5 ,बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-693425001